जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 11 जनवरी, 2026

पजेशन शुरू

अब हर महीने रेट बढ़ेगी !

कोठी ₹4700/ Sq Ft से शुरू

वॉक-अप अपार्टमेंट ₹4000/ Sq Ft से शुरू

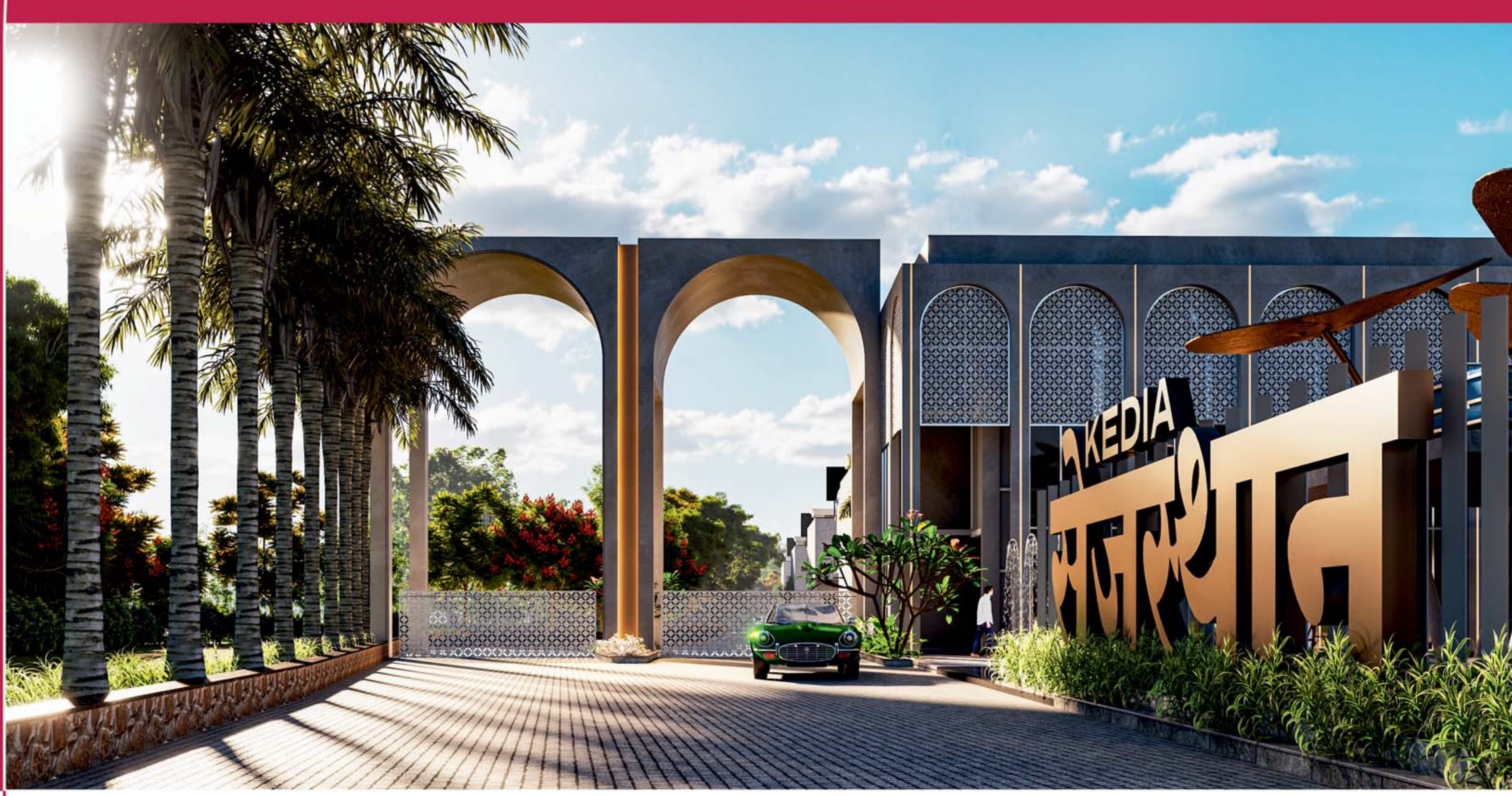

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

FIXED PRICE GUARANTEED

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

NO MIDDLE-MEN

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.20 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

कोई अभिलाषा यहाँ अपूर्ण नहीं रहती। –कहावत

आयुर्वेद के आहार संबंधी 31 महावाक्य

जब भूख लगती है तब सिद्धांत नहीं भोजन चाहिये। परन्तु यदि हम आयुर्वेद के कुछ महावाक्यों को याद रखकर, और उस ज्ञान का उपयोग करते हुये भोजन करें तो स्वास्थ्य उत्तम स्वास्थ्य बने रहने की संभावना बनी रहती है। आज की चर्चा आयुर्वेद के आहार-विषयक महावाक्यों पर केन्द्रित है। यह ज्ञान हमें बीमारी से बचाकर लाखों रुपये व्यर्थ होने से बचाने में सक्षम है। एक बात पूर्व में बताना आवश्यक है कि आयुर्वेद में ज्ञान की सीमायें अनंत हैं। मेरे ध्यान में केवल चरकसंहिता, सुश्रुतसंहिता और अष्टांगहृदय में ही भोजन से संबंधित लगभग 1000 महावाक्य हैं। उनमें से यह एक ऐसी प्रारंभिक चयनित सूची है, जिसके बिना हमारा काम ही नहीं चल सकता। आप इसमें अपने प्रिय सूत्र या प्रिय महावाक्य जोड़ते रहिये,उस ज्ञान का प्रयोग कीजिये, स्वस्थ रहिये और प्रसन्न रहिये।

1. आरोग्यं भोजनाधीनम् (काश्यपसंहिता, खि. 5.9): सबसे पहले तो हमें यह जान लेना चाहिये, जैसा कि महर्षि कश्यप कहते हैं, कि आरोग्य भोजन के अधीन होता है। सारा खेल भोजन का है। इस महावाक्य का अर्थ यह मानिये कि खाने को खानापूर्ति की तरह मत लीजिये।

2.एकाशन भोजनं सुखपरिणामकराणां श्रेष्ठम् (च.सू.25.40): तात्पर्य यह है कि 24 घंटे में केवल एक बार भोजन तत्समय में सुख देने में श्रेष्ठ है क्योंकि यह सुखपूर्वक पच जाता है।

3. कालभोजनमारोग्यकराणां श्रेष्ठम् (च.सू.25.40): नियत काल या समय पर भोजन करना श्रेष्ठ है।

4.अन्नंवृत्तिकराणां श्रेष्ठम् (च.सू. 25.40, चयनित अंश): शरीर में दृढ़ता लाने वाले पदार्थों में अन्न सबसे श्रेष्ठ है।

5. सर्वरसाभ्यासोबलकराणाम्श्रेष्ठम् (च.सू. 25.40, चयनित अंश) सभी रसों से युक्त भोजन (मधुर, अम्ल, लवण, कटु, तिक्त, कषाय) बल करने वालों में श्रेष्ठ है।

6. आमलकंवयः स्थापनानां श्रेष्ठम् (च.सू. 25.40, चयनित अंश):वयःस्थापनया आयु-स्थिर करने वालों में आँवला श्रेष्ठ है।

7. नाप्रक्षालितपाणिपादवदनो (च.सू.8.20): महर्षि चरक ने कम से कम पांच हजार साल पहले यह महत्वपूर्ण सूत्र दिया था। आचार्य वाग्भट ने भी इसे सातवीं-आठवीं शताब्दी में धौतपादकराननः (अ.हृ.सू. 8.35-38) के रूप में पुनः लिखा। इसका साधारण अर्थ यह है कि भोजन करने के पूर्व हाथ, पाँव व मुंह धोना आवश्यक है। इसके वैज्ञानिक महत्त्व पर बड़ी शोध हुई है। उनमें से एक बात यह है कि लन्दन स्कूल ऑफ़ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन के वैज्ञानिकों द्वारा की गयी एक शोध से पता लगा है कि हाथ धोये बिना भोजन लेने की आदत के कारण अनेक बीमारियाँ संक्रमित करती हैं। हाथ धोये बिना खाना खाने की आदत के कारण अकेले डायरिया से ही सालाना 23.25 अरब डॉलर की हानि भारत को हो रही है। यह हानि भारतीय अर्थव्यवस्था के कुल जीडीपी का 1.2 प्रतिशत है। हाथ धोने में लगने वाले कुल खर्च को समायोजित करने के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था को सालाना 5.64 अरब डॉलर की बचत हो सकती है। यह हाथ धोने में संभावित लागत का 92 गुना है। आयुर्वेद में भोजन के सम्बन्ध में अनेक महावाक्य हैं जिनका पालन कर परिवार, समाज और देश का बहुत धन बचाया जा सकता है।

8. नाशुद्धमुखो (च.सू.8.20): अशुद्ध मुंह से अर्थात मुंह की शुद्धता सुनिश्चित किये बिना भोजन नहीं लेना चाहिये। साफ़-सफाई के पश्चात ही भोजन का आनंद लेना उपयुक्त रहता है।

9. न कुत्सयन्नकुत्सितं न प्रतिकूलोपहितमन्नमाददीत (च.सू.8.20): दूषित अन्न या भोजन या दुश्मन या विरोधियों द्वारा दिया गया भोजन नहीं खाना चाहिये।

10. न नक्तं दधि भुञ्जीत (च.सू.8.20): रात में दही नहीं खाना चाहिये। असल में दही यदि ताज़ा न हो तो उसके लाभदायक गुण नष्ट हो जाते हैं। इसीलिये यह महावाक्य बहुत उपयोगी है।

11. पूर्वंमधुरमश्नीयान् (सु.सू.46.460): भोजन में सबसे पहले मधुर या मीठे पदार्थ खाना चाहिये। इसका तात्पर्य यह है कि भोजन पूरा करने के बाद मिठाई या आइसक्रीम में हाथ मारना नुकसानदायक है। भोजन का अंत सदैव कटु, तिक्त या कषाय रस से करना चाहिये।

12. आदौफलानिभुञ्जीत (सु.सू.46.461): फल भोजन के प्रारंभ में खाना चाहिये। भोजन के अंत में फल खाने की परंपरा अनुचित है।

13. पिष्टान्नंनैवभुञ्जीत (सु.सू.46.494): पीठी वाले भोजन प्रायः नहीं लेना चाहिये। अगर बहुत भूखे हैं तो कम मात्रा में पिष्टान्न लेकर उससे दुगनी मात्रा में पानी पीना चाहिये।

14. भुक्त्वाऽपियत्प्रार्थयतेभूयस्तत् स्वादु भोजनम्(सु.सू.46.482): जिस भोजन को खाने के बाद पुनः माँगा जाये, समझिये वह स्वादिष्ट है।

15. उष्णमश्नीयात् (च.वि.1.24.1): उष्ण आहार करना चाहिये। परन्तु ध्यान रखिये कि बहुत गर्म भोजन से मद, दाह, प्यास, बल-हानि, चक्कर आना व पित्त-विकार उत्पन्न होते हैं।

16.स्निग्धमश्नीयात् (च.वि.1.24.2): स्निग्ध भोजन करना चाहिये। परन्तु घी में डूबे हुये तर माल के रूप में नहीं। रूखा-सूखा भोजन बल, वर्ण, आदि का नाश करता है परन्तु बहुत स्निग्ध भोजन कफ, लार, दिल में बोझ, आलस्य व अरुचि उत्पन्न करता है।

उम्र-आधारित रोग-जनन (ऐज-रिलेटेडपैथोजेनेसिस) का मुख्य कारण भोजन के संबंध में आयुर्वेद की सलाह को न मानना भी है। यदि भोजन, शरीर, मन, वपर्यावरण के अंतर्संबंध को समझ लें तो स्वस्थ रहना संभव है। तनाव-जनित अपक्षयी तथा गैरसंचारी रोग जैसे कैंसर, मधुमेह, उच्च-रक्तचाप आदि की समस्या से जूझ रहे विश्व का कल्याण आयुर्वेद में दिये गये परामर्श और उनके प्रयोग पर निर्भर है।

17. मात्रावदश्नीयात् (च.वि.1.24.3): मात्रापूर्वक भोजन करना चाहिये। भोजन आवश्यकता से कम या अधिक नहीं करना चाहिये।

18. जीर्णेऽश्नीयात् (च.वि.1.24.4): पूर्व में ग्रहण किये भोजन के जीर्ण होने या पच जाने के बाद ही भोजन करना चाहिये।

19. वीर्याविरुद्धमश्नीयात् (च.वि.1.24.5): वीर्य के अनुकूल भोजन करना चाहिये। अर्थात् विरुद्ध वीर्य वाले खाद्य-पदार्थों, जैसे दूध और खट्टा अचार आदि को मिलाकर नहीं खाना चाहिये।

20. इष्टेदेशेइष्टसर्वोपकरणं चाश्नीयात् (च.वि.1.24.6): मन के अनुकूल स्थान और सामग्री के साथ भोजन करना चाहिये। अभीष्ट सामग्री के साथ भोजन करने से मन अच्छा रहता है।

21. नातिद्रुतमश्नीयात् (च.वि.1.24.7): बहुत तेज गति या जल्दबाज़ी में भोजन नहीं करना चाहिये।

22. नातिविलम्बितमश्नीयात् (च.वि.1.24.8): अत्यंत विलम्बपूर्वक भोजन नहीं करना चाहिये।

23. अजल्पन्नहसन्तन्मनाभुञ्जीत (च.वि.1.24.9): बिना बोले बिना हँसे तन्मयतापूर्वक भोजन करना चाहिये। भोजन और तन्मयता का संबंध इतना प्रगाढ़ है कि भोजन के संबंध में आयुर्वेद में दी गई सम्पूर्ण सलाह निरर्थक जा सकती है, यदि भोजन तन्मयता के साथ न किया जाये।

24. आत्मानमभिसमीक्ष्यभुञ्जीत (च.वि.1.25): पूर्ण रूप से स्वयं की समीक्षा कर भोजन करना चाहिये। इसका तात्पर्य यह है कि शरीर के लिये हितकारी और अहितकारी, सुखकर और दुःखकर द्रव्यों का शरीर के परिप्रेक्ष्य में गुण-धर्म का ध्यान रखते हुये यहाँ दिये गये महावाक्यों के अनुरूप ही भोजन करने का लाभ है।

25. अशितश्चोदकंयुक्त्याभुञ्जानश्चान्तरापिबेत् (सु.सू.46.482): भोजन के पश्चात युक्तिपूर्वक पानी की मात्रा लेना चाहिये। तात्पर्य यह है कि खाने के बाद गटागट लोटा भर जल नहीं चढ़ा लेना चाहिये।

26. हिताहितोपसंयुक्तमन्नंसमशनंस्मृतम्। बहु स्तोकमकालेवातज्ज्ञेयंविषमाशनम्।। अजीर्णेभुज्यतेयत्तुतदध्यशनमुच्यते। त्रयमेतन्निहन्त्याशुबहून्व्याधीन्करोतिवा।। (सु.सू.46.494): हितकर और अहितकर भोजन को मिलाकर खाना (समशन), कभी अधिक कभी कम या कभी समय पर कभी असमय खाना (विषमाशन) या पहले खाये हुये भोजन के बिना पचे ही पुनः खाना (अध्यशन) शीघ्र ही अनेक बीमारियों को जन्म दे देते हैं। आज की स्थिति में बढ़ रही जीवन-शैली से जुड़ी बीमारियों का यही कारण है।

27. प्राग्भुक्तेत्वविविक्तेऽग्नौद्विरन्नं न समाचरेत्। पूर्वभुक्तेविदग्धेऽन्नेभुञ्जानोहन्तिपावकम्। (सु.सू.46.492-493): सुबह खाने के बाद जब तक तेज भूख न लगे तब तक दुबारा अन्न नहीं खाना चाहिये। पहले का खाया हुआ अन्न विदग्ध हो जाता है और ऐसी दशा में फिर खाने वाला इंसान अपनी पाचकाग्नि को नष्ट कर लेता है।

28. भुक्त्वाराजवदासीतयावदन्नक्लमोगतः। ततःपादशतंगत्वावामपार्श्वेनसंविशेत्।। (सु.सू.46.487): भोजन के बाद राजा की तरह सीधा तनकर बैठना चाहिये ताकि भोजन का क्लम हो जाये। फिर सौ कदम चल कर बायें करवट लेट जाना चाहिये।

29. नसक्तूनेकानश्नीयान्निनशि न भुक्त्वा न बहून्निद्वर्नोदकान्तरितान्न छित्त्वाद्विजैर्भक्षयेत् (च.सू.8.20): सत्तू-भुने हुये अनाज का आटा-घी और चीनी के मिश्रण के बिना नहीं खाना चाहिये। सत्तू को रात में,भोजन के बाद, अधिक मात्रा में, दिन में दो बार, या पानी पी-पीकर ठांस कर, या दांतों को किटकिटाते हुये भी नहीं खाना चाहिये।

30. आहारः प्रीणनः सद्योबलकृद्देहधारकः। आयुस्तेजः समुत्साहस्मृत्योजोऽग्निविवर्द्धनः। (सु.चि., 24.68): स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और बीमारी को रोकने में भोजन का स्थान रसायन और औषधि से कम नहीं है। इस सूत्र का अर्थ यह है कि आहार से संतुष्टि, तत्क्षण शक्ति, और संबल मिलता है, तथा आयु, तेज, उत्साह, याददाश्त, ओज, एवं पाचन में वृद्धि होती है। सन्देश यह है कि साफ़-सुथरा, प्राकृतिक और पौष्टिक भोजन शरीर, मन और आत्मा की प्रसन्नता और स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है।

31. हिताशीस्यान्मिताशीस्यात्कालभोजीजितेन्द्रियः। पश्यन्रोगान्बहून्कष्टान्बुद्धिमान्विषमाशनात्।। (च.नि.6.11): विषम भोजन से उत्पन्न तमाम अति-कष्टकारी रोगों को देखते हुये बुद्धिमान व्यक्ति को अपनी इन्द्रियों पर काबू पाकर हिताशी, मिताशी और कालभोजी होना चाहिये। तात्पर्य यह है कि हितकर द्रव्यों का आहार करने वाला, अपनी पाचन-शक्ति को देखते हुये मिताहार या नपा-तुला भोजन करने वाला और समय पर भोजन करने वाला होना चाहिये।

स्वस्थ रहने के लिये खाद्य-पदार्थों के चयन एवं भोजन के संबंध में आयुर्वेद के इन महावाक्यों की भूमिका को स्वीकार करना और व्यवहार में लाना आवश्यक है। भोजन की खामी से होने वाली एसिडिटी या पेट की जलन के लिये ओमेज़, ओम्प्रजोल या प्रिलोसेक या ऐसी तमाम प्रोटोनपंपइन्हिबिटर्स का दीर्घकालिक प्रयोग बहुत हानिकारक है। प्रोटॉनपंप अवरोधक दवा उनमें से हैं जिनका लंबी अवधि के उपचार के लिए उपयोग विशेष रूप से बढ़ रहा है। अक्सर इनके निर्धारित मात्रा से ज्यादा और अनुचित उपयोग से भारी प्रतिकूल प्रभावों का पता चला है। इनमें संक्रमण का खतरा बढ़ना, विटामिन और खनिजों के आंतों में अवशोषण को कम करना, गुर्दे की क्षति और मनोभ्रंश या डेमेंशिया शामिल हैं। इसके अलावा, कुछ अध्ययनों में बृहदान्त्र कैंसर, गैस्ट्रिक कैंसर, हृदय जोखिम, विटामिन बी 12 की कमी, हाइपोमैग्नेसीमिया, हाइपोनैट्रीमिया और फ्रैक्चर का जोखिम बढ़ने का खतरा बताया गया है।

उम्र-आधारित रोग-जनन (ऐज-रिलेटेडपैथोजेनेसिस) का मुख्य कारण भोजन के संबंध में आयुर्वेद की सलाह को न मानना भी है। यदि भोजन, शरीर, मन, वपर्यावरण के अंतर्संबंध को समझ लें तो स्वस्थ रहना संभव है। तनाव-जनित अपक्षयी तथा गैरसंचारी रोग जैसे कैंसर, मधुमेह, उच्च-रक्तचाप आदि की समस्या से जूझ रहे विश्व का कल्याण आयुर्वेद में दिये गये परामर्श और उनके प्रयोग पर निर्भर है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

राजस्थान का भविष्य रचते हुए सुशासन से सशक्त विकास की ओर कदम

विश्वास की पुनर्स्थापना से विज़न 2047 तक की ठोस यात्रा

मदन राठौड़

राजस्थान आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल सत्ता परिवर्तन या योजनाओं की घोषणा का समय नहीं, बल्कि शासन की दिशा, प्रशासनिक संस्कृति और विकास की प्राथमिकताओं में आए गहरे बदलाव का कालखंड है। बीते दो वर्षों को यदि सतही रूप में देखा जाए तो यह सामान्य प्रशासनिक अवधि लग सकती है, लेकिन वस्तुतः टूटे विश्वास की पुनर्स्थापना, स्थिर शासन की स्थापना और दीर्घकालिक विकास की नींव रखने के रहे हैं। यही वह आधार है, जिस पर आने वाले दशकों का राजस्थान आकार लेगा।

जब वर्तमान सरकार ने कार्यभार संभाला, तब सबसे बड़ी चुनौती योजनाओं या संसाधनों की नहीं, बल्कि जन विश्वास की थी। भर्ती परीक्षाओं में बार-बार हुए पेपर लीक, प्रशासनिक शिथिलता और निर्णयों में अनिश्चितता ने विशेषकर युवाओं में गहरी निराशा पैदा कर दी थी। मेहनत और योग्यता पर भरोसा कमजोर हो गया था। सरकार ने इस स्थिति को केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि सामाजिक अन्याय के रूप में पहचाना और इसे अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया। यहीं से सुशासन की वास्तविक शुरुआत हुई।

भर्ती घोटालों की गहन जांच के लिए विशेष जांच दलों का गठन, 139 एफआईआर और लगभग 400 गिरफ्तारियां केवल कानूनी कार्रवाई नहीं थीं, बल्कि यह स्पष्ट संदेश था कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ अब किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होगा। केवल उप-निरीक्षक भर्ती घोटाले में 132 गिरफ्तारियां इस बदले हुए शासन दृष्टिकोण का प्रतीक हैं। इसके समानांतर परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से मजबूत किया गया। बायोमेट्रिक सत्यापन, सख्त परीक्षा प्रोटोकॉल और तकनीकी निगरानी लागू की गई।परिणामस्वरूप 296 परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित हुईं। आज सरकार 1.53 लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है और युवाओं में यह भरोसा लौट रहा है कि चयन का एकमात्र आधार योग्यता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी यही विश्वास है।

सरकार ने रोजगार के प्रश्न को भी व्यापक दृष्टि से देखा। यह स्वीकार किया गया कि केवल सरकारी नौकरियां ही समाधान नहीं हो सकतीं। बीते दो वर्षों में सात रोजगार मेलों के माध्यम से 90 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नियुक्तियां दी गईं और 20 हजार नियुक्तियां शीघ्र दी जा रही हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत चार लाख से अधिक युवाओं को स्वरोजगार ऋण उपलब्ध कराया गया, तीन लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण मिला और 'राइजिंग राजस्थान' पहल के माध्यम से निजी क्षेत्र में 2.5 लाख से अधिक रोजगार सृजन की दिशा बनी। ये आंकड़े उन लाखों परिवारों की कहानियां हैं, जिनके घरों में आर्थिक सुरक्षा और आत्मविश्वास लौटा है।

आर्थिक विकास के मोर्चे पर सरकार ने व्यावहारिक और दूरदर्शी नीति अपनाई। 'राइजिंग राजस्थान' के तहत 35 लाख करोड़ के एमओयू हुए, जिनमें से लगभग 8 लाख करोड़ की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। यह स्पष्ट करता है कि निवेश केवल कागजों तक सीमित नहीं है। सरकार का फोकस निवेश को वास्तविक उत्पादन, बुनियादी ढांचे और रोजगार में बदलने पर रहा है, ताकि इसका लाभ प्रदेश के हर वर्ग तक पहुंचे। नीति स्थिरता और त्वरित स्वीकृतियों ने राजस्थान को निवेशकों के लिए भरोसेमंद गंतव्य के रूप में स्थापित किया है।

बुनियादी ढांचा किसी भी राज्य के विकास की रीढ़ होता है। राजस्थान में लंबे समय से जल, ऊर्जा और कनेक्टिविटी की सीमाएं विकास में बाधा रही हैं। जल संकट इस चुनौती का सबसे जटिल पहलू रहा है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के पास देश की 12.85 प्रतिशत कृषि भूमि है, लेकिन सतही जल केवल 1.16 प्रतिशत और भूजल 1.72 प्रतिशत ही उपलब्ध है। इसके बावजूद अक्टूबर 2025 तक 40.04 लाख हेक्टेयर सिंचित क्षमता विकसित की गई।

राम जल सेतु लिंक परियोजना से 17 जिलों को पेयजल और 4.03 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई का लाभ मिलेगा, जिसके लिए 26 हजार करोड़ के कार्यादेश जारी किए गए हैं। परवन परियोजना से 2 लाख हेक्टेयर सिंचाई और 1,402 गांवों को पेयजल मिलेगा, जबकि आईजीएनपी पुनर्संरचना के तहत 2,676 किलोमीटर नहरों का जीर्णोद्धार कर सेम समस्या लगभग समाप्त कर दी गई है। ये निर्णय दशकों पुराने जल संकट के संरचनात्मक समाधान की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं।

ऊर्जा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखा गया है। नवीकरणीय ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा, को विकास की रीढ़ बनाया गया है। इससे पर्यावरणीय संतुलन मजबूत हुआ है और औद्योगिक निवेश तथा रोजगार सृजन को नई गति मिली है। यह मॉडल दर्शाता है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं।

कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा सुशासन की आधारशिला हैं। सरकार के प्रयासों से कुल अपराधों में 12 प्रतिशत, हत्या के मामलों में 18 प्रतिशत और डकैती-लूट में लगभग 50 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। महिला अपराधों में 11 प्रतिशत और एससी/एसटी अत्याचारों में 21 प्रतिशत की गिरावट यह दर्शाती है कि तकनीक आधारित पुलिसिंग, तेज़ प्रतिक्रिया और त्वरित न्याय व्यवस्था प्रभावी हो रही है।

शिक्षा और स्वास्थ्य को सरकार ने केवल कल्याणकारी योजनाओं के रूप में नहीं, बल्कि मानव पूंजी में निवेश के रूप में देखा है। लक्ष्य यह है कि सरकारी स्कूल और अस्पताल आमजन की पहली पसंद बनें। इसके लिए बुनियादी ढांचे, संसाधनों और सेवा गुणवत्ता-तीनों स्तरों पर सुधार किया जा रहा है। यह दृष्टि दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की आधारशिला है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की नीति शून्य सहनशीलता की रही है। ई-गवर्नेंस, डीबीटी और समयबद्ध सेवाओं के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही को संस्थागत रूप दिया गया है।सुशासन को किसी अभियान की तरह नहीं, बल्कि दैनिक प्रशासनिक अनुशासन के रूप में अपनाया गया है।

सांस्कृतिक और पर्यटन विकास के क्षेत्र में भी सरकार ने संरक्षण को रोजगार से जोड़ने की दृष्टि अपनाई है। शेखावाटी क्षेत्र में चिन्हित 662 ऐतिहासिक हवेलियों को हेरिटेज वॉक, होमस्टे, संग्रहालय और सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है। सात पैनोरमा परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जो इस क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान देंगी और स्थानीय युवाओं के लिए स्थाई रोजगार सृजित करेंगी।

केंद्र-राज्य समन्वय को सरकार ने सहकारी संघवाद के रूप में आगे बढ़ाया है। यमुना जल समझौते सहित अंतरराज्यीय जल समझौतों ने दशकों पुराने विवादों का समाधान किया है और विकास के नए द्वार खोले हैं। यह समन्वय आने वाले वर्षों में और ठोस परिणाम देगा।

अंततः यह पूरा परिदृश्य विज़न 2047 की ओर संकेत करता है, एक ऐसा राजस्थान जो जल और ऊर्जा में आत्मनिर्भर हो, जहां किसान सहायता नहीं बल्कि समृद्धि का आधार पाएं, युवाओं का भरोसा मजबूत हो, निवेश सुरक्षित और स्थाई हो तथा विकास तेज़ होने के साथ-साथ टिकाऊ, समावेशी और न्यायपूर्ण भी हो।

सुशासन कोई नारा नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास है। बीते दो वर्ष दिशा तय करने के रहे हैं। आने वाले वर्ष इस दिशा में गति बनाए रखने और राजस्थान को भविष्य के लिए तैयार राज्य के रूप में स्थापित करने के होंगे। यही वह मार्ग है, जिस पर चलकर राजस्थान न केवल अपना उज्ज्वल भविष्य गढ़ेगा, बल्कि विकसित भारत की यात्रा में एक प्रेरक अध्याय भी जोड़ेगा।

–मदन राठौड़,
सदस्य, राज्यसभा

सरिस्का सीटीएच के नए ड्राफ्ट पर अलवर के धीरोड़ा के ग्रामीणों ने आपत्ति जताई

ग्रामसभा में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने ड्राफ्ट के खिलाफ विरोध जताया

अलवर, (निसं)। राजगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम धीरोड़ा में सरिस्का क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (सीटीएच) के प्रस्तावित नए ड्राफ्ट को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली। इसी को लेकर ग्राम पंचायत सभागार में आयोजित ग्रामसभा में बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि एकत्र हुए और ड्राफ्ट के खिलाफ कड़ा विरोध जताते हुए इसे वापस लेने की मांग की।

ग्रामसभा में रामदयाल गुर्जर ने आरोप लगाते हुए कहा कि नए प्रस्तावित ड्राफ्ट में मल्लाना, तिलवाड़ी, खोह दरीबा और बलदेवगढ़ जैसे मार्बल खनन क्षेत्रों को शामिल नहीं किया गया है, जबकि गोला का बास के राजस्व ग्राम भानगढ़ और ग्राम पंचायत धीरोड़ा क्षेत्र को सीटीएच में शामिल कर लिया गया है, जो पूरी तरह अनुचित है। राजगढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम धीरोड़ा में सरिस्का क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (सीटीएच) के प्रस्तावित नए ड्राफ्ट को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली।

ग्रामीणों ने गोला का बास-धीरोड़ा से सीटीएच हटाओ जैसे नारे लगाकर विरोध-प्रदर्शन किया।

उन्होंने बताया कि गोला का बास, धीरोड़ा और पावटा ग्राम पंचायतों की ग्राम सभाओं में सर्वसम्मति से सीटीएच में शामिल न किए जाने को लेकर मौखिक और लिखित आपत्तियां दर्ज करवाई गई है। ग्रामीण रमेश ने बताया कि राजस्व ग्राम भानगढ़ ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां विश्व प्रसिद्ध भानगढ़ का किला स्थित है, जिसे देश-विदेश से पर्यटक देखने आते हैं। साथ ही सरसा देवी मंदिर, नारायणी धाम सहित कई धार्मिक

■ ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि करीब 28 किलोमीटर दूर ऐसे क्षेत्र को सीटीएच में शामिल किया गया है, जहां कृषि भूमि, आबादी और धार्मिक-पर्यटन गतिविधियां अधिक है

स्थल हैं, जहां दौसा, जयपुर सहित आसपास के जिलों से श्रद्धालु नियमित रूप से दर्शन, सवामणी, जात-जडूले और पदयात्राओं के लिए आते रहते हैं। ऐसे में यहां मानवीय गतिविधियां लगातार बनी रहती हैं, जो बाघ विचरण के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि बाघ परियोजना से सटे घने और सघन वन क्षेत्रों को नजरअंदाज कर करीब 28 किलोमीटर दूर ऐसे क्षेत्र को सीटीएच में शामिल किया गया है, जहां कृषि भूमि, आबादी और धार्मिक-पर्यटन गतिविधियां अधिक हैं। ग्रामसभा में ग्रामीणों ने ग्राम विकास अधिकारी को व्यक्तिगत खातेदारी कृषि भूमि और सामूहिक भूमि से संबंधित आपत्ति पत्र भी सौंपे। इस दौरान ग्रामीणों ने गोला का बास-धीरोड़ा से सीटीएच हटाओ जैसे नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने वन विभाग, जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की है कि सीटीएच के नए प्रस्तावित ड्राफ्ट पर पुनर्विचार किया जाए और बाघ विचरण के लिए वास्तविक रूप से उपयुक्त, निर्जन और सघन वन क्षेत्र का पुनः निर्धारण किया जाए। ग्रामीणों ने सीटीएच से पशुधन, कृषि व्यवसाय, आवाजाही के रास्तों और वन क्षेत्र के पास बसी ढाणियों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी आपत्तियां दर्ज करवाई।

ऊँट उत्सव में योजनाओं से जुड़ा साहित्य वितरित

बीकानेर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव के दूसरे दिन शनिवार को राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित साहित्य का वितरण किया गया।

विभाग के उप निदेशक हरि शंकर आचार्य ने बताया कि विभाग की स्टाल में लगातार दूसरे दिन साहित्य वितरित किया गया। इस दौरान स्थानीय और विभिन्न स्थानों से आए पर्यटकों को राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। जनसंपर्क अधिकारी सुरेश बिश्नोई के नेतृत्व में युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों से अवगत करवाया गया। इस दौरान अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी विक्रम सिंह और कनिष्ठ सहायक हेमराज मौजूद रहे।

जिला प्रशासन तथा पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहे ऊँट उत्सव 2026 के दूसरे दिन भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र (एन.आर.सी.सी.) के कैमल स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में आयोजित कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय कल्याणार्थ उन्नत तकनीकी प्रदर्शनी में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की स्टॉल तृतीय स्थान पर रही।

राशिफल रविवार 11 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र सायं 6:12 तक, सुकर्मा योग सायं 5:27 तक, कौलव करण दिन 10:21 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-तुला, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:40 से 9:58 तक, लाभ-अमृत 9:58 से 12:34 तक, शुभ 1:53 से 3:11 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:47

मेष
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

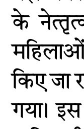

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

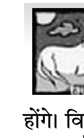

कर्क
घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

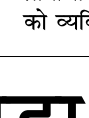

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

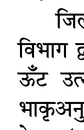

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों और परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

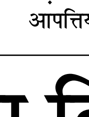

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

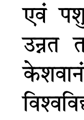

मकर
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

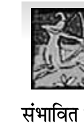

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 160 प्रभात जयपुर, रविवार 11 जनवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

Why Armies Parade! Parades train soldiers, test units, build cohesion, reinforce morale and signal power. At their core lie three pillars of Sweat, Synchrony and Spirit

"At Home" on Jaipur's Streets Some carry the memory in medals. Some carry it in the way they talk about the Army as 'our boys' (and increasingly, our women too), with a possessiveness that is actually tenderness

'ईडी कार्यवाही आदि, बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए की जा रही है'

ममता बनर्जी का खेमा आक्रामक मुद्रा में यह भी कह रहा है कि केन्द्रीय सरकार का यह प्लान हम सफल नहीं होने देंगे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जनवरी। पश्चिम बंगाल का सियासी पारा उफान पर है। ममता बनर्जी ने भाजपा को चुनौती दी है कि वह उन्हें अस्थिर करके दिखाए। वह भाजपा के साथ सीधी लड़ाई में हैं और हर मोर्चे पर हमला करने के लिए तैयार हैं।

दिल्ली में इस बात को लेकर अटकलें तेज़ हैं कि भाजपा पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की ज़मीन कैसे तैयार कर रही है। ईडी द्वारा आई-पैक के दफ्तर पर छापे के बाद वहां से फाइलें और डेटा उठाने को लेकर भाजपा ममता बनर्जी पर हमला कर रही है।

ममता बनर्जी खुद आई-पैक के दफ्तर पहुंचीं और फाइलें उठा ले गईं। उनका कहना है कि ये फाइलें उनकी

- ऐसा लग रहा है, ममता बनर्जी व केन्द्रीय सरकार के बीच ''युद्ध'' तब तक चलेगा, जब तक बंगाल चुनाव का अंतिम वोट नहीं पड़ जाता।
- ममता बनर्जी के लोग अपने इस तर्क को आगे ले जाते हुए, यह दावा भी कर रहे हैं कि भाजपा (केन्द्रीय सरकार) के द्वारा राष्ट्रपति शासन लगाने के बाद ममता बनर्जी के वफादार कार्यकर्ता व नेता तथा प्रशासन असक्षम हो जाएंगे, चुनाव में भूमिका निभाने की दृष्टि से तथा भाजपा अपने मन मुताबिक चुनाव का संचालन कर सकेगी और यह ममता बनर्जी के समर्थक, कदापि नहीं होने देंगे।

पार्टी तृणमूल कांग्रेस से जुड़े चुनावी डेटा और चुनावी जानकारियों से संबंधित हैं, जिन पर अमित शाह की नज़र है।

ईडी ने इस पर सफाई दी है कि यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले से जुड़ी है, न कि किसी राजनीतिक पार्टी से।

ममता, जिनका लड़ने का जज़्बा फिर से जाग उठा है, सड़कों पर उतर आई हैं और अपने समर्थकों के साथ मार्च कर रही हैं। वह यह संदेश दे रही हैं कि भाजपा जो भी करेगी, वह उससे लड़ने के लिए तैयार हैं और डरने वाली नहीं हैं।

सूत्रों का कहना है कि भाजपा राष्ट्रपति शासन लगाने का विकल्प तलाश रही है, ताकि ममता के वफादारों और उनकी प्रशासनिक मशीनरी के सहयोग के बिना चुनाव कराए जा सकें और केंद्र की भाजपा सरकार को चुनाव संभालने और उन्हें प्रभावित करने की पूरी छूट मिल सके।

यह लड़ाई आखिरी वोट पड़ने तक चलती रहेगी, जहां भाजपा ममता बनर्जी को अस्थिर करने के लिए पूरी ताकत झोंक देगी और ममता भी उतनी ही दृढ़ता से पश्चिम बंगाल से भाजपा को बाहर करने के लिए डटी रहेंगी।

एसआई भर्ती में आयु सीमा की छूट पर हाई कोर्ट 31 मार्च तक निर्णय लेगा

जयपुर, 10 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 में शामिल हुए अभ्यर्थियों को साल 2025 की एसआई भर्ती में आयु सीमा में छूट से जुड़े मामले में दायर एसएलपी को निस्तारित कर दिया है। अदालत ने कहा है कि 2021 की भर्ती को रद्द करने वाले एकलपीठ के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट की खंडपीठ पहले से ही सुनवाई कर रही है। ऐसे में आयु सीमा में छूट से जुड़े मुद्दे पर हाईकोर्ट की खंडपीठ 31 मार्च से पहले फैसला करे।

- सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में दायर एसएलपी का निस्तारण किया।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चन्द्र शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश सूरज मल मीणा की ओर से दायर एसएलपी का निस्तारण करते हुए दिए।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि एसआई 2021 भर्ती को रद्द करने के संबंध में निर्णय हो जाता है तो आयु सीमा का विवाद स्वतः ही समाप्त हो जाएगा, लेकिन यदि भर्ती रद्द नहीं होती है तो हाईकोर्ट की खंडपीठ के निर्णय के आधार पर आयु सीमा में छूट का फैसला होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईडी सुप्रीम कोर्ट पहुँचा, ममता बनर्जी के खिलाफ कार्यवाही की गुहार लेकर

पर, आश्चर्य की बात यह है कि ईडी की गुहार में ममता जी को गिरफ्तार करने के लिए मांग नहीं की गई, बल्कि यह मांग की गई है कि ईडी को उसका काम करने दिया जाए, उसमें बाधाएं नहीं होने दें

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 10 जनवरी। अपनी कार्यवाही में लगातार बाधा डाले जाने और कलकत्ता उच्च न्यायालय से कोई राहत न मिलने से खिन्न एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह मामला कई करोड़ रु. के कोयला घोटाले से जुड़ा है, जिसमें एक कंसल्टेंसी फर्म के कार्यालयों में तलाशी और दस्तावेजों की जब्ती की ईडी की कोशिश विफल कर दी गई थी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को जो किया, ऐसा भारत में पहली बार हुआ है। वे कोलकाता में आई पैक नामक फर्म के मालिक के आवास और शहर में स्थित उसके मुख्यालय से कथित आपत्तिजनक सामग्री और सबूत अपने

- ईडी ने (केन्द्रीय सरकार ने) इतना नरम रवैया क्यों अख्तियार किया। ममता बनर्जी ने सरकारी एजेंसी के काम में पुलिस की मदद से बाधा पहुंचायी और सबूत के कागज़ात का ''डेटा'' उठाकर ले गईं। यह अपने आप में गंभीर जुर्म है और अगर कोई साधारण व्यक्ति यह अपराध करता तो उसे तुरंत जेल भेज कर दंडात्मक कार्यवाही की जाती।

साथ ले गईं। यह पहली बार है जब किसी सत्तारूढ़ मुख्यमंत्री ने राज्य पुलिस के साथ आकर ईडी को उसके वैधानिक कर्तव्य का पालन करने से रोका।

वह भी एक गंभीर आर्थिक अपराध के मामले में, जिसमें अवैध कोयला खनन और हवाला लेनदेन के ज़रिये बिक्री की रकम को इधर-उधर करने के आरोप हैं। ईडी यह जांच प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉण्डरिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत कर रही थी।

इस तरह का कृत्य कानून की सामान्य प्रक्रिया में ही अपराध की श्रेणी में आता है। लेकिन जिस तरह से ममता बनर्जी ने हस्तक्षेप किया और कथित तौर पर मामले से जुड़े महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले गईं, वह स्वयं कानून का स्पष्ट उल्लंघन था। वास्तव में उन्होंने राज्य पुलिस के एक दल के साथ ईडी की टीम पर हमला किया और उसे डराने-धमकाने का काम किया, जबकि एजेंसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत-अमेरिका व्यापारिक वार्ता में अवरोध से भारी घबराहट है निर्यातकों में

निर्यातकों ने भारत सरकार व अमेरिका से वार्ता पुनः शुरु करने का आग्रह किया

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 10 जनवरी। भारत के निर्यातकों ने नई दिल्ली और वॉशिंगटन से तत्काल फिर से बातचीत करने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में हो रही देरी से पहले ही नुकसान हो रहा है। और यदि टैरिफ का दबाव और बढ़ा तो यह नुकसान और बढ़ जाएगा। अमेरिका द्वारा चुनिंदा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक का शुल्क लगाए जाने के बाद, उद्योग संगठनों का तर्क है कि दांव पर सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं, बल्कि भारत के सबसे बड़े निर्यात बाज़ार में उसके निर्यात क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता भी लगी हुई है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस (एफआईईओ) के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइज़ेशन के अध्यक्ष एससी रल्हन ने निर्यातकों के बीच बढ़ती हताशा और भय का हवाला देते हुए कहा कि दोनों पक्षों को परस्पर हित के लिए व्यापारिक समझौता करना चाहिए और उससे संबंधित मसलों का समाधान करना चाहिए।
- भारत के कुल निर्यात का लगभग 20 प्रतिशत अमेरिका को जाता है, इनमें टैक्सटाइल, लैदर, जवाहरात, इंजीनियरिंग वस्तुएं, ऑटो पाट्‌र्स व कैमिकल शामिल हैं। यह क्षेत्र 50 प्रतिशत टैरिफ से पहले ही त्रस्त है और अगर ट्रेड डील नहीं हुई तो इन वस्तुओं को अमेरिका के बाज़ार से हटना पड़ेगा।
- निर्यातकों का कहना है कि बातचीत में निष्क्रियता से नुकसान बढ़ रहा है, लाभ का मार्जिन सिकुड़ रहा है, प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, ऑर्डर कैंसल हो रहे हैं। ट्रेड डील मात्र प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि अस्तित्व से जुड़ी हुई है।

जैसलमेर में पारा 2.2 डिग्री रहा

जैसलमेर, (निसं)। शनिवार को जैसलमेर प्रदेश का सबसे ठंडा इलाका रहा, जहाँ न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह तापमान प्रदेश के सबसे ठंडे माने जाने वाले हिल स्टेशन माउंट आबू (5.7) से भी कम

- मौसम विभाग ने अगले 2-3 दिन तक शीत लहर जारी रहने का येलो अलर्ट जारी किया।

रहा। उत्तर की बर्फीली हवाओं के कारण सुबह के समय कड़ाके की ठंड का एहसास ज़ीरो डिग्री जैसा हो रहा था।

शनिवार अलसुबह जिला घने कोहरे की चादर में लिपटा नजर आया। विज़िबिलिटी बेहद कम होने के कारण चाचा गांव के पास एक निजी बस और पुलिस की गाड़ी में जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में पुलिस की गाड़ी में भारी नुकसान हुआ। कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी रही और लोग सुबह देर तक अलाव जलाकर आग तापते देखे गए। मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिनों तक घना कोहरा और शीत लहर जारी रहने का यलो अलर्ट जारी किया है।

महाराष्ट्र में नए समीकरण उभरेंगे, शहरी निकाय चुनावों के बाद

ठाकरे कज़िंस (उद्धव एवं राज ठाकरे) एक साथ आ गए हैं, चाचा-भतीजा (शरद पवार और अजित) ने भी चुनावी तालमेल कर लिया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जनवरी। महाराष्ट्र की राजनीति इस समय अभूतपूर्व पुनर्गठन के दौर से गुजर रही है, क्योंकि राज्य की 29 नगर निकायों में होने वाले चुनावों की तैयारी चल रही है। ये चुनाव तय समय से चार साल की देरी से कराए जा रहे हैं।

इन बदलावों में सबसे अहम है, एक तो अलग हो चुके ठाकरे कज़िन्स (चचेरे भाइयों) का साथ आना और दूसरे प्रतिद्वंद्वी पवार गुटों के बीच सुलह की शुरुआती कोशिशें।

एक ऐसे घटनाक्रम में जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने महा विकास अघाडी (एमवीए) गठबंधन से नाता तोड़ते हुए मुंबई महानगरपालिका चुनावों के लिए चचेरे भाई राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ हाथ मिला लिया है।

- ठाकरे परिवार की एकजुटता मात्र चुनावी लाभ के लिए नहीं, बल्कि वे बाल ठाकरे की विरासत और ''मराठी मानुस'' वोट बैंक पुनः पाना चाहते हैं। बीएमसी चुनावों में इस एकजुटता का क्या नतीज़ा निकलता है, इसी पर आगे का रास्ता निर्भर करेगा।
- एनसीपी के कर्ताधर्ता पवार परिवार में बढ़ती निकटता के पीछे शरद पवार की अपनी बेटी सुप्रिया सुले के भविष्य की चिंता मुख्य कारण है। वे जानते हैं, सुप्रिया उनके भतीजे अजित की तरह जनाधार वाली नेता नहीं हैं।
- यह भी चर्चा है कि एकजुट एनसीपी एनडीए में शामिल हो जाएगी। यहाँ राज्य में अजित पवार मुख्य भूमिका निभाएंगें और राष्ट्रीय स्तर पर सुप्रिया सुले।

यह साझेदारी केवल चुनावी मजबूरी नहीं है, बल्कि दोनों ठाकरे भाइयों द्वारा मराठी राजनीति के दिग्गज बालासाहेब ठाकरे की विरासत को फिर से अपने नाम करने की रणनीतिक कोशिश है, जिनका व्यक्तित्व कभी महाराष्ट्र की राजनीति पर छाया हुआ था।

इस बात की कल्पना कुछ ही ने की थी कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों के लिए एमवीए से अलग होकर मनसे के साथ गठबंधन करेगी। यह कदम महाराष्ट्र की राजनीति में दूरगामी असर डाल सकता है।

यह गठबंधन सधे हुए चुनावी गणित पर आधारित है। दोनों ठाकरे मिलकर ''मराठी मानूस'' को साधने की कोशिश कर रहे हैं, जो मुंबई की आबादी का लगभग 40 प्रतिशत है, वहीं उनकी नज़र मुस्लिम समुदाय पर भी है, जो करीब 20 प्रतिशत है, के समर्थन पर भी उनकी नज़र है।

इस रणनीति के पीछे सीधा सा तर्क है: एकजुट ठाकरे खेमे का मानना है कि वे कांग्रेस की तुलना में भारतीय जनता पार्टी को हराने की बेहतर स्थिति में हैं, जिससे मुस्लिम समुदाय के पास उन्हें समर्थन देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओडिशा में चार्टर्ड प्लेन की क्रैश लैंडिंग, 6 घायल

राउरकेला, 10 जनवरी। ओडिशा में शनिवार की दोपहर भुवनेश्वर से राउरकेला जा रहा इंडिया वन एयर का 9 सीटर प्लेन अचानक लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 6 लोगों के घायल होने की खबर है। प्लेन

- चार यात्री व दो पायलट वाले प्लेन में 4-5 किलोमीटर बाद ही खराबी आ गयी थी।

राउरकेला के रघुनाथपल्ली इलाके में जल्दा ए ब्लॉक के पास क्रैश हुआ।

शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हादसे में छह लोग घायल हुए हैं। राहत की बात है कि बड़ा हादसा होने से टल गया। प्लेन में सवार सभी लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, इंडिया वन एयरलाइंस के विमान ने दोपहर करीब 1.30 बजे काटीबंधा कंसारा के पास एक खेत में इमरजेंसी लैंडिंग की। बताया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री ने राज्यों के मुख्य सचिवों की बैठक में उद्घोष किया, भारत अब ''रिफॉर्म एक्सप्रेस'' पर सवार हो गया है

इस उद्घोष से एक बात तो स्पष्ट हो गई कि वर्षों की सैद्धांतिक बहस अब समाप्त हो गई और भारत ने बिना हिचक के ''रिफॉर्म्स'' के रास्ते पर चलने को स्वीकार कर लिया है और अब इस बारे में कोई अनिश्चिता नहीं है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जनवरी। मुख्य सचिवों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री का यह कहना कि भारत ''रिफॉर्म एक्सप्रेस में सवार हो चुका है'', केवल भाषण में दिखाया गया आत्मविश्वास नहीं है। यह इस सोच को दिखाता है कि लंबें समय से चल रहा यह विवाद, कि भारत को सुधारों की ज़रुरत है या नहीं, अब खत्म हो चुका है और अब काम है तेज़ी से अमल करने का। दशकों तक चली नीतिगत ढिलाई, छोटे-छोटे सुधार और राजनीतिक हिचकिचाहट के बाद यह जल्दबाजी की भावना समझ में आती है, और कई मायनों में यह बहुत पहले हो जानी चाहिए थी, लेकिन, फिर भी तेजी की इस बात को गंभीरता से जांचने की ज़रुरत है। सुधारों की रफ्तार अर्थव्यवस्था को ऊर्जा दे सकती है, लेकिन संतुलन के बिना तेज़ी से सीक्वैंसिंग, संस्थागत क्षमता और सामाजिक स्वीकार्यता जैसे कठित मुद्दे पैदा करती है।

परिभाषा के अनुसार, सुधार स्थापित व्यवस्थाओं को हिला देते हैं। जब इन्हें बहुत तेज़ी से आगे बढ़ाया जाता है, तो फायदे के साथ-साथ दबाव भी बढ़ जाते हैं। भारत का अपना अनुभव एक चेतावनी देने वाला सबक देता है। 1991 के ऐतिहासिक सुधार साहसिक थे, लेकिन वे व्यापक आर्थिक स्थिरता, राजनीतिक सहमति और प्रशासनिक बदलाव के ढांचे में लागू किए गए थे। उदारीकरण केवल घोषित नहीं हुआ, उसे धीरे-धीरे अपनाया गया। आज के सुधार कहीं ज़्यादा जटिल माहौल में हो रहे हैं, जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था बंटी हुई है, बाहरी मांग धीमी है, सप्लाई चेन बदली जा रही है और देश के भीतर लगातार घरेलू असमानता बनी हुई है। इसलिए अमल केवल तकनीकी नहीं, बल्कि राजनीतिक और संस्थागत चुनौती भी है।

सरकार का भरोसे पर आधारित शासन और नियमों में ढील पर ज़ोर देना सही दिशा में है। भारत की जांच-प्रधान और अनुपालन-भारी (इंस्पैक्टर ड्रिवन) व्यवस्था लंबे समय से उद्यिमता (अपना कारोबार शुरु करने की प्रक्रिया) पर भारी बोझ डालती रही है, खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर। टैक्स कानूनों को सरल बनाना, पुराने नियम हटाना और श्रम कानूनों को तर्कसंगत करना बहुत समय से ज़रूरी था। लेकिन ज़मीनी स्तर पर अमल अभी भी असमान है। कई कारोबारों के लिए समस्या इरादे की नहीं, बल्कि नियमों की अनिश्चितता की है, बार-बार बदलाव, अस्पष्ट व्याख्या और राज्यों में अलग-अलग ढंग से लागू होना। केवल सुधारों की घोषणा नहीं, बल्कि नियमों की स्थिरता ही जोखिम कम करती है और निवेश को बढ़ावा देती है।

कर सुधार इस तनाव को साफ तौर पर दिखाता है। सरल जी.एस.टी. ढांचा और आधुनिक आयकर व्यवस्था को सभी लोग जरुरी मानते हैं। लेकिन,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अब रिफॉर्म के बारे में कोई शंका या शुबहा नहीं है। पर, रिफॉर्म्स (उदारीकरण) को कामयाब बनाने के लिए ''रेग्युलेटरी सिस्टम'' की जयादा जरुरत है।
- बार-बार कायदे कानून बदलना, कायदे कानून के बारे में बहस अभी अनिर्णित है तथा उदारीकरण की नीति को लागू करने के बारे में राज्यों की नीतियों में निर्विवाद प्रक्रिया रही है, अतः क्रियान्वयन समतल नहीं है।
- उदाहरण के लिए न्यूक्लियर एनर्जी में प्राइवेट पार्टियों को भूमिका देना, स्वागत योग्य निर्णय है, पर, प्राइवेट सैक्टर इस क्षेत्र में अपनी पूँजी लगाने के पहले ''पारदर्शिता'', विवाद या मतभेद निपटाने की साफ सुथरी व्यवस्था आदि पर कोई दुविधा नहीं चाहेगा।
- अतः किसी ने बड़े सटीक तरीके से इस बारे में कहा है कि ''प्र.मंत्री की ''रिफॉर्म एक्सप्रेस'' को मजबूत पटरियों की ज्यादा जरुरत है बनिस्पत जोर से बजने वाली सीटी की।''

प्रधानमंत्री सोमनाथ पहुंचे

वेरावल, 10 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपने तीन दिवसीय गुजरात दौरे के तहत सोमनाथ पहुंचे, जहां वे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए। पीएम मोदी ओंकार जप में शामिल हुए और ड्रोन शो भी देखा। पीएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,

- वे रविवार को सुबह शौर्य यात्रा में भाग लेंगे।

''सोमनाथ में आकर धन्य महसूस कर रहा हूं, जो हमारी सभ्यतागत साहस का एक गौरवशाली प्रतीक है। गर्मजोशी से स्वागत के लिए लोगों का आभारी हूं।

पीएम मोदी रविवार सुबह 9:45 बजे शौर्य यात्रा में हिस्सा लेंगे। यह एक औपचारिक जुलूस है जो सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया है। यात्रा में 108 घोड़ों का एक प्रतीकात्मक जुलूस होगा, जो वीरता और बलिदान को दर्शाता है। इसके बाद, मोदी सुबह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कंटेनर में ठूंस ठूंस कर ले जा रहे ऊंटों की तस्करी करने वाले तीन गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। मोखमपुरा पुलिस ने ऊंटों की तस्करी करने के आरोप में तीन जनों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तेरह ऊंट और कैंटर वाहन जब्त किया है। राशी डोगरा डूडी, उप महानिरीक्षक पुलिस, सह पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने बताया है कि असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्यवाही एवं अवैध गतिविधियों की रोकथाम हेतु जिले के समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में एक जनवरी को इलाका थाना मौखमपुरा में कार्रवाई हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा व वृत्ताधिकारी दूदू दीपक खण्डेलवाल के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी मौखमपुरा सुरेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन कर कार्यवाही करते हुऐ एन.एच. 48 सावरदा पुलिया के पास वाहन कैंटर में ठूंस ठूंस कर अवैध तरीके से भरे हुए 13 ऊँटो को पकडकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि ऊंटों को नियमानुसार ऊंट केन्द्र में छोडा जायेगा। ऊंटो के परिवहन में प्रयुक्त वाहन कैंटर को भी जब्त किया गया है। अभियुक्तों के विरुद्ध ऊंट अधिनियम में अभियोग पंजीबद्ध कर अनुसंधान शुरू किया गया है। ऊंट की तस्करी करने के आरोप में अमजत खाल पुत्र आस मोहम्मद जाति मेव मुसलमान उम्र 30 वर्ष निवासी दौदा पुलिस थाना झिरका फिरोजपुर जिला नूंह हरियाणा, मुलफेद पुत्र आस मोहम्मद जाति मेव मुसलमान उम्र 28 साल निवासी रहीदा पुलिस थाना पुनाना जिला नूंह हरियाणा व शाहीद पुत्र युसुफ जाति मेव मुसलमान उम्र 20 साल निवासी वार्ड नं. 16 झिरका फिरोजपुर थाना झिरका फिरोजपुर जिला नूंह हरियाणा को गिरफ्तार घर उनसे गहन पूछताछ में जुटी है।

मोखमपुरा पुलिस ने ऊंटों की तस्करी करने के आरोप में तीन जनों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तेरह ऊंट और कैंटर वाहन जब्त किया है।

- पुलिस ने 13 ऊंटों को पकड़कर वाहन कैंटर को जब्त किया

संक्षिप्त

फुलेरा में बंदरों का आतंक

फुलेरा। नगरपालिका मंडल क्षेत्र में उपद्रवी बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में नगर में 8 से 10 बंदर सक्रिय बताए जा रहे हैं, जिससे आमजन दहशत और परेशानी का सामना कर रहे हैं। बंदर पकड़ने का कार्य विताल इन्वीरो स्पील्ड कंट्रोल, बांदीकुई (दौसा) नामक संवेदक को सौंपा गया था, लेकिन आरोप है कि संवेदक द्वारा काम सुचारू रूप से नहीं किया जा रहा। निवर्तमान पार्षद महावीर प्रसाद जैन (वार्ड 18) ने बताया कि बार-बार दूरभाष पर अवगत कराने के बावजूद भी कार्यवाही नहीं की गई, उल्टा बिना काम पूरे किए भुगतान की मांग की जा रही है। इससे पहले भी पार्षदों द्वारा संवेदक के विरुद्ध ज्ञापन देकर उसे ब्लैकलिस्ट करने की मांग की जा चुकी है। जानकारी के अनुसार उक्त फर्म या उससे जुड़े लोगों ने पुष्कर, अलवर, बांदीकुई, दौसा, चौमूं सहित कई नगरीय निकायों में अलग-अलग नामों से कार्यादेश लिए, लेकिन काम नहीं करने के कारण अनेक स्थानों पर ब्लैकलिस्टेड भी हो चुके हैं। पार्षद ने मांग की कि अन्य निकायों से रिकॉर्ड मंगाकर जांच की जाए तथा शेष बंदरों को पकड़ने के बाद ही बिल भुगतान किया जाए।

रजिस्ट्रेशन के लिए शिविर 12 को

फुलेरा। खाद्य सुरक्षा विभाग जयपुर के निर्देशानुसार व्यापार महासंघ फुलेरा (रजिस्टर्ड) की ओर से सोमवार 12 जनवरी 2026 को फूड लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक गणगौरी बाजार स्थित श्रीरामद्वारा भवन में लगाया जाएगा। शिविर में किराना, मिठाई, होटल, रेस्टोरेंट, डेयरी, हलवाई-कैटरिंग, फास्ट फूड, फल-सब्जी विक्रेता, चाट-पकौड़ी एवं ठेला लगाने वाले खाद्य व्यापारियों के ऑनलाइन आवेदन कर मौके पर ही लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन जारी किए जाएंगे। व्यापार महासंघ ने सभी खाद्य व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों से आठाह किया है कि वह इस महत्वपूर्ण शिविर का लाभ उठाकर अपना लाइसेंस बनवाएं तथा भविष्य में संभावित कार्यवाही व परेशानी से बचाव सुनिश्चित करें।

मंत्री आज जिले के दौरे पर

टोंक। प्रदेश के ऊर्जा एवं टोंक जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर आज जिले के दौरे पर रहेंगे। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला प्रभारी मंत्री आज दोपहर 12 बजे टोंक पहुंचेंगे, जहां नागर बजट पूर्व संवाद एवं विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे, साथ ही उपखंड देवली में रात्रि 8 बजे रात्रि चैपाल करेंगे।

हनुमान चौधरी जिलाध्यक्ष बने

सिरस। राजस्थान गौ सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष गोविंदराम महाराज शास्त्री ने हनुमान चौधरी बहड़ को गौ सेवा समिति टोंक के जिलाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष हनुमान चौधरी ने कहा कि सभी को गौ सेवा करनी चाहिए। यह हमारी संस्कृति व वैदिक परंपरा का हिस्सा है। चौधरी के जिलाध्यक्ष बनने पर बहड़ गांव में श्री कल्याण मंदिर में लोगों ने भगवान के लड्डूओं का भोग लगाकर प्रसाद वितरण कर खुशी मनाई। इस अवसर पर भाजपा नटवाडा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, रमाकांत शर्मा, छोटू महाराज, ओमप्रकाश सेन, सुरेश जाट, गिरिराज जाट, गणेश जाट सहित कई लोगों ने नवनियुक्त गौ सेवा समिति के जिलाध्यक्ष चौधरी का माला पहनकर स्वागत किया।

बृजेश वशिष्ठ चेतना रैली प्रभारी नियुक्त

कोटपूतली। राजस्थान पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन शनिवार को ग्राम पूतली स्थित श्री देवनारायण मंदिर परिसर में जिलाध्यक्ष सुरेश गुर्जर की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की राजधानी जयपुर में आगामी 12 जनवरी सोमवार को प्रस्तावित कर्मचारी चेतावनी महारैली की तैयारियों को लेकर जिला कोटपूतली-बहरोड के समस्त नोडल अध्यक्ष को जिम्मेदारी देते हुये अधिक से अधिक संख्या में कर्मचारियों के जयपुर पहुंचने की अपील की गई। साधन व्यवस्था के लिये प्रभारी के रूप में बृजेश वशिष्ठ को चेतना रैली का प्रभारी नियुक्त किया गया। बैठक में जिला मंत्री विजेंद्र खड़िया, बुधराम कसाना, हंसराज, महेंद्र सूद, संजय कसाना, मोतीलाल सोनी, उमेश कसाना, दिनेश पारासर, पवन प्रजापति, विक्रम आदि पशु चिकित्सा कर्मचारी मौजूद रहे।

घुमन्तु व अर्द्धघुमन्तु समुदाय को पहचान देने की पहल

- राज्य सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निर्देश पर घुमन्तु समुदाय (विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु) के व्यक्तियों को केन्द्र व राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए जिलें में 12 से 31 जनवरी तक ऑनलाइन घुमन्तु पहचान प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पहचान प्रमाण पत्र सहायता शिविर लगाएं जाएंगे

टोंक। राज्य सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निर्देश पर घुमन्तु समुदाय (विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु) के व्यक्तियों को केन्द्रध्राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए जिलें में 12 से 31 जनवरी तक ऑनलाइन घुमन्तु पहचान प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पहचान प्रमाण पत्र सहायता शिविर लगाएं जाएंगे। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने कहा की घुमन्तु समुदाय (विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु) के सभी व्यक्तियों को ऑनलाइन घुमन्तु पहचान प्रमाण पत्र जारी कर राज्य की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। इसके लिए जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की समस्त पंचायत समिति, नगरपालिका एवं नगर परिषद में 12 से 31 जनवरी तक विमुक्त, घुमन्तु एवं अद्धर्घुमन्तु सहायता शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला कलेक्टर ने सभी एसडीओ, बीडीओ एवं अधिशाषी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिविरों में घुमन्तु समुदाय के व्यक्तियों के मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र आदि बनाने के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था कर आवश्यक आवेदन करवाए जाएंगे। उन्होंने इसके लिए प्रत्येक पंचायत समिति में एवं शहरी क्षेत्रों के स्थानीय परिस्थिति अनुसार 5-8 वार्ड का क्लस्टर बनाकर प्रत्येक क्लस्टर पर कैम्प आयोजित करवाने के निर्देश दिए हैं। जिला कलेक्टर ने कैम्प में समन्वय के लिए एसडीओ को प्रभारी अधिकारी एवं बीडीओ को सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है। उन्होंने शिविरों में विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के व्यक्तियों से ऑन लाईन आवेदन पत्र ई-मित्रों द्वारा निशुल्क भरे जाने और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए।

गौ कास्ट का निर्माण कार्य शुरू

निवाई। श्री दामोदर गौशाला में गौ कास्ट निर्माण कार्य का गौशाला अध्यक्ष प्रेमचंद बोहरा व अन्य पदाधिकारियों ने विधिवत शुभारंभ किया। अध्यक्ष बोहरा ने बताया कि भामाशाह कैलाश पारीक ने अपनी पौत्री के जन्म दिवस एवं पत्नी शकुंतला पारीक की पुण्य स्मृति में पर्यावरण रक्षण हेतु गाय के गोबर से तैयार होने वाली लकड़ी के निर्माण हेतु पटियाला पंजाब से गौ कास्ट की मशीन मंगवाकर गौशाला को समर्पित की है। शनिवार को गौ सेवकों व गौशाला समिति के पदाधिकारियों ने गौ कास्ट मशीन से कास्ट बनाने के कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि गौ कास्ट का उपयोग हवन सामठी में किया जाएगा। इससे गौशाला की आय में भी वृद्धि होगी। गौ कास्ट के निर्माण कार्य के शुभारंभ पर गौशाला समिति के कैलाशचंद अग्रवाल, ओमप्रकाश विजयवर्गीय, कैलाशचन्द पारीक, विष्णु पारीक सांगानेर व कमलेश कुमार पारीक सहित कई गौ-सेवक मौजूद थे।

कुओं से केबल चोरी पर किसानों में रोष

टोंक। दत्तवास थाना क्षेत्र के लुणेरा गांव में चोरों ने एक ही रात में 15 से अधिक किसानों के कुओं से सिंचाई मोटरों की केबल चोरी कर ली, इस वारदात में किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

चोरों ने इस दौरान ट्रांसफॉर्मर से स्टार्टर और स्टार्टर से कुएं के अंदर मोटर तक की 40 से 50 मीटर लंबी केबल काटी, चोरी हुई अधिकतर केबल थ्री फेज की कॉपर वायर थी, जिसकी बाजार कीमत 200 से 250 रुपए प्रति मीटर है।

वारदात के बाद किसानों ने बताया कि कुएं पर लगी थ्री फेज कॉपर वायर केबल काफी महंगी होती है, चोरों ने सुनियोजित तरीके से कई कुओं को निशाना बनाया। सुबह जब किसान सिंचाई के लिए अपने कुओं पर पहुंचे, तो मोटर चालू नहीं हुई, जांच करने पर केबल चोरी होने का पता चला। इसके बाद लुणेरा गांव के प्रभावित किसानों ने दतवास थाने में सामूहिक शिकायत दर्ज कराई। जिसके बबाद दतवास थाना पुसिल मौका मुआयना कर जांच प्रारम्भ की। क्षेत्र में केबल चोरी की लगातार हो रही घटनाओं से किसानों में रोष है, किसानों का कहना है कि सिंचाई का समय होने के कारण मोटरों की केबल कटने से फसलें सूख सकती हैं।

काम, मजदूरी और पंचायतों के अधिकार खतरे में : अमित चाचान

- सरकार पर रोजगार गारंटी कानून को कमजोर करने के लगाये आरोप
- देश की सबसे बड़ी ग्रामीण रोजगार योजना मनरेगा एक बार फिर सियासी बहस के केंद्र में

कोटपूतली। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी महाविरोध प्रदर्शन मनरेगा बचाओ महासंग्राम के अन्तर्गत पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी कोटपूतली- बहरोड मुख्यालय कोटपूतली स्थित होटल आरटीएम में शनिवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस महासचिव व नोहर विधायक अमित चाचान ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा राष्ट्रिपता महात्मा गाँधी के नाम से चल रही योजना महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को कमजोर करने, महात्मा गाँधी के नाम को दुर्भावनापूर्ण ढंग से हटाने और रोजगार की गारंटी खत्म करने की साजिश की जा रही है। यहां तक कि पूरे देश और प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकारों द्वारा राष्ट्रीय महापुरुषों के नाम से चल रही योजनाओं के नाम, रूप, प्रारूप, उदेश्य और उनकी सार्थकता को आरएसएस के छुपे हुये एजेंडे के तहत खत्म किया जा रहा है। नये कानून से गरीब, मजदूर, किसान, दलित, अति पिछड़े, पिछड़े, अल्पसंख्यक, बेरोजगार और महिलाओं पर पडने वाले दुष्प्रभावों के विषय में आमजनता को जागरूक कर डबल इंजन की नकारा, निकम्मी, भ्रष्ट एवं कामचोर सरकार को पूरी ताकत से बेनकाब किया जायेगा, तो वहीं एक सार्वजनिक पर्चे के जरिये सरकार पर आरोप लगाया गया है कि काम पाने का अधिकार, न्यूनतम मजदूरी की गारंटी, ग्राम पंचायतों की भूमिका और राज्यों की वित्तीय स्वतंत्रता-इन चार स्तंभों पर लगातार प्रहार किये जा रहे हैं। पर्चे में दावा किया गया है कि पहले जहां हर परिवार को 100 दिन के काम की कानूनी गारंटी थी, वहीं अब काम सीमित गांवों और शर्तों तक सिमटता जा रहा है। इससे ग्रामीण बेरोजगारी बढ़ने और पलायन तेज होने की आशंका जताई गई है। मनरेगा के तहत मिलने वाली कानूनी न्यूनतम मजदूरी की गारंटी कमजोर की गई है। भुगतान में देरी और दरों को राज्यों की जरूरतों से अलग तय करने से मजदूरों को नुकसान हो रहा है, खासकर खेती के ऑफ- सीजन में। ग्राम पंचायतें जो पहले विकास कार्यों और रोजगार सृजन का केंद्र थीं, अब निर्णय प्रक्रिया से बाहर की जा रही हैं। इससे स्थानीय जरूरतों के अनुसार काम तय करने की क्षमता प्रभावित हो रही है। एक और बड़ा आरोप यह है कि मनरेगा मजदूरी का पूर्ण भुगतान केंद्र द्वारा ना करके राज्यों पर बोझ डाला जा रहा है, जिससे कई जगह काम रोकने की नौबत आ रही है। जिलाध्यक्ष इन्द्राज सिंह गुर्जर ने कहा कि मनरेगा में किये गये बदलाव तत्काल वापस लिये जायें। काम के संवैधानिक अधिकार की पूर्ण बहाली, न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन तय की जायें। यदि समय रहते मनरेगा को बहाल नहीं किया गया तो संभवत: टकराव और गहरा सकता है। उन्होंने कहा कि कांठोस पार्टी मनरेगा को कमजोर करने के किसी भी प्रयास को कभी स्वीकार नहीं करेगी। इस जनविरोधी निर्णय के खिलाफ सदन से लेकर सड़क तक, गांव-गांव और ढ़ाणी-ढ़ाणी कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। गरीब, मजदूर और किसान के हक की इस लड़ाई में कांग्रेस मजबूती से खड़ी है। जिलाध्यक्ष ने स्थानीय मुद्दों पर भी प्रदेश की भाजपा सरकार के साथ- साथ स्थानीय शासन प्रशासन को घेरते हुये कहा कि आजादी के 77 साल में ऐसा भ्रष्ट, निकम्मा शासन नहीं देखा। जिले में चारों तरफ अराजकता का माहौल है, राज्य की भाजपा सरकार पूरी तरह से फेल हो गई है। प्रैस वार्ता को पूर्व कैबिनेट मंत्री शकुंतला रावत, मुंडावर विधायक ललित यादव, पूर्व विधायक बलजीत यादव, महिपाल यादव, पूर्व विधायक रामचन्द्र रावत, बहरोड कांग्रेस प्रत्याशी संजय यादव, डॉ. आर.सी. यादव, कोटपूतली ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश चंद सैनी, कांग्रेस नेता रामनिवास यादव व जगदीश मीणा आदि ने भी सम्बोधित किया। संगठन महामंत्री वी.के. नवल ने बताया कि इस दौरान पूर्व पार्षद हनुमान सैनी, मालीराम कम्पाउन्डर, सेवा दल जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह यादव, युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव प्रदीप कसाना, युवा कांग्रेस के पूर्व विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष राकेश रावत, डॉ. महेश यादव,सांवत सरपंच, अभिषेक रावत समेत बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरमड़ा हादसे के मृतकों के परिजनों को मंत्री ने आर्थिक सहायता दी

- जयपुर के हरमाड़ा में हुए हादसे में निवाई उपखण्ड के राजधिराजपुरा गांव के दो युवकों की मौत हो गई थी
- किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना एक सामाजिक जिम्मेदारी है

टोंक। गत 3 नवंबर 2025 को जयपुर के हरमाड़ा में हुए हादसे में निवाई उपखण्ड के राजधिराजपुरा गांव के दो युवकों की मौत हो गई थी। इनमें से एक युवक ने हादसे से 5 घंटे पहले मंत्री किरोडी मीणा की फोटो के साथ फेसबुक पोस्ट की थी, जिसमें लिखा था- आपको हमारी उम्र लग जाए। हादसे के 68 दिन बाद शनिवार को मंत्री किरोड़ी मीणा निवाई के राजधिराजपुरा गांव पहुंचे और संवेदना जताई। मंत्री ने मृतक मुरली मीणा और सुरेश मीणा के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता सौंपी। साथ ही घर की मरम्मत के लिए 2 लाख 50 हजार रुपए दिए। इस दौरान किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना एक सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सड़क हादसों पर चिंता व्यक्त की और भारी वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही पर सख्त कार्यवचाकी आवश्यकता पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि घटना के पहले महेश मीणा ने कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को जन्मदिन पर बधाई देते हुए कहा था कि हमारी उम्र लग जाए।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सड़क हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता राशि सौंपी ।

स्वीकृत सीसी सड़क का निर्माण कार्य शुरू

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक कुलदीप धनकड़ की अभिसंषा पर स्वीकृत सीसी सडक निर्माण कार्य का शुभारंभ कर दिया गया है। लंबे समय से जर्जर सडक की समस्या से जूझ रहे स्थानीय ग्रामीणों व आमजन को अब राहत मिलने की उम्मीद है। सीसी सड़क निर्माण कार्य शुरू होते ही क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि सड़क खराब होने से आवागमन में भारी परेशानी हो रही थी, बरसात के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती थी। अब पक्की सीसी सड़क बनने से यातायात सुगम होगा और दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। यह सीसी सड़क पटेलों का मोहल्ला, टोरडा वालों का मोहल्ला होते हुए मोक्षधाम नदी तक बनाई जाएगी।अशोक मोदी कोटपुतली एवं गिर्राज ओला पावटा ने बताया कि अभी इस पुरानी सड़क की खुदाई करवाई गई है। रविवार से सीसी सड़क निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। विधायक कुलदीप धनकड़ ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है।

सार-समाचार

अन्नपूर्णा रसोई का एसडीएम ने निरीक्षण किया

पावटा। क्षेत्र के ग्राम बडनगर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) एवं ग्राम भांकरी स्थित अन्नपूर्णा रसोई का पावटा उपखंड अधिकारी साधना शर्मा द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी शर्मा ने पीएचसी में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, दवाइयों की स्थिति, साफ-सफाई, मरीजों की उपस्थिति एवं स्टाफ की कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उपचार व सुविधाओं के बारे में जानकारी भी ली। इसके पश्चात उपखंड अधिकारी ने अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण किया, जहां भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, रसोई प्रबंधन तथा लाभार्थियों को समय पर भोजन वितरण की व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई, वहीं साफ-सफाई को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उपखंड अधिकारी शर्मा ने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पूरी पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं एवं अन्नपूर्णा रसोई जैसी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उद्यिमता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आमेर। विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी जयपुर में उद्यिमता जागरूकता कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का उद्यमिता के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वरोज़गार और स्टार्टअप की दिशा में प्रेरित करना था। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनोहर भट्ट के संरक्षण में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. महेन्द्र तिवारी, प्राचार्य डॉ. पंचूराम मीणा, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मणि कुमार मीणा एवं सहायक प्राध्यापक श्री सतवीर गुर्जर का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को बदलते आर्थिक परिवेश में उद्यिमता की भूमिका, आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा तथा स्टार्टअप संस्कृति के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में के उप प्रबंधक श्री मनोज कुमार मीणा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने स्टार्टअप फंडिंग, ऋण प्रक्रिया, उद्योग पंजीकरण एवं प्रशिक्षण से जुड़े कई प्रश्न पूछे, जिनका मुख्य वक्ता द्वारा संतोषजनक एवं व्यावहारिक उत्तर दिया गया। इससे विद्यार्थियों में उद्यिमता को लेकर उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा एवं मुख्य वक्ता श्री मनोज कुमार मीणा का आभार व्यक्त किया गया। सभी अतिथियों ने इस प्रकार के कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। कुल मिलाकर यह उद्यिमता जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ तथा उनमें उद्यमशील सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इंतकाल सूचना

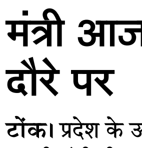

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि **अब्दुल रशिद खान** (कालू जी) पुत्र मिश्री खा का इंतकाल दिनांक 9/1/2026 को हुआ है। उत्तरअधिकारी अब्दुल अजीज, प्लांट- बी-100 नेहरू नगर जैन मन्दिर के पास पानी पेंच जयपुर

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम जांगिड़ संदीप कुमार सुभाष चन्द से बदलकर संदीप कुमार जांगिड़ रख लिया है। भविष्य में मुझे संदीप कुमार जांगिड़ पुत्र श्री सुभाष चन्द जांगिड़ के नाम से जाना जावे। निवासी प्लॉट नंबर ए-64, एफ-1, गोविंदम रेजिडेंसी मंगलम विहार, मुरलीपुरा जयपुर राजस्थान-302039

I have changed my name from Jugal Behari Garg to Jugal Bihari Garg S/o Om Prakash Agrawal R/o B-63, Shiv Path, Sanjay Colony, RPA Road, Panipench, Jaipur. For all purpose.

खोया पाया

मेरे मकान 6-च- 8 जवाहर नगर का मूल आवंटन पत्र कब्जा पत्र डिक्लेरेशन जवाहर नगर में कहीं गिर गए है मिलने पर सूचित करें विकास सिंगल 7665553555

मेरे मकान 2-छ-4 जवाहर नगर का मूल डिक्लेरेशन अदेय प्रमाण पत्र लीज मुक्ति प्रमाण पत्र जवाहर नगर में कहीं गिर गया है मिलने पर सूचित करें रामदयाल मंगरोलिया 7727056292

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय

जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर - 0141-4901853

क्रमांक : 5065 **आम जाहिर सूचना** दिनांक : 19.12.2025

राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा **फ्लैट संख्या- 2/14 (जी.एफ.) जवाहर नगर जयपुर** का आवंटन **श्री हीरा लाल डंगायच पुत्र स्व. श्री गंगा बक्श डंगाचय** को किया गया था। जिसका **आवंटन पत्र क्रमांक 3312 दिनांक 26.04.1980** जारी किया गया था। उनके द्वारा फ्लैट के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम में दिनांक 20.09.1991 को करवाया गया। **श्री हीरा लाल डंगायच की मृत्यु दिनांक 10.02.2022** को हो जाने के उपरान्त **श्री भगवती प्रसाद डंगायच पुत्र श्री हीरा लाल डंगायच** के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति एवं रजिस्टर्ड वसीयतनामा की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अत: उक्त फ्लैट के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ [illegible]

सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

कार्यालय नगर परिषद, दौसा

लालसोट रोड दौसा 303303
फोन व फैक्स-01427-220054
ई-मेल-dausa.jaipur@yahoo.com

क्रमांक:5879 दिनांक-08/01/26

प्रारूप-10 नियम 6(7)
(प्राधिकृत अधिकारी) नगर परिषद दौसा

लोक सूचना

महेश चन्द शर्मा पुत्र श्री बृजविहारी शर्मा हिस्सा पूर्ण जाति [illegible]

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद दौसा

कार्यालय नगर परिषद, दौसा

लालसोट रोड दौसा 303303
फोन व फैक्स-01427-220054
ई-मेल-dausa.jaipur@yahoo.com

क्रमांक:5869 दिनांक-08/01/26

प्रारूप-10 नियम 6(7)
(प्राधिकृत अधिकारी) नगर परिषद दौसा

लोक सूचना

[illegible]

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद दौसा

कार्यालय नगर परिषद, दौसा

लालसोट रोड दौसा 303303
फोन व फैक्स-01427-220054
ई-मेल-dausa.jaipur@yahoo.com

क्रमांक:5872 दिनांक-08/01/26

प्रारूप-10 नियम 6(7)
(प्राधिकृत अधिकारी) नगर परिषद दौसा

लोक सूचना

[illegible]

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद दौसा

कार्यालय नगर परिषद, दौसा

लालसोट रोड दौसा 303303
फोन व फैक्स-01427-220054
ई-मेल-dausa.jaipur@yahoo.com

दिनांक-08/01/26

प्रारूप-10 नियम 6(7)
(प्राधिकृत अधिकारी) नगर परिषद दौसा

लोक सूचना

[illegible]

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद दौसा

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/179 चूंकि प्रार्थी श्री RAM PRAKASH GUPTA, 19, ADARSH COLONY, DAUDPUR, ALWAR, 301001, RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत [illegible] BHAGWATI SADAN, SWAMI DAYANAND MARG, ALWAR, 301001, RAJASTHAN [illegible]

आज दिनांक 05.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर से जारी किया गया। आइंदा तारीख पेशी 25.03.2026

सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

स्कूली बच्चों ने देखा अडानी पावर प्लांट

छबड़ा/जयपुर। माध्यमिक विद्यालय गोड़ियाचारण के विद्यार्थियों ने शनिवार को अदानी फाउंडेशन कवाई के प्रोजेक्ट उड़ान के तहत अदानी थर्मल पावर प्लांट कवाई का शैक्षिणक भ्रमण किया।

इस दौरान ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया को नजदीक से देखा और उसकी कार्यप्रणाली को समझा। विद्यालय के 49 विद्यार्थियों का दल अनुदेशक मुरलीधर नागर, रणजीत मीणा एवं अंतिमा नागर के नेतृत्व में रवाना हुआ जिसे प्रधानाचार्य दिनेश कुमार मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भ्रमण के दौरान अदानी समूह के अधिकारियों ने मॉडल के माध्यम से थर्मल पावर प्लांट की पूरी कार्यप्रणाली विस्तार पूर्वक समझाई।

रक्तदान शिविर को लेकर किया जनसंपर्क

छबड़ा/जयपुर। समाजसेवी प्रेमनारायण नागर की पुण्यस्मृति में सालपुरा रोड स्थित श्री लक्ष्मी आईटीआई में आज आयोजित होने वाले सातवां विशाल रक्तदान शिविर को लेकर आयोजक प्रधान हरिओम नागर के नेतृत्व में मुख्य मार्गो व कोचिंग संस्थानों पर जनसंपर्क कर पंपलेट वितरण किए गए।

भीषण ऑडी हादसा मामले में चालक को फरार कराने वाले सहयोगी पुलिस की गिरफ्त में

ऑडी कार से हुई भीषण दुर्घटना में डिटेन किए गए आरोपियों में दिनेश रणवा, मुकेश, पप्पू तथा मांगीलाल शामिल हैं

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना इलाके में शुक्रवार देर रात दिल्ली नंबर की ऑडी कार से हुई भीषण दुर्घटना के बाद ऑडी चालक को फरार करने वाली चार सहयोगियों को पुलिस ने 24 घंटे में चिन्हित कर गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। हादसे के बाद देर रात को ही पुलिस ने क्षतिगस्त ऑडी कार को जब्त कर लिया था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षिराज ने बताया कि पत्रकार कॉलोनी थाना इलाके में शुक्रवार देर दिल्ली नंबर की ऑडी कार से हुई भीषण दुर्घटना में डिटेन किए गए आरोपियों में चूरू निवासी दिनेश रणवा (32), कांस्टेबल मुकेश (30) निवासी चूरू, पप्पू (28) निवासी रेनवाल तथा मांगीलाल (28) निवासी रेनवाल, जिला जयपुर शामिल हैं। पुलिस छानबीन में सामने आया है कि सुमित चौधरी और डॉक्टर अशोक मीणा ने दुर्घटना के बाद चालक को मौके से भगाने में मदद की। पुलिस ने

भीषण दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त कार।

उस कार को भी जब्त किया है, जिसमें अभियुक्त दिनेश रणवा फरार हुआ था। वहीं मुकेश, पप्पू, सुमित चौधरी और अशोक मीणा को डिटेन कर पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी मदन कडवासरा ने बताया कि पत्रकार कॉलोनी थाना इलाके में स्थित खरबास सर्किल पर शुक्रवार देर रात 120 की रफ्तार ऑडी कार अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से टकराई। फिर सड़क किनारे लगी फूड स्टॉल्स में घुस गई। वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। कार 16 लोगों को रौंदते हुए एक पेड़ से टकराकर रुकी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। वहीं, चार लोग गंभीर घायल हैं। दर्दनाक हादसे का कारण बनी थी कार रेस, जिसकी शुरुआत अहिंसा सर्किल से ई थी।

जानलेवा रेस की शुरुआत अहिंसा सर्किल से हुई। ऑडी मालिक दिनेश

■ पुलिस छानबीन में सामने आया है कि सुमित चौधरी और डॉक्टर अशोक मीणा ने दुर्घटना के बाद चालक को मौके से भगाने में मदद की।

रिणवा (32) दोस्तों के साथ खुद की स्कॉर्पियो में सी-स्कीम में शराब पार्टी कर रहा था।

कार में बैठे पप्पू चौधरी, मुकेश कांस्टेबल और मांगी लाल ने दिनेश को ऑडी खरीदने की बधाई दी। जिसके रात 8 बजे सभी स्कॉर्पियो कार से सी-स्कीम से पत्रकार कॉलोनी पहुंचे। दिनशे रिणवां ने स्कॉर्पियों घर पर खडी की ओर ऑडी कार में सवार होकर खाना खाने के लिए निकल पड़े। दिनेश और मांगीलाल ऑडी में आगे बैठ गए और मुकेश कांस्टेबल (पुलिस लाइन) और पप्पू चौधरी पीछे बैठ गए।

सार-समाचार

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी करने वाला शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। कानोता थाना पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए लकड़ियों से भरा चोरी का ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद किया है। साथ ही पुलिस ने इस मामले में शातिर वाहन चोर और हिस्ट्रीशीटर राजेंद्र मीणा को गिरफ्तार किया है। जिसके खिलाफ पूर्व में 14 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजय नैन ने बताया कि कानोता थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लकड़ियों से भरा चोरी का ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी करने वाले शातिर वाहन चोर और हिस्ट्रीशीटर राजेंद्र मीणा निवासी कानोता को गिरफ्तार किया गया है। जिसके पास से चोरी गया ट्रैक्टर-ट्रॉली लकड़ियों सहित बरामद की है। जयपुर पूर्व एक शातिर वाहन चोर एवं हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ कानोता, बस्सी, आमेर, आंधी और सुभाष चौक थानों में चोरी, नकबजनी व मारपीट सहित कुल 14 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। जिसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

एमवे इंडिया ने होम डिलीवरी के अनुभव को नया आकार दिया

जयपुर। स्वास्थ्य और वेलबीइंग की ज़रूरतों को पूरा करने वाली अग्रणी कंपनियों में से एक, एमवे इंडिया ने आज अपनी होम डिलीवरी सेवाओं में बड़े सुधारों की जानकारी साझा की। ये अपग्रेड कंपनी की उस प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिसके तहत पूरे देश में डिस्ट्रीब्यूटर्स और उनके ग्राहकों को तेज़, भरोसेमंद और सहज ऑर्डरिंग अनुभव मिल सके। पिछले पाँच सालों में, एमवे ने अपनी होम डिलीवरी क्षमताओं को काफी मज़बूत किया है। डिलीवरी की स्पीड में बड़ा सुधार हुआ है। डिलीवरी का समय 48 घटाकर 3.1 दिन से सिर्फ 1.6 दिन कर दिया गया है और नेक्स्ट-डे डिलीवरी 29 से बढ़कर 55 से ज़्यादा हो गई है। इस बेहतर अनुभव को सर्विस नेटवर्क के विस्तार से और भी मज़बूती मिली है, जो अब भारत के 90 से ज़्यादा पिनकोड्स तक पहुँच गया है, यानि 8,000 से बढ़कर 17,500 से अधिक। ये उपलब्धियाँ एमवे की उस अटल प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, जिसमें पूरे भारत में उपभोक्ताओं तक गुणवत्तापूर्ण वेलनेस प्रोडक्ट्स पहुँचाना शामिल है। इस बदलाव पर बोलते हुए हुए, एमवे इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर रजनीश चोपड़ा ने कहा, ''डिस्ट्रीब्यूटर्स और ग्राहक हमारी रणनीति के केंद्र में हैं, और हम होम डिलीवरी को एक रणनीतिक स्तंभ के रूप में विकसित कर रहे हैं, जो बेहतर सेवा, प्रोडक्ट एक्सेस में सुधार और पूरे भारत में सहज अनुभव उपलब्ध कराता है। यह परिवर्तन मज़बूत राष्ट्रीय साझेदारियों, बेहतर डिजिटल बैकबोन और ज़्यादा चुस्त सप्लाई चेन में रणनीतिक निवेश से संभव हुआ है, जिससे हम तेज़ी से प्रतिक्रिया दे पाते हैं, स्मार्ट तरीके से काम करते हैं और अधिक निरंतरता के साथ सेवा देते हैं। जो बात मुझे भरोसा देती है।

नए सिंगर्स के सुरीले तरन्नुम में दिखा धर्मेंद्र का खिलखिलाता अक्स

जयपुर। एएमजी की बॉलीवुड संगीत की खुशनुमा शाम में नए और चर्चित कलाकारों की पुरकशिश आवाज में पिरोए छलकाए जाम..., झिलमिल सितारों का...,ड्रीम गर्ल..., पल-पल दिल के पास...जैसे हर मूड़ के गीतों में एक युग के सुपरस्टार हीमैन धर्मेंद्र का मुस्कुराता, खिलखिलाता चेहरा बड़ी तादाद में मौजूद श्रोताओं के अंतर्मन को छू गया। इससे पहले अभिनेता मरहूम धर्मेंद्र को एएमजी के कलाकारों ने एक--एक अंतरा सुरीले तरन्नुम से स्वरांजलि दी। महाराणा प्रताप सभागार में शनिवार को संजोए बॉलीवुड फिल्मों के ही मैन धर्मेन्द्र को समर्पित लाइव बैंड म्यूजिकल कार्यक्रम म्यूजिक दीवाने में सोलो व डुएट सॉन्ग्स ने शहर की आबोहवा में बॉलीवुड संगीत की मिठास घोल दी। एएमजी के फाउंडर अभिषेक माथुर व संरक्षक राजीव कुमार ने बताया कि म्यूजिक दीवाने कार्यक्रम का मकसद स्थानीय नए कलाकारों की हौसला अफजाई कराना भी है। कार्यक्रम में पुरुष और महिला समेत करीब 19 कलाकारों ने लाइव परफॉर्मेंस दी। अभिनेता मरहूम धर्मेन्द्र को संगीतमयी ट्रिब्यूट कार्यक्रम में रुमानी और रुहानियत से सराबोर मेलोडियस गीतों से यह शाम और भी हसीन हो गई। अंत में एएमजी के फाउंडर अभिषेक माथुर, संरक्षक राजीव कुमार, लक्की कपूर, सुधीर शर्मा और उत्तम डुंडलोदिया ने सभी आगंतुकों का आभार जताया।

विश्व हिंदी दिवस पर परिचर्चा

कोटा/जयपुर। राजकीय कला महाविद्यालय कोटा में हिंदी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस पर एक परिचर्चा रखी गई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर रोशन भारती ने हिंदी को एक वैश्विक भाषा बताते हुए इसके अंतराष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदी को भारतीय आवाम की भाषा बताते हुए कहा कि हिंदी को सर्वाधिक वैज्ञानिक, व्यवस्थित एवं उत्कृष्ट भाषा बताया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विवेक शंकर ने कहा कि विश्व हिंदी दिवस के पीछे हिंदी का प्रचार-प्रसार, हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास एवं इसे अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में विकसित करने की दृष्टि हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस, मातृभाषा दिवस के साथ-साथ राष्ट्र भाषा राज भाषा और प्रयोजन मूलक हिंदी भाषा पर प्रकाश डाला। हिंदी विभाग के वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रोफेसर विवेक कुमार मिश्र ने विश्व हिंदी दिवस मनाने की परंपरा का उल्लेख करते हुए हिंदी की बहुआयामी स्वरूप एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदी को भारतीय अस्मिता की भाषा बताते हुए हिंदी को भारतीय जनमानस की धड़कन कहा इस अवसर पर एम.ए. हिंदी की छात्रा अदा खान ने हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु इसके अधिकारिक प्रयोग पर बल दिया।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय करवाएगा कर्तव्य का बोध

बूंदी/जयपुर। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय द्वारा अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की प्रेरणा से स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी से नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती 23 जनवरी तक कर्तव्य बोध पखवाडे का आयोजन जिले की प्रत्येक उपशाखा में किया जाएगा।संगठन के जिलाध्यक्ष बुद्धिप्रकाश शर्मा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष संगठन के द्वारा अपने कार्यकर्ताओं, शिक्षकों एवं समाज में कर्तव्य का भाव विकसित करने के लिए कर्तव्य बोध पखवाड़ा मनाया जाता है। जब कोई राष्ट्र केवल अधिकारों की भाषा बोलने लगे और कर्तव्यों को विस्मृत कर दे, तब उसका भविष्य शोर तो करता है, पर दिशा खो देता है। ऐसे समय में कर्तव्य बोध केवल एक शब्द नहीं, बल्कि राष्ट्र को पुन: संतुलन देने वाली जीवन-दृष्टि बन जाता है। जिलामंत्री अंकित गौतम ने बताया कि प्रत्येक उपशाखा में कर्तव्यबोध पखवाड़ा सुव्यस्थित रूप से संगठन की पद्धित के अनुसार मनाए जाए इसके लिए प्रत्येक उपशाखा के लिए जिला कार्यकारिणी से एक प्रभारी लगाया है। ये रहेंगे प्रभारी कार्यक्रम के सफ़ल आयोजन हेतु बूंदी नगर उपशाखा में पर्यवेक्षक के तौर पर अनीश गुर्जर बूंदी ठाामीण उपशाखा में अंबालाल गुर्जर तालेड़ा उपशाखा में रामराज मीणा के.पाटन उपशाखा में हरीश कुमार चतुर्वेदी कापरेन उपशाखा में राधेश्याम मीणा लाखेरी उपशाखा में निरंजन सिंह इंदरगढ़ उपशाखा में सुगनचंद मीणा नैनवा उपशाखा में अंकित गौतम देई उपशाखा में राकेश कुमार शर्मा और हिंडौली उपशाखा में बुद्धिप्रकाश शर्मा को नियुक्त किया गया।

छात्राओं को दी नशे से दूर रहने,सही संगति चुनने की सीख

बूंदी/जयपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय बूंदी में शनिवार को नई किरण नशा मुक्ति केंद्र के अंतर्गत नशे के प्रति जागरूकता विषयक व्याख्यान का आयोजन प्राचार्य डॉ. संदीप यादव की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए टीकमचंद मीणा ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी गंभीर बाधा बनता है। उन्होंने छात्राओं को नशे से दूर रहने, सही संगति चुनने और जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आ ान किया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संदीप यादव ने कहा कि आज के समय में नशा एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुका है, जिससे युवाओं को बचाने के लिए निरंतर जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

जयपुर एयरपोर्ट पर 6 घंटे फ्लाइट लेट, पैसेंजर्स का हंगामा

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर मुंबई जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-651 करीब 6 घंटे लेट हो गई। फ्लाइट का समय अचानक बदले जाने से नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर जमकर विरोध किया और एयरलाइंस पर मनमानी के आरोप लगाए। इस फ्लाइट का समय शुक्रवार शाम 6 बजे का था। लेकिन समय बदलकर रात 12:30 बजे कर दिया गया। इस पर यात्रियों ने हंगामा कर दिया। यात्रियों ने आरोप लगाया कि सर्दी में भूखे-प्यासे रखा।

स्पाइसजेट की फ्लाइट जयपुर से शाम 6:15 बजे मुंबई के लिए रवाना होनी थी। तय समय पर यात्री एयरपोर्ट पहुंच गए, लेकिन आखिरी समय में एयरलाइंस ने फ्लाइट का समय बदलकर रात 12:30 बजे कर दिया। अचानक हुई देरी के कारण यात्रियों को ठंड में घंटों इंतजार करना पड़ा।

कई यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें न तो समय पर स्पष्ट जानकारी दी गई। न ही पर्याप्त सुविधाएं मुहैया कराई गईं, जिससे नाराजगी बढ़ गई और स्थिति हंगामे में बदल गई।

मामले पर स्पाइसजेट एयरलाइंस की ओर से भी बयान सामने आया है। एयरलाइंस ने कहा- तकनीकी कारणों के चलते फ्लाइट एसजी-651 में देरी हुई है। यात्रियों की असुविधा को देखते हुए एयरलाइंस की ओर से रिफ्रेशमेंट और खाने का इंतजाम किया गया है। साथ ही यात्रियों को जल्द गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक विमान की व्यवस्था भी की जा रही है।एयरलाइंस ने कहा- यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा उनकी प्राथमिकता है। स्थिति सामान्य करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि देर रात तक कई यात्री एयरपोर्ट पर परेशान नजर आए। फ्लाइट के समय को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई रही।

■ फ्लाइट का समय अचानक बदले जाने से नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर जमकर विरोध किया और एयरलाइंस पर मनमानी के आरोप लगाए

'भाजपा में फैसले संवैधानिक रूप से लिए जाते हैं'

टोंक/जयपुर। भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने शनिवार को प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी का कोटा से जयपुर जाते समय भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चैहान के नेतृत्व में स्वागत किया । इस दौरान बगडा ने भाजपा कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक चर्चा करते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुचाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक लोकतांत्रिक पार्टी हैं, भाजपा में फैसले संवैधानिक रूप से लिए जाते हैं, वही भाजपा की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता से है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक ऐसा संगठन है, जिसमें कार्यकर्ता सत्ता में हो या विपक्ष में, जनता की सेवा में निरंतर तत्पर रहता है। इस अवसर पर पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया, विष्णु शर्मा, दीपक संगत, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र सैनी, प्रधान काबरा, जिला मंत्री नीलिमा आमेरा, हरिराम यादव, तरूण टिक्कीवाल, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिरोठा, मीडिया प्रभारी कमलेश यादव सहित कार्यकर्ता व अन्य उपस्थित रहे।

सात दिवसीय आर्ट महोत्सव 27 जनवरी से 3 फरवरी तक

सात दिवसीय आर्ट महोत्सव के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आर्टिस्ट्स की दूसरी सूची की हुई घोषणा

जयपुर। गुलाबी नगरी में 27 जनवरी से 3 फ़रवरी 2026 तक आयोजित होने वाले भारत के सबसे बड़े समकालीन कला महोत्सव जयपुर आर्ट वीक के कलाकरों की दूसरी सूची की घोषणा हुई। सात दिवसीय इस महोत्सव में फ़ीचर्ड, सोलो, ग्रूप, डिजिटल और पारसंस न्यूयॉर्क स्टूडेंट ग्रूप शो जैसी विभिन्न कैटेगिरीज के आर्टिस्ट्स के नाम से पर्दा उठा। इस पांचवें संस्करण में भी जयपुर के अलग-अलग स्थानों पर 100 से अधिक कलाकारों की भागीदारी देखने को मिलेगी, जिसमें 15 से अधिक एकल कला प्रस्तुतियां और पाटी समूह प्रदर्शनी शामिल है।

सोलो प्रस्तुतियों में कांची चोपड़ा ने कृषि अपशिष्ट को टिकाऊ काग़ज़ और पैकेजिंग में बदलने वाले सामाजिक उपक्रम 'कोहिनूरी' की स्थापना की, जिसके माध्यम से उन्होंने उत्तरी भारत के किसानों और स्ट्रीट वेंडर्स के साथ मिलकर 120 से अधिक देशी पौध प्रजातियों का दस्तावेज़ीकरण और संरक्षण किया है।आर्टिस्ट माया कुमारी सुथार राजस्थान की ग्रामीण स्मृतियों और भूमि-इतिहास को समकालीन स्पैशियल डिज़ाइन से जोड़ा।

सामग्रियों के माध्यम से विस्थापन, सत्ता और सामूहिक अस्तित्व के प्रश्नों को सशक्त दृश्य भाषा में प्रस्तुत किया है। 20 साल अनुभवी आर्टिस्ट माइकल शॉ ने अपने केरियर में वीएंडए लंदन और सिडनी फ़ेस्टिवल जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर लार्ज-स्केल साइट-स्पेसिफिक इन्फ्लेटेबल स्कल्प्चर्स प्रस्तुत किए हैं। आर्टिस्ट नताशा गालेसिच ने 10 से अधिक देशों में प्रदर्शनियां की हैं और सार्वजनिक कला, समुदाय-आधारित प्रैक्टिस व अस्पतालों में कला हस्तक्षेप के लिए अपने प्रोजेक्ट 'होसमोलोज़ी' के माध्यम से विशिष्ट पहचान बनाई है। आर्टिस्ट नव्या साह की फ़िल्में बर्लिनाले, बुसान और मामी जैसे अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म समारोहों में प्रदर्शित हुई हैं, जबकि आर्टिस्ट श्रेया अग्रवाल ने सेरेंडिपिटी आर्ट्स फ़ेस्टिवल सहित प्रमुख मंचों पर इमर्सिव मूवमेंट परफ़ॉर्मेंसेज़ प्रस्तुत की हैं। आर्टिस्ट पास्कल उंगरर को गोल्ड्स्मिथ एक्सिलेंस अवार्ड सहित कई अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं और वे रॉबर्ट वॉल्टर्ज़ यूके न्यू आर्टिस्ट ओफ़ द ईयर (2023) के फ़ाइनलिस्ट रह चुके हैं।

■ कान्स और सनडांस फ़िल्म फ़ेस्टिवल में अपना कार्य दिखा चुके आर्टिस्ट होंगे मौजूद

सूने मकानों में चोरी करने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

जयपुर। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी के मामले में एक हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। जो ऑटो रिक्शा में घूम कर रेकी के बाद सूने मकानों में चोरी की वारदात को अंजाम देता था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी के पास से चोरी के माल को दिल्ली में छूटकर व्यवसायी को बेच देता था। चुराए माल को बेचकर आए रुपयों से आरोपी हिस्ट्रीशीटर ने खुद का नया मकान बना लिया। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सूने मकानों में चोरी करने वाले आरोपी केशु उर्फ किशु सिंगीवाल (25) निवासी बगराना कानोता को गिरफ्तार किया है। आरोपित कानोता थाने का हिस्ट्रीशीटर है,जिसके खिलाफ चोरी-लूट के करीब 19 केस दर्ज हैं। पूछताछ में सामने आया

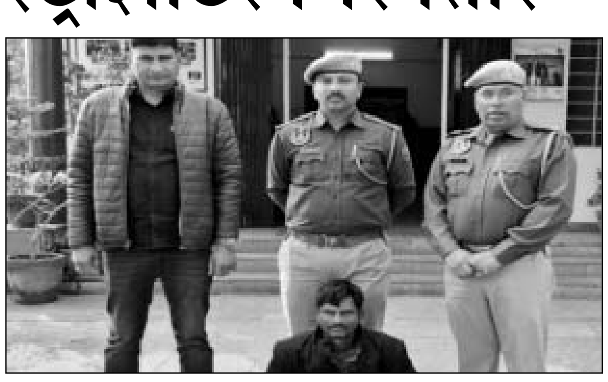

पुलिस ने मकानों में चोरी करने वाले आरोपी केशु उर्फ किशु सिंगीवाल को गिरफ्तार किया।

है कि वह अपने ऑटोरिक्शा से दिन में गलियों में घूमकर चोरी करने वाले मकान को चिह्नित करता था। इसके बाद रात के समय आकर लॉक तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देता था। इसी दौरान सीसीटीवी फुटेजों से बचने क लिए उस पर टोपी लगाकर दिशा बदल लेता था।चोरी की वारदात को अंजाम देकर ऑटो रिक्शा लेकर फरार हो जाता था। चोरी किए सोने-चांदी के गहने और कीमती सामान को दिल्ली और छुट कर बिजनेसमैन को बेचता था।

7 घण्टे बंद रहेगी बिजली

छबड़ा/जयपुर। कोटा से आने वाली 400 केवी लाइन पर सांगोद और खानपुर के बीच लाइन का कार्य होने के कारण 220/132 केवी कवाई, छीपाबडौद और कोलूखेडी की विद्युत आपूर्ति बंद होने के कारण छबड़ा तहसील से सम्बंधित सभी केवी फीडर की विद्युत आपूर्ति रविवार को 7 घण्टे बाधित रहेगी।

सहायक अभियंता टी एंड सी आरवीएनएल कोटा ने बताया कि 400 केवी लाइन पर मरम्मत कार्य होने के कारण 220/132 केवी कवाई, छीपाबडौद और कोलूखेड़ी से संचालित छबडा तहसील के सभी 33 केवी के जीएसएस छबडा, खोपर, मुंडला, कोटडी, केलखेड़ी, कडैयाचोर, गेंहूखेड़ी, घाटखेड़ी, पाली, फलिया, कडैयानोहर और सेवनखेड़ी से संचालित समस्त 11 केवी फीडर की विद्युत आपूर्ति रविवार को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक 7 घंटे तक बाधित रहेगी।

घाटगेट पुलिस लाइन में साढ़े तीन हजार लोगों ने पाया पौष बड़ा प्रसाद

जयपुर । राजधानी के घाटगेट स्थित पुलिस दूरसंचार लाइन में शनिवार जनवरी को श्रद्धा और उल्लास का अनूठा नजारा देखने को मिला। यहाँ स्थित संचारेश्वर महादेव मंदिर में विशाल पौष बड़ा (भोजन प्रसादी) महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस महकमे के आला अधिकारियों से लेकर नवनियुक्त जवानों तक ने एक ही पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की।

यह भव्य धार्मिक आयोजन पुलिस दूरसंचार आवासीय परिसर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम एवं तकनीकी वी.के. सिंह, निदेशक दौलतराम अटल और पुलिस अधीक्षक डॉ. हेमराज मीणा सहित अन्य उच्चाधिकारियों का कुशल मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

पुलिस दूरसंचार विभाग के लिए दोहरी खुशी का अवसर रहा। एक ओर जहाँ गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2025 के अंतर्गत नियुक्ति पत्र वितरित किए गए,वहीं दूसरी ओर इन पुलिस दूरसंचार में नवनियुक्त 1 हजार 400 कांस्टेबलों ने सेवा की शुरुआत धार्मिक आशीर्वाद के साथ की। नियुक्ति पत्र पाकर सीधे प्रसादी कार्यक्रम में पहुंचे इन युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। वहीं कार्यक्रम में केवल विभाग के कर्मचारी ही नहीं, बल्कि आवासीय परिसर में निवासरत उनके परिवारजन और आम नागरिक भी शामिल हुए।

■ संचारेश्वर महादेव मंदिर में विशाल पौष बड़ा (भोजन प्रसादी) महोत्सव का आयोजन किया

चावल के कट्टों के नीचे दबी मिली 1.5 करोड़ की अवैध शराब

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर नाकेबंदी कर अवैध शराब से भरा एक ट्रक पकड़ा

जयपुर । एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स राजस्थान (एजीटीएफ) ने राजस्थान में अवैध शराब के अंतर्राज्यीय सिंडिकेट पर पुलिस ने बड़ी चोट की है। एडीजी एजीटीएफ दिनेश एमएन के निर्देशन और एसपी ज्ञान चंद यादव व एएसपी सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में पुलिस ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर नाकेबंदी कर अवैध शराब से भरा एक ट्रक पकड़ा है। जब्त की गई शराब की कीमत बाजार में करीब डेढ़ करोड़ रुपये आंकी जा रही है।

एडीजी एमएन ने बताया कि इस बड़ी कार्रवाई की नींव उदयपुर डीएसटी के हेड कांस्टेबल करतार सिंह की सटीक सूचना पर रखी गई। सूचना मिलते ही एजीटीएफ टीम ने दौसा जिले में स्थानीय सदर थाना पुलिस मय डीएसटी को साथ लेकर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर जाल बिछाया। रात के अंधेरे में जब संदिग्ध ट्रक आता दिखा तो पुलिस टीम ने उसे रुकवा लिया। वर्दीधारी पुलिस को देख चालक घबरा गया और संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया।

तस्करों ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए ट्रक में 415 चावल के कट्टे भर रखे थे। जब ट्रक की गहन तलाशी ली गई, तो इन कट्टों के पीछे पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब का जखीरा बरामद

पुलिस ने मौके से ट्रक चालक दिनेश भाम्भू पुत्र रामचन्द्र निवासी सांजटा थाना सदर बाड़मेर को गिरफ्तार किया ।

हुआ। पुलिस ने मौके से रॉयल चैलेंज के 574 कार्टन (पव्वे व बोतल), मैकडॉवेल्स .1 के 200 कार्टन (पव्वे व बोतल), रॉयल स्टैग के 297 कार्टन (बोतल) सहित कुल मिलाकर 1071 कार्टन अवैध शराब जब्त की गई, जिस पर फॉर सेल इन पंजाब लिखा हुआ था।

पुलिस ने मौके से ट्रक चालक दिनेश भाम्भू पुत्र रामचन्द्र (22) निवासी सांजटा थाना सदर बाड़मेर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 60 हजार रुपये नकद और तस्करी में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह यह शराब हरियाणा के सिरसा (भावदीन टोल) से भरकर गुजरात ले जा रहा था। तस्कर व्हाट्सएप के जरिए अपने आकाओं के संपर्क में था। उदयपुर डीएसटी के हेड कांस्टेबल करतार सिंह की सटीक सूचना पर की गई कार्रवाई में कांस्टेबल रविंद्र सिंह व जितेंद्र कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व इंस्पेक्टर सुभाष सिंह ने किया, जबकि टीम में हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, महावीर सिंह, मनोज कुमार तथा चालक सुरेश मीणा सक्रिय रूप से शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

■ पुलिस ने रॉयल चैलेंज के 574 कार्टन, मैकडॉवेल्स के 200 कार्टन रॉयल स्टैग के 297 कार्टन सहित कुल मिलाकर 1071 कार्टन अवैध शराब जब्त की

रामानन्दाचार्य जयंती धूमधाम से मनाई

रामगंजमंडी/जयपुर। रामगंजमंडी में 10 जनवरी शनिवार को जगद्गुरु रामानंदाचार्य का 726वां प्राकट्य उत्सव धूमधाम से मनाया गया। वैष्णव बैरागी समाज द्वारा जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी 726वां प्राकट्य उत्सव दो दिवसीय कार्यक्रम उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत गोवर्धननाथ जी मंदिर से शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जिसमें बैंड-बाजों की मधुर धुन पर समाजजन नृत्य करते हुए मुख्य मार्गों से होकर जानकी नगर स्थित समाज भवन पहुँचे, जहाँ शोभायात्रा का समापन हुआ। शोभायात्रा में बग्गी की बोली डॉ. घनश्याम वैष्णव की रही, समाज अध्यक्ष गिरजेश वैष्णव ने बताया कि इस दो दिवसीय आयोजन में सांस्कृतिक ज्ञान परीक्षा, रंगोली प्रतियोगिता, खेलकूद प्रतियोगिताएँ तथा समाज सेवा व प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि खनी धाम रिंछी से संत बजरंग दास त्यागी महाराज रहे।

ARBIT it happens here...

Celebrating the Goodness of Milk

National Milk Day, observed on January 11, celebrates the vital role of milk in nutrition and health. Commemorating the birth anniversary of Dr. Verghese Kurien, the father of India's White Revolution, the day highlights milk's contribution to protein, calcium, and overall wellness. It encourages people to include milk and dairy products in their daily diet, promoting stronger bones and better immunity. Schools, farms, and dairy cooperatives often organize events to raise awareness about the benefits of milk, sustainable dairy practices, and the importance of supporting local farmers, making it a day to honour this wholesome, everyday beverage.

Why Armies Parade !

Sweat is the most visible yet least acknowledged foundation of military parades. Soldiers train relentlessly for weeks and months, enduring physical strain that tests endurance, precision and perseverance. While drill refines posture and movement, its innate purpose is to develop the capacity to perform accurately and consistently under fatigue. History repeatedly demonstrates the decisive value of such conditioning. Roman legions drilled daily, marching long distances in formation with full equipment.

Brig Preet Pal Singh, AVSM, VSM (Retd)
(Widely published analyst on security, international relations and geopolitics)

#ARMY DAY

> Synchrony is the essence of military effectiveness. It transforms individuals into formations and formations into armies, converting discipline into decisive combat power. A parade demands exact coordination amongst hundreds of individuals responding uniformly and instantaneously to command.

Military parades are often mistaken for mere ceremony, yet they are amongst the oldest and most solemn military traditions. Each year, millions across India watch the Republic Day Parade, as pride and quiet joy spread nationwide. Beyond the marching columns, its enduring strength lies in bonding citizens across regions, languages and generations in a shared sense of identity and belonging.

Parades have sustained because the fundamentals of conflict remain unchanged. Parades train soldiers, test units, build cohesion, reinforce morale and signal power. At their core lie three pillars of Sweat, Synchrony and Spirit. These are not abstract notions but operational necessities. Armies that mastered them endured longer, fought more cohesively and triumphed more often. Military drills institutionalise these qualities in peace so that they emerge instinctively in war.

Sweat is the most visible yet least acknowledged foundation of military parades. Soldiers train relentlessly for weeks and months, enduring physical strain that tests endurance, precision and perseverance. While drill refines posture and movement, its innate purpose is to develop the capacity to perform accurately and consistently under fatigue. History repeatedly demonstrates the decisive value of such conditioning. Roman legions drilled daily, marching long distances in formation with full equipment. This discipline enabled them to arrive cohesive and battle-ready, often overwhelming less organised adversaries.

Greek victory parades were not mere spectacle; they affirmed a military system that valued discipline and collective order as highly as courage. Centuries later, Napoleon Bonaparte applied the same principle. His Grande Armée trained relentlessly, enabling rapid manoeuvre and sustained campaigning across Europe. Parades and reviews in Paris reinforced endurance, conformity and cohesion as qualities that allowed French forces to outmarch and outfight opposing coalitions.

This soundness remains unchanged. Parade training forces soldiers to maintain discipline under fatigue, making discomfort a normal operating condition. A parade thus becomes a controlled trial of hardship, exposing weaknesses long before they surface in battle.

Synchrony is the essence of military effectiveness. It transforms individuals into formations and formations into armies, converting discipline into decisive combat power. A parade demands exact coordination amongst hundreds of individuals responding uniformly and instantaneously to command. This precision is not cosmetic; it is collective discipline. Wars are rarely won by individual brilliance alone but by coordinated action, where units move, fight and support one another seamlessly. Drill trains soldiers to subordinate personal rhythm to collective rhythm, replacing instinct with cohesion. History is unequivocal, when formations break, defeat follows.

Military parades imbibe discipline by building instinctive responses to command, preserving order under stress. Large-scale parades also signal organisational capacity, reassuring citizens and deterring adversaries by demonstrating a coherent instrument of state power.

Sweat and synchrony alone do not win wars. Armies also require spirit, which is the moral force that sustains soldiers when casualties mount, resources thin and victory appears distant. Parades are among the most effective tools for cultivating this intangible yet decisive element. Spirit arises from identity, tradition and shared purpose. Colours, standards, martial music and ceremonial drill connect soldiers to their units' lineage, the sacrifices of predecessors and the values they defend. Spirit transforms obedience into commitment and endurance into resolve. Through repeated ceremonial affirmation, parades reinforce the moral backbone that sustains armies in crisis.

Across history, parades have strengthened the bond between armies and states. From Roman triumphs and European musters to modern national reviews, they tested readiness, projected authority and signalled cohesion. In the modern era, parades have conveyed resilience, organisational strength and civil-military connection without militarisation. India's tradition of ceremonial display predates the modern Republic.

Ancient kingdoms conducted structured troop reviews to demonstrate discipline and authority. Mauryan accounts describe organised military musters, while medieval durbars and reviews reinforced hierarchy and cohesion. The colonial period formalised parade culture through cantonment drills and reviews. Independent India inherited these traditions and transformed them, recasting parades from symbols of imperial power into republican affirmations of unity, constitutional values and national identity.

India's ceremonial calendar opens with Armed Forces Veterans' Day on 14 January, honouring service and sacrifice and reaffirming the bond between the nation and its soldiers. This period also includes the Army Day and Republic Day Parades, reflecting the armed forces' professionalism and diversity. Held increasingly beyond the capital, these ceremonies bring the Army closer to the people, while the Republic Day Parade continues to unite millions in shared pride and national identity.

India's Republic Day Parade is among the world's most multifaceted, blending military strength, cultural expression and technology into a single national narrative. Months of preparation culminate in precise coordination on Kartavya Path, reflecting command capability beyond ceremony. Sweat, synchrony and spirit flow through every movement of the parade, giving it meaning beyond display. It ultimately reaffirms that the armed forces serve the Republic and its people, fostering trust and respect.

In an age of cyber warfare and drones, the relevance of parades is often questioned, yet war still depends on disciplined humans operating under stress. Parades test endurance, coordination, command responsiveness and morale, while also signalling deterrence and reassurance. No parade by itself wins a war, but no army that neglects discipline and cohesion prevails for long. A military parade is therefore not mere spectacle, but a disciplined expression of military power that, through sweat, synchrony and spirit, builds endurance, unity and resolve which are the enduring foundations of military effectiveness.

rajeshsharma1049@gmail.com

A Chenda Melam performance adds rhythm and ceremony to an Army Day 2026 build-up evening in Jaipur.

COAS Gen Upendra Dwivedi and Mrs. Sunita Dwivedi appear on an AORTA initiative, visual encouraging organ donation ahead of Army Day 2026.

The Indian Army Symphony Band performs during Army Day 2026 build-up programming in Jaipur.

"At Home" on Jaipur's Streets

Lt Gen Manjinder Singh meets Deputy Chief Minister Diya Kumari during Army Day 2026 build-up engagements in Jaipur.

> My father was a Wing Commander. Growing up, he taught me to watch the armed forces in a particular way: not as theatre, not as background music for nationalism, but as a discipline you can smell when you step into an army area, the whiff of air, stiff and upright and regimental. He took me, as a teenager, to see things that made the military real before it became symbolic: tent pegging, Beating the Retreat, and-much later, the 26 January parade in Delhi. Years pass, cities change, but the feeling returns: the same posture inside the body, as if the spine remembers before the mind does.

AWWA Regional President Mrs. Barinder Jit Kaur joins Lt Gen Manjinder Singh and Dr. Preeti Bakshi during Army Day 2026 build-up engagements.

Best Performance.

CAPTURED CAR FROM THE WAR (KNOW YOUR ARMY DISPLAY) AT BHAWANI NIKETAN.

Pushpendra Bhargava
(Owner of Jaipur Inn)

They call it "At Home" when the Army returns to familiar ground. Not because the ground is easy, but because it remembers.

Jaipur has always spoken that language.

Not in slogans, but in texture: the crispness of a salute seen from too close, the clipped syllables of 'yes, sir,' the way people instinctively straighten their backs when a column moves past. As a teenager, I didn't have words for it. I just knew that stepping into the army area changed the air. It smelled, oddly and unmistakably, of discipline. In the first week of January, that feeling returned in an unexpected place: not on a parade route, but in the quieter corridors of care.

A hospital that feels like a garrison of gratitude

On 5-6 January, I found myself inside that kind of memory at the Military Hospital in Jaipur, where a mega medical camp for veterans was underway. The scene wasn't loud. No marching band, no grandstand. Just the steady choreography of care: people moving from desk to desk, reports being stapled, names being called, a chair scraping back, a small nod that said *haan, ho gaya, it's done.*

In a city that knows how to celebrate spectacle, this felt like a different kind of ceremony.

I met Narendra Singh Shekhawat, Honorary Naib Subedar, with his wife, both visibly lighter after hearing their reports were normal. I also met Col. Sanjeev Patyal and his wife. They spoke with a simple happiness about Jaipur hosting the Army Day Parade, less about the show, more about the closeness: citizens getting to see the Army up close in their own city.

A civil orthopaedic surgeon, Dr. Manan Agarwal (Mahatma Gandhi Hospital), was part of the camp too, a reminder that 'service' isn't one uniform; it's a chain of people doing their part.

And then, there was Dr. Komal, recently commissioned, smiling when asked whether her parents were happy with her choice, happy with the service she is giving to the nation, to the Army, and especially to veterans. The smile stayed with me because it wasn't a performance. It was a young person's quiet certainty.

This is where my own lens comes in, and it begins at home.

My father was a Wing Commander. Growing up, he taught me to watch the armed forces in a particular way: not as theatre, not as background music for nationalism, but as a discipline you can smell when you step into an army area, the whiff of air, stiff and upright and regimental.

He took me, as a teenager, to see things that made the military real before it became symbolic: tent pegging, Beating the Retreat, and-much later, the 26 January parade in Delhi. Years pass, cities change, but the feeling returns: the same posture inside the body, as if the spine remembers before the mind does.

That's why the hospital corridor mattered. Because it's easy to cheer for a parade. It's harder, and more honest, to notice the quieter infrastructure behind the cheering: veterans being looked after, wives holding reports, doctors who speak gently, and the careful dignity of ageing bodies that once carried the weight of younger risk.

A city of forts that still understands service

Jaipur's romance is usually told in stone: forts on ridgelines, courtyards washed in light, the geometry of old power. But the city's other inheritance is less architectural and more embodied, the long memory of service.

Some people carry that memory in family stories. Some carry it in medals. Some carry it in the way they talk about the Army as 'our boys' (and increasingly, our women too), with a possessiveness that is actually tenderness.

One of the most striking voices I heard came from Jagdeep Singh, a Jaipur publicist, who spoke not in abstractions but in lineage, medical service stitched to military history.

"My grandfather Lt Col Gurbaksh Singh DSO was the first Indian Commandant of the Military Hospital in Jaipur. He had the distinction of being the commandant in 1946 which was pre-independence. Earlier, he was the Medical Officer of the 1st Jaipur Infantry. He won the gallantry award in WW II. There is a bust, a gallery and an auditorium in his name in the hospital." That's Jaipur for you: the parade route might change, but the city's habit of remembering does not.

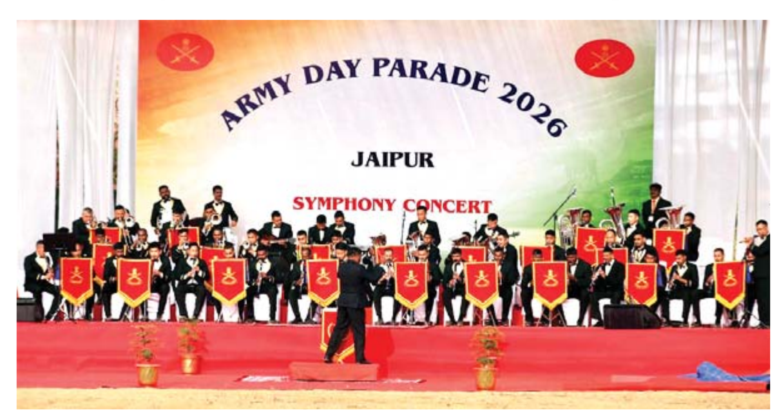

The Indian Army Symphony Band performs at Bhawani Niketan as part of the 'Know Your Army' build-up programme in Jaipur.

#ARMY DAY

A flag-off moment at the Honour Run, where Jaipur's runners, families, and veterans share one public salute to service. "EK DAUD VEERON KE NAAM."

Bond: The real theme of 'Army in the city'

Leading up to Army Day, Jaipur has been watching the Army in multiple registers, not only as force, but as presence. If there is a single word that keeps surfacing across the lead-up calendar, it is not 'power.' It is a bond. One thread in the notes is the South Western Command cycle rally (9-16 December 2025), ending with a flag-in at the Jaipur Military Station, an image of endurance turned outward, towards citizens. And there was something quietly radical about its image: two women cycling 800 kilometres, turning endurance into a civic message. Not just soldiers moving through terrain, but the armed forces moving through civic life, asking the city to come closer. Asha Malviya, speaking about that expedition, framed it not as a personal triumph but as a bridge between uniform and citizen. "The Cycle Expedition organized under the South Western Command was not just a journey for me, but a proud and significant milestone in my overall cycling expeditions so far… The primary objective of this expedition was to enhance awareness about our border areas, honour the unmatched courage and sacrifices of our soldiers, promote women empowerment, and strengthen the bond between the Armed Forces and the common citizens."

Even her phrasing, 'strengthen the bond,' does more work than a hundred adjectives about pride. It suggests that the parade is not the only point of contact. The real story is: how does a city learn to host, rather than merely watch?

There was the Honour Run too, under the theme "Ek Daud Veeron Ke Naam," a civic ritual where the city's fitness culture and the Army's memory culture briefly overlap, and you see families, veterans, and young runners share one moving narrative.

A blood donation camp, the event was held under the theme 'Donate Blood, Salute the Nation,' highlighting the Armed Forces' commitment to humanitarian service and welfare. And then, on 5 January, the Symphony Band at JKK, music doing what it always does best: making discipline sound like beauty.

When a veteran speaks, a city listens

A note shared by General Shankar Roychowdhury (PVSM), the 18th Chief of Army Staff, put the personal and the institutional in one frame.

"The first Army Day parade took place on 15 Jan 1949 in recognition of Field Marshal Cariappa taking over as the first Indian COAS. I am happy that the Army Day parade is being held in Jaipur this year. For me, Army Day has immense personal significance - I am proud of our Army and its unwavering focus on maintaining its standards, traditions and warrior ethos. I remember speaking to the soldiers at Army Day events of the honour of protecting our country and keeping its borders and our fellow citizens safe and secure."

There's a sentence in there I keep returning to: standards, traditions, warrior ethos. Three pillars that can read like a slogan, until you watch them expressed as care in a hospital, as endurance on a road, as music on a stage.

The quietest salutes are sometimes the most honest: Jaipur's old world inside the new

Jaipur's romance is usually told in stone: forts on ridgelines, courtyards washed in light, the geometry of old power. But the city's other inheritance is less architectural and more embodied, the long memory of service.

And sometimes, that memory shows itself in a single scene, because someone who was there wrote it down plainly.

In his reminiscences from Army Day Parade 1958, Brigadier A. P. Bhargava (Retd.), writes:

"As a Lt commands a troop of three tanks, I was detailed to take part for Army Day and Republic Day parades with our Sherman tanks of WW II vintage."

"The salute was taken by the Army Chief Gen K S Thimaya."

"After the parade tea was laid on for those officers and jawans who took part in the parade as also invitees, mainly Army veterans. The Chief and other senior officers spoke to the gathering."

"Late HH Bhawani Singh, then Capt Adjutant of the President Body Guard, was present in his Paratroopers uniform superimposed by the PPG attire also mingled with the audience."

"Veterans from the Rajput Regt. and Rajputana Rifles, some of them sporting large silver moustaches, were there. When Capt Bhawani Singh came to greet them, old traditions and loyalty came in play. Each one of them knelt down to touch his feet in reverence."

"I came away proud to be a member of the Indian Army."

Modern uniform. Ancient gestures. Parade drill followed by tea, followed by a moment of reverence that belongs to Jaipur's deeper vocabulary of loyalty, where service, family, and history sometimes overlap in ways the city doesn't even notice it's performing.

This is not an argument for nostalgia. It is a reminder that Jaipur carries multiple layers at once, some civic, some familial, some institutional, and the uniform moves through all of them.

Even on paper, the range matters: running, donating blood, listening to music, these are not the language of intimidation. They are the language of belonging.

And sometimes, pride arrives without any big words at all, just a sentence written after the day is done.

"I came away proud to be a member of the Indian Army."

No fireworks. No choreography. Just pride, earned, internal, and steady.

That's the version of pride Jaipur understands best: not the loudest one, but the one that can sit quietly in a waiting area, beside a veteran and his wife, while the city prepares to salute.

Walking out of the hospital that day, the Jaipur winter had that familiar bite. The air was clear enough to make the city look sharper than it usually does, walls, trees, people, all slightly outlined. And I thought, with a sudden tenderness, that surprised me. I wish my father were alive for me to show him this tribute to the Army, the one I have learned to see through his eyes. Not the loud tribute. The real one. The one that smells, faintly, of that regimental whiff of air, carried not by slogans, but by care.

rajeshsharma1049@gmail.com

VICTORY CELEBRATION AFTER THE HONOUR RUN.

THE WALL

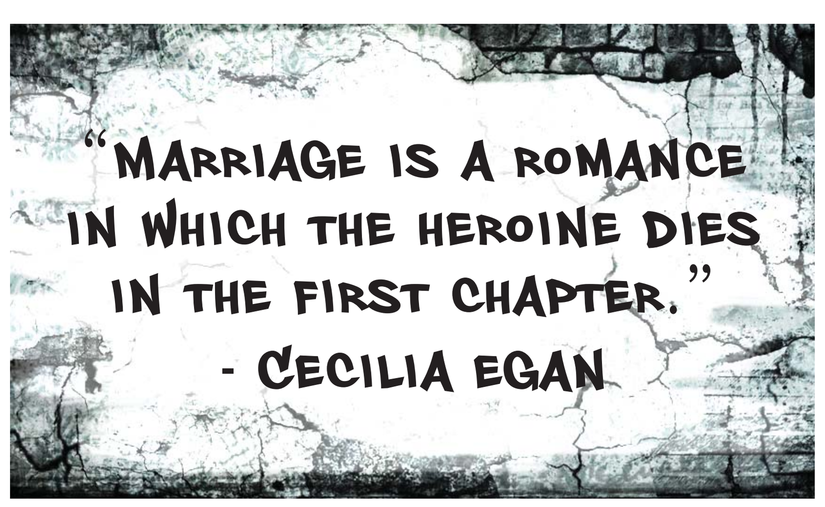

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

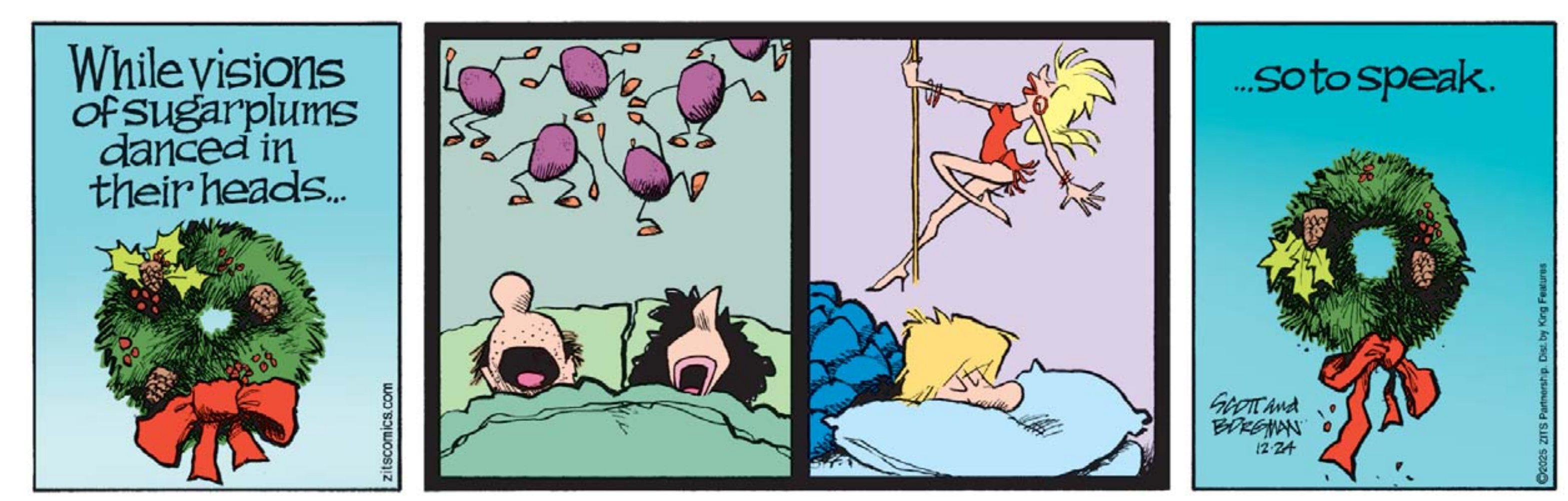

माहेश्वरी समाज राष्ट्र की आवश्यकताओं में सहयोग के भाव से सदैव आगे रहता है : शाह

अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आदि ने शिरकत की

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि समाज की आत्मनिर्भरता और सामाजिक आयोजनों से देश मजबूत बनता है। सामाजिक संगठनों की शक्ति समाज एवं देश के लिए उपयोगी होती है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज ने सेवा के संकल्प को चरितार्थ किया है। यह समाज अपने मूल से जुड़े रहते हुए राष्ट्र की आवश्यकताओं में सहयोग के भाव से सदैव आगे रहता है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को जोधपुर के पॉलीटेक्निक कॉलेज ग्राउंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे।

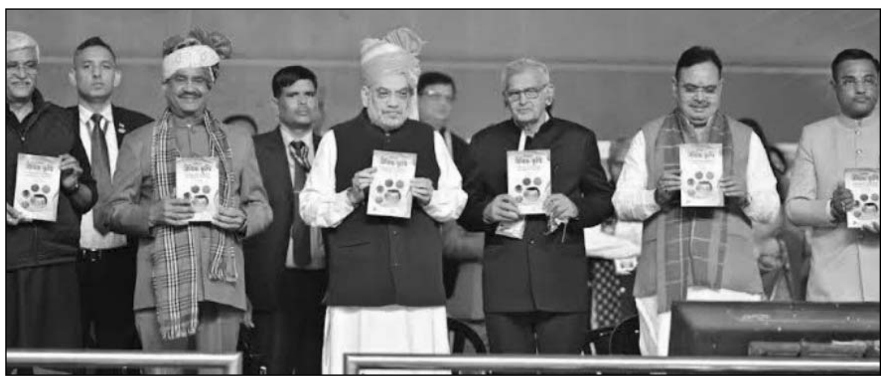

अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आदि ने डाक टिकट जारी किया।

■ माहेश्वरी समाज अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तत्पर है : सीएम भजनलाल

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग, देश की उत्पादन क्षमता में वृद्धि और स्वभाषा के उपयोग की सबसे बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि भाषा ही समाज, धर्म और संस्कृति को जीवंत रखती है। इसलिए सभी अपने परिवार और परिचितों से स्वभाषा में संवाद करें जिससे नई पीढ़ी हमारे गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति से परिचित हो सके। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि माहेश्वरी समाज ने देश की आत्मनिर्भरता, विकास और उद्योग क्षेत्र में अपना अहम योगदान दिया है। मैन्यूफेक्चरिंग, ट्रेडिंग और तकनीक के क्षेत्र में भी प्रगतिशील समाज का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो के माध्यम से देश को आर्थिक मजबूती मिलेगी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि राजस्थान शौर्य, पराक्रम और उद्यमशीलता की धरती है। माहेश्वरी समाज भगवान महेश के संस्कारों से प्रेरित रहा है और सेवा, समर्पण व त्याग इसकी पहचान हैं। आज जब हमारा देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है तब नवाचार, तकनीक और उद्यमशीलता के माध्यम से समाज की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। बिरला ने अव्हान किया कि परिवर्तन के इस दौर में सामूहिक संकल्प, कड़ी मेहनत और सामाजिक समरसता के साथ कार्य कर समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जाए। साथ ही, आर्थिक-सामाजिक संघर्ष से जूझ रहे वर्गों के उत्थान में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन और ग्लोबल एक्सपो राजस्थान की सांस्कृतिक चेतना से ओत-प्रोत तथा मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रदर्शन है। यह आयोजन समाज की एकता और सामाजिक प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती से निकला यह समाज आज पूरे विश्व में फैला हुआ है। माहेश्वरी समाज ने सदैव सेवा-त्याग-सदाचार के मूल्यों को जीवन में धारण किया है तथा समाज के विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में भी अपना अमूल्य योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में जो शांति और व्यवस्था है उसके पीछे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दृढ़ नेतृत्व है।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माहेश्वरी समाज को समर्पित डाक टिकट जारी करने के साथ ही माहेश्वरी गौरव ग्रंथ व जैविक खेती पर आधारित पुस्तक का भी विमोचन किया। साथ ही, उन्होंने अपना घर आश्रम के प्रथम चरण का वर्चुअल लोकार्पण किया। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के. के. विश्नोई, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, विधायक अतुल भंसाली, देवेन्द्र जोशी, अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महासभा के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

बजरी माफिया का शिकार हुये घायल वनकर्मी जितेंद्र की जयपुर में मौत

वनकर्मी जितेंद्र का पैतृक गांव सूरजपुरा में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया

■ सरमथुरा उपखंड के गांव झिरी क्षेत्र में अवैध चंबल बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बजरी माफिया ने वनकर्मी जितेंद्र पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया था

■ चिकित्सकों की टीम ने घायल वनकर्मी जितेंद्र की जिंदगी बचाने की खातिर बांया पैर भी काट दिया था

■ ग्रामीणों व वनकर्मियों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा जितेंद्र के परिजनों को उचित मुआवजा और सरकारी सहायता प्रदान की मांग की

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र के ग्राम सूरजपुरा निवासी वनकर्मी जितेंद्र ने अपनी ड्यूटी निभाते हुए प्राण न्यौछावर कर दिए, जिनका पैतृक गांव सूरजपुरा में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

डीएफओ आशीष व्यास ने बताया कि सरमथुरा उपखंड के गांव झिरी क्षेत्र में अवैध चंबल बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बजरी माफिया ने जितेंद्र पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद घायल वनकर्मी जितेन्द्र सिंह का जयपुर के अपेक्स अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में इलाज किया जा रहा था। चिकित्सकों की टीम ने जिंदगी को बचाने की खातिर बांया पैर भी काट दिया था। चिकित्सक दो दिन तक वनकर्मी की जिंदगी को बचाने में जुटे रहे। आखिर शुक्रवार रात्रि को ऑर्गन फेल हो जाने से वनकर्मी जितेंद्र की मौत हो गई। घटना से वन विभाग के कार्मियों व ग्रामीणों में आक्रोश है।

वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग मंत्री संजय शर्मा ने ट्वीट करते हुए कहा कि सरमथुरा (धौलपुर) के झिरी गांव में कर्तव्य पालन के दौरान घायल हुए वनकर्मी जितेन्द्र सिंह शेखावत के जयपुर अस्पताल में उपचार के दौरान निधन का समाचार अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है। डॉक्टरों द्वारा भरसक प्रयास किए गए, बांया पैर काटने के बाद भी उन्हें नहीं बचाया जा सका। बजरी माफियाओं की इस नृशंस और अमानवीय हरकत की मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूँ। दोषियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा छापेमारी जारी है और उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को इस अपार दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करें। राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

वहीं ग्रामीणों व वनकर्मियों ने मांग की है कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए तथा शहीद हुए वनकर्मी जितेंद्र के परिजनों को उचित मुआवजा और सरकारी सहायता प्रदान की जाए, जहां डीएफओ आशीष व्यास ने मृतक के परिजनों से वार्ता कर मृतक को न्याय दिलाने व हर तरह के सहयोग का आश्वासन दिया।

गौरतलब है कि 42 वर्षीय वनरक्षक जितेंद्र सिंह भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे चुके थे। वन विभाग में यह उनकी पहली पोस्टिंग थी। उन्होंने सितंबर 2024 में सरमथुरा थाना इलाके में झिरी नाके पर जॉइन किया था। काम के प्रति सजग रहते थे। उन्होंने कई कार्रवाइयों में भाग लिया। इससे बजरी माफिया में खौफ था। कार्रवाई के दौरान समय नहीं देखते थे। गत दिवस रात 12 बजे ट्रैक्टर निकलने की सूचना मिलने पर उन्होंने अकेले ही मौके पर पहुंच कर बजरी ट्रैक्टर को रोका तो चालक ने उनके ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। वनरक्षक विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सूरजपुरा के निवासी थे। जिनके परिवार में दो बच्चे व पत्नी हैं।

उचित मूल्य दुकानों के आवंटन के लिए आवेदन आमंत्रित

बीकानेर, (निसं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा उचित मूल्य दुकानों के आंवटन के लिए जारी दिशा निर्देशों के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत नगर निगम क्षेत्र बीकानेर एवं तहसील बीकानेर (ग्रामीण क्षेत्र) की आवंटन से शेष रही रिक्त (नवसृजित सहित) 44 तथा जिले के अन्य तहसील क्षेत्रों के 38 सहित उचित मूल्य की 82 दुकानों के आवंटन के लिए विभागीय निर्देशानुसार इच्छुक पात्र व्यक्तियों से प्राधिकार पत्र जारी किए जाने के लिए सशुल्क आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला रसद अधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि आवंदन पत्र 23 जनवरी को सायं 5 बजे तक जिला रसद कार्यालय से जिला रसद अधिकारी के पक्ष में सौ रुपए का भारतीय पोस्टल ऑर्डर प्रस्तुत कर प्राप्त किए जा सकते हैं। भरे हुए आवेदन 23 जनवरी को ही सायं 5 बजे तक जमा करवाए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के पुराने वार्डों (60) के अनुसार रिक्त एवं नवसृजित दुकानों क लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

शिक्षकों को एक और जिम्मेदारी मिली, अब स्कूलों से आवारा कुत्ते भी भगाएंगे

श्रीगंगानगर, (निसं)। बीएलओ, चुनाव ड्यूटी, जनगणना, स्वास्थ्य अभियान (टीकाकरण), सर्वे, डेटा फीडिंग जैसे कार्यों के साथ ही शिक्षकों को जो एक नई जिम्मेदारी मिली है वह हैरान करने वाली है। पहले से ही कई गैर-शैक्षणिक कार्यों में उलझे शिक्षकों के कंधों पर अब आवारा कुत्तों को भगाने और उन्हें पकड़वाने का जिम्मा भी दे दिया गया है।

शिक्षा विभाग ने स्कूलों के आसपास घूम रहे आवारा कुत्तों को भगाने और संबंधित विभागों से समन्वय कर उन्हें पकड़वाने की जिम्मेदारी सौंपी है। विभाग के अनुसार यह कदम विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ को आवारा कुत्तों के संभावित हमलों से बचाने के लिए उठाया गया है, ताकि स्कूल परिसर में कोई अप्रिय घटना न हो। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें पकड़ने के आदेश दिए हैं। उसी आदेश की पालना में शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को यह निर्देश जारी किए हैं। आदेशों की अवहेलना पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर को निर्देश जारी किए हैं। उसी की पालना में माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने राज्य के सभी संयुक्त निदेशकों को आदेश जारी कर राज्य के समस्त विभागीय अधीनस्थों के लिए इस संबंध में वांछित दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मोहर सिंह, प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षक संघ रेसटा विभाग ने इस पूरी व्यवस्था पर नजर रखने के लिए एक नया सिस्टम भी खड़ा कर दिया है। आवारा कुत्तों की रोकथाम के इंतजामों की समीक्षा के लिए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और ब्लॉक संदर्भ केंद्र प्रभारी नियमित निरीक्षण करेंगे। कम से कम हर तीन महीने में एक बार स्थिति की जांच की जाएगी। अगर कोई भी लापरवाही पाई गई तो संबंधित प्रभारी और संस्था प्रमुख की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों को पहले से ही गैर शैक्षणिक कार्यों जिनमें बीएलओ, चुनाव ड्यूटी, जनगणना, स्वास्थ्य अभियान (टीकाकरण), सर्वे, डेटा फीडिंग (प्रेरणा पोर्टल, आधार, बैंक खाता), मिड-डे-मील प्रबंधन, छात्रवृत्ति वितरण, स्कूल चलो अभियान, स्वच्छता अभियान, और स्कूल प्रबंधन से जुड़े कई प्रशासनिक आदि कार्य शिक्षकों से करवाए जा रहे है। इससे शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। अब एक और नई जिम्मेदारी कुत्तों को भगाने की दे दी गई है। सरकार को शिक्षकों को गैर शैक्षिक कार्यों से मुक्त करना चाहिए।

स्कूल बाउंड्री वॉल और गेट को इस तरह दुरुस्त किया जाएगा कि आवारा कुत्ते कैम्पस में दाखिल न हो सकें। छुट्टी के समय और सुबह गेट पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। खाने के लालच में कुत्ते स्कूलों के पास जमा होते हैं। अब मिड-डे मील के बचे हुए खाने और कचरे का निबटारा स्कूल परिसर से दूर बंद डस्टबिन में करना होगा। प्रार्थना सभा में बच्चों को कुत्तों के व्यवहार और बचाव के तरीके समझाएंगे। स्कूल परिसर या आसपास कुत्तों का जमावड़ा होने पर संस्था प्रधान तुरंत नगर निगम, नगरपालिका या पंचायत को सूचित करेंगे ताकि उन्हें वहां से हटाया जा सके।

पोकरण क्षेत्र में 50 बीघा सरकारी भूमि पर किए अवैध अतिक्रमण तोड़े

■ अवैध रूप से बूचड़खाने संचालित करने तथा कैलावा गौवंश हत्याकांड से जुड़े आरोपियों के खिलाफ पुलिस-प्रशासन ने कार्रवाई की

■ कार्रवाई केलावा गांव के पास गौवंश की निर्मम हत्या की घटना के बाद बने संवेदनशील हालात और बढ़ते जनआक्रोश के बीच की गई

पोकरण, (निसं)। शहर में अवैध रूप से बूचड़खाने संचालित करने तथा कैलावा गौवंश हत्याकांड से जुड़े आरोपियों के खिलाफ जन आक्रोश लगातार तेज होता जा रहा है। इसी जनदबाव के चलते स्थानीय प्रशासन ने रामदेवसर तालाब की आगोर भूमि पर निर्णायक कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रशासन ने रामदेवरा तालाब के आगोर के खसरा संख्या 87 की लगभग 50 बीघा सरकारी आगोर की भूमि पर वर्षो से किए गए करोड़ों रुपये के अवैध अतिक्रमण को चिन्हित कर पीले पंजे की कार्रवाई से ध्वस्त कर दिया। जैसलमेर रोड स्थित इस भूमि पर बनाई गई पक्की दीवारों को बुलडोजर चलाकर पूरी तरह जमीनदोंज कर दिया गया। यह कार्रवाई दो घंटे से अधिक समय तक चली। इस दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात रहा। सुबह से ही स्थल पर पालिका प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम मौजूद रही।

वहीं जिला कलैक्टर एवं पुलिस अधीक्षक उपखंड कार्यालय पोकरण में बैठकर पल-पल की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थे। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद रहीं और शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया। यह कार्रवाई केलावा गांव के पास गौवंश की निर्मम हत्या की घटना के बाद बने संवेदनशील हालात और बढ़ते जनआक्रोश के बीच की गई। घटना के बाद से पोकरण सहित पूरे जैसलमेर जिले में आक्रोशपूर्ण माहौल बना हुआ है। इसी दौरान पोकरण शहर में हिंदू समाज की सभा भी आयोजित हो रही थी, ऐसे में प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया।

इस संबंध में पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने कहा कि अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। आरोपियों द्वारा किए गए अतिक्रमणों पर बुलडोजर की कार्रवाई जारी रहेगी। सभी दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा। पोकरण में शांति बनाए रखना मेरी प्रथम प्राथमिकता है। गौवंश की हत्या करने वालों और उनके सहयोगियों पर सख्त कार्रवाई होगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि और जलाशयों की आगोर पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा आगे भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेंगी।

इस कार्रवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार सैन, पुलिस उपाधीक्षक भवानी सिंह, पोकरण थानाधिकारी भारत राव, उपखंड अधिकारी हीरसिंह चारण सहित जिले के अनेक प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

फर्जी कागजात बनाने का आरोपी गिरफ्तार

■ 2023 में फर्जी कागजात बनाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था।

श्रीगंगानगर, (निसं) कोतवाली पुलिस ने एक भूखंड को हड़पने की नीयत से फर्जी कागजात बनाने के करीब ढाई वर्ष पुराने मामले में पहली गिरफ्तारी की है। पुलिस ने बताया कि मूल रूप से श्रीगंगानगर और गत काफी समय से लुधियाना पंजाब में रह रहे डॉ. सुदर्शन गोयल की ओर से अदालत में दायर किए इस्तगासा के आधार पर सितंबर 2023 में धोखाधड़ी जालसाजी तथा फर्जी कागजात बनाने के आरोप में कुछ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में पहली गिरफ्तारी अमृतपालसिंह निवासी ज्वाएवाला थाना केसरीसिंहपुर के रूप में हुई है। डॉ. सुदर्शन गोयल का एक भूखंड गणगौर नगर में था। इसके फर्जी कागजात बनाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था।

जुआ-सट्टा खेलते चार जने गिरफ्तार

श्रीडूंगरगढ़, (निसिं)। स्थानीय पुलिस ने जुआ और सट्टा खेलने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की। इसमें चार आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर उनके पास से नकदी और सट्टा पर्चियां बरामद की हैं। पहली कार्रवाई बीदासर रोड स्थित बीएसएनएल टावर के पास की गई। एसआई रतनलाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर वहां दबिश दी। वहां पर ताश के पत्तों पर जुआ खेल रहे तीन युवकों को दबोचा गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राजकुमार मोदी, साबीर सब्जीफरोश और कैलाश सिकलीगर के रूप में हुई है। मौके से ताश की गड्डी और 3240 रुपए नकद जब्त किए। वहीं दूसरी कार्रवाई घूमचक्कर सर्किल के पास की गई। हेड कांस्टेबल भगवानाराम ने गश्त के दौरान सट्टे की खाईवाली करते हुए सत्यनारायण राजपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से सट्टा पर्चियां और 360 रुपए बरामद किए।

सुखाड़िया वि.वि. के रिटायर्ड अधिकारी से लाखों की ठगी

■ सायबर ठगों ने पति-पत्नी को 12 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा, फर्जी सीबीआई अधिकारी, एएसपी और मजिस्ट्रेट बनकर ठगा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के एक रिटायर्ड अधिकारी को सायबर ठगों ने करीब 68 लाख रुपए की ठगी कर ली। इतना ही नहीं, ठगों ने उन्हें और उनकी पत्नी को 12 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट में रखा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उदयपुर के न्यू केशवनगर इलाके में रहने वाले 68 वर्षीय भरत व्यास, जो सुखाड़िया विवि के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं, और उनकी पत्नी आशा व्यास को ठगों ने व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के जरिए फंसाया। ठगों ने कुल 67 लाख 90 हजार रुपए हडप लिए। सायबर पुलिस थाने में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक, 28 दिसंबर 2025 को भरत व्यास के मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया, जिसमें कहा गया कि उनके नाम पर शिकायत दर्ज हुई है। थोड़ी देर बाद व्हाट्सऐप कॉल पर एक व्यक्ति ने खुद को दिल्ली सीबीआई से लक्ष्मण बताते हुए कहा कि उनका मनी लॉन्ड्रिंग केस में नरेश नामक व्यक्ति से 20 लाख का लेनदेन हुआ है। बाद में उसने कहा कि आपसे सीबीआई चीफ बात करेंगे और फिर, लक्ष्मण ने जॉइंट कॉल में समाधान पंवार को जोड़ा, जो खुद को सीबीआई दिल्ली ब्रांच का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बता रहा था। पंवार ने भरत और उनकी पत्नी से संपत्ति, बैंक बैलेंस, जेवर आदि की जानकारी ली और कोर्ट में पेश करने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस को दी रिपोर्ट के अनुसार, तथाकथित जांच अधिकारी लक्ष्मण जो कि पूर्व में व्हाट्सएप कॉलिंग से जुडा हुआ था जिसने मजिस्ट्रेट को कॉल में जोडा। मजिस्ट्रेट ने कहा कि जिसने कहा कि उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस बनता है और आप इसके दोषी पाये गये हो। मजिस्ट्रेट ने कहा कि बैंक बैलेंस और जेवरों की कुल 11.90 लाख रुपए की रकम तुरंत कोर्ट के बैंक अकाउंट में जमा कराएं, जिससे आपकी जमानत स्वीकार की जा सके भरत व्यास ने पुलिस को बताया कि वरिष्ठ नागरिक होने से और गिरफ्तारी के डर से उक्त लोगो द्वारा बताए गए बैक खाते में 5.50 लाख रुपए जमा करवाए। भरत व्यास ने पुलिस को बताया कि 28 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक व्हाट्सएप वीडियो कॉल्स के जरिए उन्हें डिजिटल अरेस्ट रखा गया और विभिन्न किश्तों में 5.50 लाख, 9 लाख, 20 लाख, 20 लाख, 2 लाख और 6.40 लाख रुपए ट्रांसफर करवाए गए पीड़ित भरत व्यास ने बातचीत में कहा कि इस घटना से वे मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं और जिनसे पैसे उधार लिए थे, उन्हें लौटाने के लिए अपनों से सलाह ले रहे हैं।

प्रकाश रिजवानी ने एसडीपी डोनेट की

कोटा, (निसं)। टीम जीवनदाता द्वारा तेज सर्दी में भी दिन-रात लोगों की मदद की जा रही है, ऐसे में रात को निजी अस्पताल में भर्ती ललित मालव के लिए ओ पॉजिटिव एसडीपी की आवश्यकता थी, सर्दी तेज होने के कारण लोग नहीं पहुंच पा रहे थे, ऐसे में मैसेज को वायरल किया गया और स्टेटस लगाए गए, केशवपुर निवासी व्यवसायी प्रकाश रिजवानी ने जब मैसेज देखा तो एसडीपी डोनेशन की इच्छा जाहिर की और अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे।

लायंस क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक व टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि प्रकाश रिजवानी ने पहले पूरी प्रक्रिया जानी और उसके बाद जीवन में पहली बार एसडीपी डोनेट की। एसडीपी डोनेशन के बाद वह काफी प्रसन्न नजर आए और संकल्प लिया कि आगे भी इसी तरह अब वह सेवा करते रहेंगे। इस जब्बे को देख मरीज के परिजन ने इस समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया।

अलवर के धर्मपुरा गांव का स्कूल अकबरपुर कस्बे में शिफ्ट, ग्रामीणों में नाराजगी

ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर कहा कि यह फैसला बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा दोनों के लिए नुकसानदायक है

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के अकबरपुर क्षेत्र के धर्मपुरा गांव के राजकीय स्कूल भवन को जर्जर बताकर ध्वस्त कर दिया गया। स्कूल को धर्मपुरा गांव से अकबरपुर कस्बे में स्थानांतरित किया गया है जिसको लेकर शनिवार को ग्रामीणों ने विरोध-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि यह फैसला बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा दोनों के लिए नुकसानदायक है।

सरपंच प्रतिनिधि महेश पटेल व ग्रामीणों ने बताया कि धर्मपुरा गांव से अकबरपुर कस्बे की दूरी लगभग पांच किलोमीटर है, जिससे छोटे बच्चों के लिए रोजाना यह दूरी तय करना बेहद मुश्किल है। स्कूल तक पहुंचने का रास्ता अलवर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर गुजरता है, जहां दिनभर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में बच्चों को स्कूल भेजना उनके जीवन के लिए खतरे से कम नहीं है।

धर्मपुरा के ग्रामीणों ने स्कूल शिफ्ट करने पर विरोध-प्रदर्शन किया।

■ ग्रामीणों ने बताया कि धर्मपुरा गांव से अकबरपुर कस्बे की दूरी लगभग पांच किलोमीटर है, जिससे छोटे बच्चों के लिए रोजाना यह दूरी तय करना बेहद मुश्किल है

ग्रामीणों ने बताया कि अकबरपुर स्थित स्कूल जाने के लिए बच्चों को खेतों की पगडंडियों से होते हुए जाकर हाईवे पार करना पड़ेगा, जिससे हादसे की आशंका रहेगी, जबकि धर्मपुरा गांव में ही कक्षा एक से आठवीं तक के संचालन के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। इसको लेकर दर्जनों ग्रामीणों ने एकजुट होकर धर्मपुरा स्कूल को अकबरपुर शिफ्ट किए जाने का विरोध किया है। इसके बाद ग्रामीण व अभिभावक अकबरपुर स्कूल पहुंचे और वहां भी विरोध जताया। ग्रामीणों ने कहा कि शिक्षा विभाग ने बिना मौके का जायजा लिए ही स्कूल ट्रांसफर का निर्णय ले लिया।

महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी पुलिस टीम ने महिला से दुष्कर्म के दर्ज मामले में हुए दो हजार रूपये के ईनामी आरोपी ओमेन्द्र आर्य को गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 6 जनवरी को फरियादिया ने थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा था कि उसका पति अधिकतर घर के काम से बाहर रहता है और कोई काम होता तो उसका पति अपने मित्र ओमेन्द्र आर्य को घर भेज देते थे, जिससे ओमेन्द्र से अच्छी जान पहचान हो गई। महिला ने रिपोर्ट में कहा कि ओमेन्द्र ने 20 दिसम्बर 2025 को मूवी दिखाने के लिये उसको साथ चलने को कहा जिस पर वह ओमेन्द्र के साथ मूवी देखने गई और मूवी के बाद ज्यादा रात्रि होने एवं फोन डिस्चार्ज होने पर रात्रि को घर का गेट नहीं खुलवा सकी। फरियादिया ने रिपोर्ट में कहा कि जिस पर ओमेन्द्र ने होटल में रूकने को कहा। रिपोर्ट में कहा कि होटल में वह भी रूक गया और जहां उसने होटल के कमरे में जबरदस्ती दुष्कर्म किया। शहर एसपी ने कहा कि फरियादिया की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में फरार आरोपी पर दो हजार के ईनाम राशि घोषित की गई, मामले में कुन्हाडी थानाप्रभारी कौशल्या गालव ने टीम के साथ फरार आरोपी ओमेन्द्र आर्य को गिरफ्तार किया। कुन्हाडी थाना प्रभारी कौशल्या गालव ने बताया कि आरोपी को अनुसंधान के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

मकान पर फायरिंग करने वाले तीन गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। कुराबड़ थाना पुलिस ने जगत गांव में मकान पर फायरिंग करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रकरण के अनुसार 30 दिसंबर 2025 को पीड़ित किशन पुत्र पूनमचन्द निवासी जगत ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 27 दिसंबर रात में मैं व मेरे परिवार के लोग खाना खाने के बाद मकान में सो रहे थे। जहां रात में करीब एक बजे मकान के बाहर पटाखा फूटने जैसी आवाज सुनाई दी थी। जिस पर उस समय कोई ध्यान नहीं दिया। दूसरे दिन सवेरे उठकर देखा तो मकान के हॉल में दरवाजे की पास प्लास्टर में गड्डा था एवं कमरे की चोखट पर लगे पत्थर का कोना खंडित था। इस पर बंदूक से फायर करने की शंका व्यक्त की। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक गोपाल चंदेल के सुपरविजन में कुराबड़ थानाधिकारी प्रभूलाल मय टीम ने कार्यवाही करते हुए मौके से एवं पीड़ित से की गई पूछताछ में मिले साक्ष्यों के आधार पर अनुसंधान करते हुए मामले में तीन संदिग्ध मावाराम पुत्र भाना निवासी चरमर तालाब कुराबड़, गणेशलाल पुत्र लखमा निवासी चरमर तालाब कुराबड़, लक्ष्मणलाल पुत्र लखमा निवासी चरमर तालाब कुराबड़ को डिटेन किया। जिन्होंने पूछताछ के बाद वारदात करना कबूल करने पर गिरफ्तार किया।

प्रदेश में सर्दी का असर जारी, श्रीगंगानगर में तापमान 3.9 डिग्री पहुंचा

श्रीगंगानगर में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 5 मीटर से कम बनी हुई है

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में कोहरे और तेज ठंड का कहर लगातार जारी है। जिलेभर में घना कोहरा छाया हुआ है, जिसके कारण विजिबिलिटी 5 मीटर से कम बनी हुई है। कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम चुकी है और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चालक दिन में भी वाहनों की हेडलाइट जलाकर चल रहे हैं।

■ **कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थमी, आमजन परेशान, वाहन चालक दिन में भी वाहनों की हेडलाइट जलाकर चल रहे हैं**

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री रिकार्ड किया गया। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री और अधिकतम तापमान 15.2 डिग्री रिकार्ड किया गया। इससे पहले गुरुवार को यहां न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री और अधिकतम तापमान 12.3 डिग्री रिकार्ड किया गया था। शीतलहर और कोहरे के कारण न्यूनतम तापमान में 1.9 डिग्री की गिरावट आई है। शुक्रवार को तीन दिन बाद अच्छी धूप निकली, जिससे अधिकतम तापमान में 2.9 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज हुई और पारा 15.2 डिग्री पर पहुंच गया। हालांकि, ठंडी हवाओं के कारण धूप के बावजूद ठिठुरन बनी रही। सूर्यास्त के बाद ठंड फिर से तेज हो गई जिससे रात में कंपकंपी बढ़ गई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले एक सप्ताह तक मौसम ड्राई बना रहेगा। पश्चिमी, उत्तरी और पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में अगले 2-3 दिन तक घने कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है। साथ ही, न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री की और गिरावट आने की संभावना है।

चूरू में छाया घना कोहरा

चूरू, (निसं)। चूरू मे शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम दर्ज की गई, जिसके कारण वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। रेवाड़ी से बीकानेर जाने वाली सुपरफास्ट ट्रेन भी अपने निर्धारित समय से देरी से चूरू पहुंची। कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेते दिखाई दिये। स्कूली बच्चों को 10 जनवरी तक छुट्टियों के कारण घरों में रहने से राहत मिली है। सुबह के समय छाया घना कोहरा फसल के लिए लाभदायक साबित होगा।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पिछले 24 घंटों में जयपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई है। राज्य के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। पश्चिमी, उत्तरी और पूर्वी भागों के कुछ हिस्सों में आगामी दो-तीन दिनों तक घना कोहरा और कोल्ड-डे की स्थिति जारी रह सकती है। राज्य के उत्तरी भागों में अगले दो-तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट और कहीं-कहीं शीतलहर चलने की भी संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को चूरू का न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 17.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह के समय छाया घना कोहरा बारानी चने की फसल के लिए लाभदायक साबित होगा।

बीकानेर में ठंड और कोहरे से जनजीवन प्रभावित

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश में सर्दी का असर लगातार तेज होता जा रहा है। बीकानेर में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने नर्सरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की छुट्टी घोषित कर दी है, लेकिन नौंवी से बारहवीं तक के छात्रों के लिए भी स्कूल जाना आसान नहीं रहा।

■ **दिन और रात के तापमान में बढ़ते अंतर से ठिठुरन और ज्यादा बढ़ गई है, सुबह करीब 5 बजे से ही बीकानेर घने कोहरे की चपेट में आ गया**

स्कूलों का समय सुबह 10 बजे का है, लेकिन उस वक्त भी पूरा शहर कोहरे की चादर में लिपटा रहता है। शहर का अधिकतम तापमान 17.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान गिरकर 5.8 डिग्री तक पहुंच गया। दिन और रात के तापमान में बढ़ते अंतर के चलते ठिठुरन और ज्यादा बढ़ गई है। सुबह करीब 5 बजे से ही बीकानेर घने कोहरे की चपेट में आ गया। शहर के कई इलाकों में सुबह 10 बजे तक कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी प्रभावित हुई। हालांकि कोहरा बहुत घना नहीं था, लेकिन ठंडी हवाओं के साथ मिलकर सर्दी का असर ज्यादा महसूस हुआ। इस दौरान विजिबिलिटी करीब 100 मीटर तक ही सीमित रही।

सर्दी के चलते भले ही आठवीं तक के बच्चों की छुट्टी कर दी गई है, लेकिन नौंवी-दसवीं के विद्यार्थियों के लिए स्कूल जाना मजबूरी बना हुआ है। सुबह कोहरे और तेज ठंडी हवाओं के बीच छात्रों को स्कूल पहुंचने में काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्कूलों के साथ-साथ शहर के कोचिंग संस्थान भी सुबह के समय नियमित रूप से चल रहे हैं। जयपुर रोड स्थित कई कोचिंग सेंटरों में बच्चों को सुबह 9 बजे से पहले ही पहुंचना पड़ रहा है। ठंड और कोहरे के बीच रोजाना सफर करना छात्रों के लिए भारी पड़ रहा है। कई छात्र सर्दी के कारण देरी से पहुंच रहे हैं। सर्दी का असर शाम होते ही साफ नजर आने लगता है। रात करीब 8 बजे के बाद शहर में कर्फ्यू जैसे हालात बन जाते हैं। कॉलोनियों और बाजार क्षेत्रों में सन्नाटा पसरा रहता है और लोग जल्दी ही अपने घरों में दुबक जाते हैं।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में सर्दी से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। रात के तापमान में और गिरावट आ सकती है, जबकि सुबह के समय कोहरा बना रह सकता है। ऐसे में बीकानेरवासियों को अभी कुछ दिन और कड़ाके की ठंड झेलनी पड़ेगी।

कोहरे ने लगाए वाहनों के ब्रेक, ट्रेनों के संचालन पर भी असर पड़ा

कोहरे के कारण ट्रैन भी अपने निर्धारित समय से लेट चल रही है।

छबड़ा, (निसं)। कस्बे सहित ग्रामीण अंचल में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। इस दौरान सर्दी भी थोड़ी तेज रही एवं सड़कों पर वाहनों को चलने में परेशानी हुई। दिन में कोहरे का असर लगभग दस बजे तक रहा। इसके बाद धीरे-धीरे धूप खिल गई, लेकिन सर्द हवा के चलने से सर्दी से राहत नहीं मिली। ग्रामीण अंचलों में भी कोहरे का असर ज्यादा रहा। वाहन चालकों को दिन भी लाइट जलाकर धीरे-धीरे चलना पड़ा। लोग दिन में अलाव तापते नजर आए।

■ **ग्रामीण अंचलों में भी कोहरे का असर ज्यादा रहा, लोग दिन में अलाव तापते नजर**

रेल यातायात भी प्रभावित :- ट्रेनों के संचालन पर भी कोहरे का असर साफ देखा गया। यहां ट्रेनों की गति धीमी हो गई थी, जिससे यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस कारण कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से काफी देरी से चल रही थीं। वहीं सड़कों पर बसों की गति धीमी होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

चिकित्सको ने सर्दी के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने सांस, हृदय, ब्लड प्रेशर और शुगर के मरीजों को नियमित दवा लेने और ठंड से बचाव करने की सलाह दी है। सुबह और शाम के समय बाहर निकलने से बचने, गुनगुना पानी पीने और संतुलित आहार लेने पर जोर दिया गया है।

कोटा में 28 लाख की स्मैक सहित दो तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। शहर में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी एवं तस्करों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन गरूड़ व्यूह के तहत भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान कार्यवाही करते हुए 132.05 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम द्वारा पकड़ी गई अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 28 लाख रूपये है।

■ **पकड़े गये दोनों आरोपियों से मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में पुलिस पूछताछ कर रही है**

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के लिये शहर के समस्त थानाधिकारियों को विशेष अभियान ऑपरेशन गरूड़ व्यूह के तहत कार्यवाही के लिये निर्देशित किया गया है। शहर एसपी ने बताया कि भीमगंजमंडी पुलिस व एएनटीएफ चौकी को मादक पदार्थ सप्लाई की सूचना मिली, जिस पर पुलिस उप अधीक्षक डॉक्टर पूनम के सुपरविजन में भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। शहर एसपी ने बताया कि भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा ने सूचना पर मय जाब्ता इन्द्रा कॉलोनी के सामने माला रोड़ पर चैकिंग के दौरान दो जनों पर संदेह होने पर रोककर तलाशी ली तो उनके पास से टीम ने अवैध मादक पदार्थ 132.05 ग्राम स्मैक बरामद की। शहर एसपी ने बताया कि बरामद की गई अवैध मादक पदार्थ का अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 28 लाख रूपये है। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में जिला चूरू सुजानगढ़ निवासी विकास सोलंकी उर्फ गजनी (32) एवं भरत जाट उर्फ मामा (28) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये दोनों आरोपियों से मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में अनुसंधान जारी है।

मुक्तिधाम से अस्थियां चोरी

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में स्थित मुक्तिधाम से अस्थियां चोरी होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार एक महिला की मौत के बाद तीये की रस्म के लिये परिजन जब नयापुरा मुक्तिधाम पहुंचे तो परिजनों ने देखा कि अस्थियों से छेड़छाड़ की गई है और कुछ अस्थियां गायब है। बताया जा रहा है कि बीते दो दिन में मुक्तिधाम से अस्थियां चोरी होने का दूसरी घटना सामने आई है। परिजनों ने अस्थियां चोरी होने की सूचना पुलिस को दी। नयापुरा थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि नयापुरा निवासी मोहिनी बाई की मौत के बाद परिजनों ने 8 जनवरी को नयापुरा मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार किया था, शनिवार को तीसरे की रस्म के लिये मृतका के परिजन मुक्तिधाम पहुंचे तो उन्होंने देखा कि अस्थियों से छेड़छाड़ हुई है और कुछ अस्थियां गायब है। थानाधिकारी ने बताया कि परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

अवैध मादक पदार्थ सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

कार से 28 किलो डोडा-चूरा एवं 80 ग्राम अफीम बरामद की

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान ऑपरेशन गरूड़ व्यूह के तहत कार्यवाही करते हुए एक कार से अवैध मादक पदार्थ 28 किलो 800 ग्राम डोडा-चूरा एवं 80 ग्राम अफीम सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में अनंतपुरा थानाधिकारी रमेश कविया के नेतृत्व में टीम ने झालावाड़-कोटा रोड़ पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान एक तेज गति से आ रही कार को रोककर और संदेह होने पर कार की तलाशी ली। शहर एसपी ने बताया कि तलाशी के दौरान कार की डिक्की से तीन प्लास्टिक कट्टों से भरा अवैध मादक पदार्थ 28 किलो 800 ग्राम डोडा-चूरा एवं कार की डैशबोर्ड में छिपाकर रखी गई 80 ग्राम अफीम बरामद की। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में तीन अन्तर्राज्यीय तस्कर जिला अलवर के मुबारिकपुर निवासी जसपाल (30) एवं गमोकड़ी निवासी विजय (19) एवं मुबारिकपुर निवासी मंजीत सिंह (24) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये तस्करों से अनुसंधान जारी हैं।

नुपुर-स्टेबीन की शादी में कई फिल्मी सितारे उदयपुर पहुंचे

ईसाई रीति-रिवाज से हुई शादी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में हो रही अभिनेत्री कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन व स्टेबीन की हो रही रॉयल वेडिंग में फिल्मी सितारे शनिवार को उदयपुर पहुंचे। शनिवार दोपहर में अभिनेत्री दीशा पटानी व मौनी रॉय व सिंगर बी प्राक उदयपुर पहुंचे। अभिनेता वरूण शर्मा शुक्रवार को ही उदयपुर पहुंच चुके हैं। वहीं होटल राफेल्स में हो रही इस शादी में आज ईसाई रीति रिवाज से शादी की रस्में हुई। रात को संगीत सेरेमनी में सूफी कव्वाली गायक व संगीतकार सागर भाटिया प्रस्तुति देंगे। रविवार को शादी के फेरे होंगे।

लेकसिटी में नुपुर-स्टेबीन की रॉयल वेडिंग में शुक्रवार रात मेहंदी सेरेमनी में कृति सेनन जमकर थिरकी। उन्होंने भोजपुरी सहित कई बॉलीवुड तरानों पर अपनी बहन व मेहमानों के साथ डांस किया। शादी के गोपनीय आयोजनों के तहत शनिवार शाम को होटल राफेल्स में ईसाई रीति रिवाज से शादी हुई। रात को संगीत सेरेमनी में सूफी कव्वाली गायक सागर भाटिया ने प्रस्तुति दी। हालांकि इस शाही अंदाज की शादी को बहुत ही संजीदगी व करीबी रिश्तेदारों व परिजनों की मौजूदगी में ही किया जा रहा है।

सम स्थित आठ रिसोटर्स् पर जीएसटी टीम ने 50 लाख की कर चोरी पकड़ी

टीम ने रिसोट्र्स के रिकॉर्ड, डिजिटल साक्ष्य और कच्ची पर्चियों को जब्त किया है, जिनकी जांच की जा रही है

जैसलमेर, (निसं.)। जैसलमेर जिले के सम में मुख्य आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देशन एवं अपर आयुक्त, जोधपुर प्रथम विशाल दवे के पर्यवेक्षण में जोधपुर, बाड़मेर एवं जैसलमेर की टीमों द्वारा जीएसटी की कार्रवाई के तहत सम स्थित आठ रिसोटर्स् पर जीएसटी चोरी की संभावना में सर्वेक्षण एवं जांच की कार्रवाई की गई। सहायक आयुक्त वाणिज्यिक कर विभाग वृत जैसलमेर, जोधपुर प्रथम ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्रवाई के दौरान लगभग 50 लाख की जीएसटी चोरी पकड़ी गई। टीम ने प्रारंभिक जांच में रिसोट्र्स द्वारा लगभग 50 लाख रुपये की कर चोरी पकड़ी है। यह कार्रवाई मुख्य रूप से कच्चे बिलों पर कारोबार करने, बिना जीएसटी इनवॉइस के पर्यटकों को सेवाएं देने और प्राप्त कर को सरकारी खजाने में जमा नहीं कराने की शिकायतों के बाद की गई।

■ **कार्रवाई मुख्य रूप से कच्चे बिलों पर कारोबार करने, बिना जीएसटी इनवॉइस के पर्यटकों को सेवाएं देने के बाद की गई**

एसजीएसटी विभाग ने विभिन्न पर्यटन स्थलों और होटल सेक्टर में कर चोरी रोकने के लिए एक विशेष अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत 100 से अधिक ठिकानों पर सर्वे किए गए हैं। टीम ने रिसोट्र्स के रिकॉर्ड, डिजिटल साक्ष्य और कच्ची पर्चियों को जब्त किया है, जिनकी विस्तृत जांच की जा रही है।

मृत कैदी का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया

पाली, (नि.सं.)। पाली जिला कारागृह में तोलिए से फंदा लगाकर आत्महत्या करने वाले मृत कैदी राजेन्द्र (20) का शनिवार को पाली के बांगड़ अस्पताल में मेडिकल बोर्ड गठित कर पोस्टमार्टम कराया गया।

■ **पोस्टमार्टम के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट जेएम कोर्ट-2 भव्या झरवाल की मौजूदगी में मृतक के भाई व अन्य परिजनों के बयान दर्ज किए गए**

पोस्टमार्टम के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट जेएम कोर्ट-2 भव्या झरवाल की मौजूदगी में मृतक के भाई व अन्य परिजनों के बयान दर्ज किए गए। मृतक के बड़े भाई सोहनलाल ने आरोप लगाया कि उनके भाई को झूठे मामले में फंसाया गया है। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को सरकारी सहायता देने की मांग भी उठाई। गौरतलब है कि जोधपुर जिले के बोरूंदा निवासी राजू उर्फ राजेन्द्र (20) को जैतारण थाना पुलिस ने एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार कर 26 दिसंबर को न्यायिक अभिरक्षा में पाली जिला जेल भेजा था। शुक्रवार दोपहर को राजेन्द्र ने जेल के बाथरूम में तोलिए से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

उदयपुर में टैंक में गिरने से बच्चे की मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में पानी के टैंक में गिरने से पांच साल के एक मासूम बच्चे की मौत हो गई। बच्चा रोजाना की तरह अपने घर के बाहर खेल रहा था, तभी अचानक वह खुले टैंक में गिर गया। करीब डेढ़ घंटे घर नहीं आने पर मां ने उसकी तलाश शुरू की बाहर टैंक का ढक्कन खुला देखकर जब उन्होंने अंदर झांका, तो बच्चे का शव पानी में तैरता हुआ मिला।

■ **बच्चा रोजाना की तरह अपने घर के बाहर खेल रहा था, तभी खुले टैंक में गिर गया**

थानाधिकारी श्याम सिंह चारण ने बताया कि भूताला के घाटा निवासी 5 साल का गणेश पुत्र शंकर गमेती रोज की तरह घर के बाहर खेल रहा था। करीब डेढ़ घंटे बाद जब मां उसे देखने बाहर आई तो वह नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने पडोसियों के यहां और आसपास काफी तलाश की। वहीं घर के पास बने खुले पानी के टैंक पर नजर पड़ी। जब टैंक में झांका तो पानी से भरे टैंक में गणेश का शव तैरता हुआ मिला। हादसे की वजह लापरवाही सामने आई है। टैंक पर न तो ढक्कन लगा था और न ही ऊपर कोई पत्थर या कोई कवर रखा गया था।

पावटा में घने कोहरे के कारण पिकअप में घुसी रोडवेज बस, दो दर्जन यात्री घायल

पावटा, (निसं)। घने कोहरे के चलते एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। राजस्थान रोडवेज की बस सड़क किनारे खड़ी पिकअप में जा घुसी, जिससे बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में कई सवारियां घायल हो गई।

■ **टायर फटने के कारण खड़ी पिकअप से टकराकर बस डिवाइडर पर चढ़कर रुक गई**

■ **जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर पावटा के पास हुआ हादसा**

बस हादसे में हुए घायलों का अस्पताल में उपचार किया।

हादसे में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने बताया कि जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर जयपुर से दिल्ली जाते समय कोहरे के कारण एक राजस्थान रोडवेज की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि घने कोहरे के कारण पावटा कस्बे में सीएससी से 1 किलोमीटर पहले सड़क मार्ग पर टायर फटने के कारण खड़ी पिकअप से टकराकर रोडवेज की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस पिकअप से टकराकर डिवाइडर पर चढ़कर रुक गई। दुर्घटना में दो दर्जन से अधिक सवारियां घायल हो गई, जहां उन्हें एंबुलेंस की सहायता से उपजिला अस्पताल पावटा में भर्ती करवाया गया है। वहीं डॉ. रवि बंसल, डॉ. एस के वर्मा सहित टीम ने रोडवेज के ड्राइवर किरण सहित तीन अन्य को जयपुर के लिए रेफर किया व घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के वक्त क्षेत्र में घना कोहरा छाया हुआ था, दृश्यता बेहद कम थी, कोहरे के कारण चालक समय पर सड़क किनारे खड़ी पिकअप को नहीं देख सका और सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भाजपा मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी सहित ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को एंबुलेंस द्वारा नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

बोर्ड परीक्षाओं से पहले प्रदेश में 4394 लेक्चरर के तबादले किये

शिक्षा विभाग ने छुट्टी के दिन दो बार में ट्रांसफर लिस्ट जारी की

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान बोर्ड परीक्षा के एक महीने पहले 4394 स्कूल लेक्चरर के ट्रांसफर कर दिए। शिक्षा विभाग की ओर से शनिवार को छुट्टी के दिन दो बार लिस्ट जारी की। सुबह 7.45 बजे पहली लिस्ट में 1644 हिंदी लेक्चरर की ट्रांसफर लिस्ट जारी की गई। इसके बाद 10 बजे अन्य सब्जेक्ट के 2,750 लेक्चरर की ट्रांसफर लिस्ट जारी की गई। अभी और ट्रांसफर लिस्ट आ सकती है। इससे पहले माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने चार सौ से अधिक प्रिंसिपल के तबादले किए थे।

■ **लेक्चरर के तबादले होने से छात्रों की बोर्ड परीक्षा तैयारी पर सीधा असर पड़ेगा**

■ **शिक्षा विभाग के फैसले से स्कूलों में असमंजस की स्थिति बनीं**

विभागीय सूत्रों के अनुसार हिंदी के बाद अन्य विषयों के लेक्चरर की भी बड़ी ट्रांसफर लिस्ट जारी की जा सकती है। यदि ऐसा होता है तो बोर्ड परीक्षा से ठीक पहले स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित होगी। नए स्थानों पर शिक्षक समय पर जॉइन नहीं कर पाए तो छात्रों की तैयारी अधूरी रह सकती है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 12 फरवरी से शुरू हो रही है। इस बार परीक्षाएं मार्च के बजाय फरवरी में करवाई जा रही है, लेकिन इसके बावजूद पाठ्यक्रम में किसी तरह की कटौती नहीं की गई है। ऐसे में पहले से समय की कमी झेल रहे स्टूडेंट्स पर तबादलों का असर पड़ेगा। सर्दी के मौसम को देखते हुए भी 10वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स की छुट्टी नहीं की गई है। इसके बावजूद कई स्कूलों में उपस्थिति कम बनी हुई है। ऐसे समय में लेक्चरर के तबादले होने से छात्रों की बोर्ड परीक्षा तैयारी पर सीधा असर पड़ेगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने बोर्ड परीक्षाओं से ठीक पहले प्रदेशभर में 400 से अधिक प्रिंसिपल के तबादले किए थे। ये तबादले एक साथ नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग ट्रांसफर लिस्ट जारी कर किए गए थे, जिससे कई स्कूलों में लगातार प्रशासनिक अस्थिरता बनी रही।

बोर्ड परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केंद्रों पर लेक्चरर की ड्यूटी लगाई जाती है। बड़ी संख्या में तबादलों के चलते परीक्षा ड्यूटी का कार्य करना भी विभाग के लिए चुनौती बन सकता है। शिक्षा विभाग के इस फैसले से स्कूलों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है और पेरेंट्स में भी चिंता का माहौल है।

राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष ने किया पुस्तक ''मेरी मुलाकातें'' का लोकार्पण

आरआईसी में आयोजित समारोह में वर्चुअल माध्यम से जुड़े सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव

जयपुर। विश्व हिंदी दिवस के पावन अवसर पर सिविल लाइंस विधायक एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. गोपाल शर्मा की नई पुस्तक ''मेरी मुलाकातें'' का लोकार्पण शनिवार को राज्यपाल बागडे और विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी), झालाना में आयोजित समारोह में किया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समारोह को वर्चुअल माध्यम से जुड़े। प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक की भूमिका राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने लिखी थी। पुस्तक में डॉ. शर्मा के लंबे पत्रकारीय यात्रा की प्रमुख मुलाकातें, राजनीतिक एवं साहित्यिक वृतांत समाहित हैं, जो पाठकों को इतिहास के महत्वपूर्ण पन्नों से रूबरू कराती हैं।

राज्यपाल बागडे और विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने हिंदी दिवस के पावन अवसर पर ''मेरी मुलाकातें'' का लोकार्पण किया।

■ पुस्तक में डॉ. शर्मा के लंबे पत्रकारीय यात्रा की प्रमुख राजनीतिक एवं साहित्यिक वृतांत समाहित हैं, जो पाठकों को इतिहास के महत्वपूर्ण पन्नों से रूबरू कराती हैं

समारोह को राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अपने आशीर्वचनों से सम्मानित किया, जबकि केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपनी बात रखी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी समारोह को संबोधित किया। विधायक गोपाल शर्मा ने स्वागत उद्बोधन के साथ पुस्तक में शामिल साक्षात्कारों से जुड़े संस्मरण साझा किए। अमर शहीद भगत सिंह के भतीजे किरणजीत सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व पद्मअनवर खां मांगणियार ने अपने साथियों के साथ सूफी भजन की मनमोहक प्रस्तुति दी।

गोपाल शर्मा का पत्रकारीय जीवन प्रेरणास्त्रोत : राज्यपाल बागडे

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विधायक गोपाल शर्मा का पत्रकारीय जीवन आदर्श पूर्ण रहा है, जो कि नए पत्रकारों के लिए एक संबल भरा मार्गदर्शन और प्रेरणास्त्रोत है। इन्होंने अपने पत्रकारिता के दौरान उस दौर के सभी राजनीतिक दिग्गजों, सामाजिक और अति विशिष्ट व्यक्तियों से मिलकर जो उनके साक्षात्कार किए, वे बहुत सराहनीय हैं। कई साक्षात्कार तो ऐसे हैं जिनसे मुलाकात के बारे में सोचना भी उस वक्त कठिन था। राज्यपाल ने पत्रकारिता में साक्षात्कार विधा को समय के दस्तावेज बताते हुए कहा कि साक्षात्कार वही सार्थक होते हैं, जिनमें लेने और देने वाला दोनों ही विषय और सामयिक संदर्भों के मर्मज्ञ हों। उन्होंने विश्वास जताया कि गोपाल शर्मा की लिखी पुस्तक से पाठक लाभान्वित होंगे।

'आदेश की पालना करो, वरना वीसी हो हाईकोर्ट में पेश'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद विश्वविद्यालय कर्मचारी को बकाया भुगतान नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि आगामी सुनवाई तक अदालती आदेश की पालना की जाए। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने विवि के कुलगुरु को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए 29 जनवरी को अदालत में पेश होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने रजिस्ट्रार न्यायिक को कहा है कि वह आदेश की प्रति वीसी कार्यालय में तत्काल भेजें, ताकि आदेश की पालना सुनिश्चित की जा सके। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश राजकुमार वर्मा की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

■ अदालत ने विवि के कुलगुरु को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए 29 जनवरी को अदालत में पेश होने के आदेश दिए हैं

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने पेश होकर अदालत को बताया कि उसकी ओर से अपनी सेवा के नियमितीकरण और उससे जुडे लाभ के लिए याचिका दायर की थी। जिसके एकलपीठ ने 26 नवंबर, 2021 को स्वीकार करते हुए याचिकाकर्ता को नियमित करने को कहा था। इस आदेश के खिलाफ विवि प्रशासन ने खंडपीठ में अपील दायर की थी। खंडपीठ ने 28 मार्च, 2022 को अपील का निस्तारण करते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता की सेवा को उस दिन से नियमित माना जाए, जिस तिथि से उससे कनिष्ठ कर्मचारियों को नियमित किया गया था। अवमानना याचिका में कहा गया कि खंडपीठ के आदेश की पालना में विवि ने उसकी सेवा को नियमित कर दिया, लेकिन संपूर्ण वित्तीय लाभ और बकाया राशि का भुगतान नहीं किया। ऐसे में अदालती आदेश की अवमानना करने वाले अधिकारियों को दंडित करते हुए आदेश की पालना कराई जाए। वहीं विवि की ओर से अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ता के संबंध में वित्तीय स्वीकृति का मामला राज्य सरकार के समक्ष लंबित है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने आगामी सुनवाई तक आदेश की पालना नहीं करने पर विवि के कुलगुरु को वीसी या व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने को कहा है।

मानसरोवर दुर्घटना दुखद, समाज में जागरूकता आवश्यक : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मानसरोवर क्षेत्र में हुई दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि इस हादसे में निर्दोष लोग घायल हुए हैं तथा जनहानि भी हुई है। सरकार द्वारा मामले की जांच की जा रही है, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी लेकिन ऐसी घटनाएं अत्यंत दुखद हैं और इन पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज में भी जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। वाहन चलाते समय जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। किसी भी व्यक्ति को तेज गति से वाहन नहीं चलाना चाहिए। समय प्रबंधन के साथ सुरक्षित ड्राइविंग को प्राथमिकता देना जरूरी है। कानून अपना काम करेगा, इसमें किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, महामंत्री भूपेंद्र सैनी सहित भाजपा पदाधिकारियों ने एसएमएस अस्पताल पहुंचकर घायलों से कुशलक्षेम जानी और चिकित्सकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

■ आरएसएस के प्रातः स्मरण में भी महात्मा गांधी को किया जाता है याद, कांग्रेस ने गांधी के नाम पर सेंकी राजनीतिक रोटियां : मदन राठौड़

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी महात्मा गांधी जी का सम्मान करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने गांधी जी के नाम पर राजनीतिक लाभ लिया। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा था कि कांग्रेस एक आंदोलन है, और देश आज़ाद होने के बाद इस आंदोलन को समाप्त कर देना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया। कांग्रेस के मूल स्वरूप को समाप्त कर दिया गया। पहले दो बैलों की जोड़ी का चुनाव चिन्ह था, फिर गाय-बछड़ा, और अब हाथ का पंजा- यह किस विचारधारा की कांग्रेस है, यह सवाल उठता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रातः स्मरण में भी महात्मा गांधी सहित महापुरूषों को स्मरण किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हम गांधीवादी समाज को मानते हैं, लेकिन गांधी के नाम पर राजनीतिक रोटियाँ सेंकने का विरोध करते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने वीबी जी - राम जी (विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन - ग्रामीण) योजना पर बोलते हुए कहा कि यदि योजना के नाम में राम का नाम आता है, तो उस पर आपत्ति क्यों की जा रही है। वीबी जी रामजी पर तो कांग्रेस को धन्यवाद देना चाहिए कि जहां पहले 100 दिन का रोजगार था, उसे हमने 125 दिन किया है। आदिवासी क्षेत्रों में 150 दिन का रोजगार दिया गया है। कृषि क्षेत्र में बुवाई के समय ब्रेक की व्यवस्था की गई है।

पावटा में फ्लाईओवर के लिए टीम ने जायजा लिया

पावटा। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पावटा कस्बे में बढ़ ते जाम से निजात दिलाने को लेकर पूर्व विधायक सुभाष चन्द्र शर्मा ने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर फ्लाईओवर व अंडरपास निर्माण की मांग की है। शर्मा ने पत्र में बताया कि पावटा उपखण्ड मुख्यालय पर राजमार्ग निर्माण के दौरान पूर्व में एक अत्यंत छोटा अंडरपास बनाया गया था। संकीर्ण निर्माण के चलते प्रतिदिन भारी जाम की समस्या उत्पन्न होती है, जिससे कस्बे का सामान्य आवागमन प्रभावित रहता है। स्थानीय निवासियों के अलावा आसपास के लगभग 50 से अधिक गांवों के हजारों लोग प्रतिदिन पावटा होकर विभिन्न कार्यालयों व बाजारों की ओर आते-जाते हैं।

जन स्वास्थ्य मंत्री ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं जिला प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने शनिवार को डीडवाना-कुचामन जिले के कुचामन तहसील मुख्यालय के ग्राम पंचायत जसराना में रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और सम्बंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए।

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों द्वारा प्रभारी मंत्री के समक्ष ग्राम पंचायत एवं ढाणियों में पेयजल आपूर्ति, विद्युत कनेक्शन,सड़क निर्माण, रास्ते पर अतिक्रमण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन,राजकीय विद्यालय के लिए भूमि सहित अन्य परिवाद प्रस्तुत किये। जिनकी सुनवाई कर प्रभारी मंत्री चौधरी ने अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने दिव्यांगजनों को व्हील चेयर सहित अन्य सहायक उपकरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों को पीपीओ प्रमाण पत्र, स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को पट्टे एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति सहित अन्य लाभ प्रदान किये।

■ दिव्यांगजनों को वितरित किये व्हीलचेयर एवं सहायक उपकरण

इस दौरान प्रभारी मंत्री चौधरी ने ग्रामीणों से संवाद कर राज्य सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों एवं वीबी- जी रामजी के बारे जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री ने प्रस्तुत की राज्य की प्रमुख विकासात्मक प्राथमिकताएँ

जयपुर। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने केंद्रीय बजट 2026-27 से पूर्व आयोजित बजट-पूर्व परामर्श बैठक में राज्य की विकासात्मक आवश्यकताओं एवं वित्तीय प्राथमिकताओं को केंद्र सरकार के समक्ष विस्तार से प्रस्तुत किया।

नई दिल्ली में शनिवार को केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन एवं 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए इस राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में सक्रिय भागीदारी निभा रही है।

■ बैठक में राज्य की विकासात्मक आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं को केंद्र सरकार के समक्ष विस्तार से प्रस्तुत किया

दिया कुमारी नई दिल्ली में शनिवार को केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शामिल हुई।

उन्होंने बैठक में केन्द्र सरकार से जल शक्ति क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्राथमिकता देने का अनुरोध करते हुए जहां एक ओर पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को राष्ट्रीय महत्व की परियोजना घोषित करते हुए इसके लिए 5 हजार करोड़ रूपये के प्रावधान की मांग रखी, वहीं दूसरी ओर शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल संवहन परियोजना को राष्ट्रीय परियोजनाओं में शामिल करने एवं इसके लिए 200 करोड़ रूपये के प्रावधान का आग्रह भी किया।

उपमुख्यमंत्री ने राज्य में सूक्ष्म सिंचाई की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना के अंतर्गत 900 करोड़ रूपये की केंद्रीय सहायता की मांग की तथा ऊर्जा क्षेत्र में पारेषण परियोजनाओं, ग्रिड स्थिरता, बैटरी ऊर्जा भंडारण, कुसुम योजना के अतिरिक्त लक्ष्य तथा राज्य की विद्युत उपयोगिताओं पर उच्च ब्याज वाले ऋणों के पुनर्गठन की आवश्यकता पर बल दिया।

कलक्टर के निर्देश पर फील्ड में उतरे अधिकारी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जयपुर जिला प्रशासन सतत् रूप से सक्रिय है। इसी क्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार शनिवार को जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने फील्ड में उतरकर विभिन्न व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया।

निरीक्षण अभियान के तहत उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सरोकार से जुड़ी योजनाओं तथा विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित कार्यों की वास्तविक स्थिति का गहन आकलन किया।

■ अधिकारियों ने स्वास्थ्य सेवाओं एवं ग्रामीण रोजगार कार्यों का किया व्यापक निरीक्षण

अधिकारियों द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टाफ की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाएं, आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, साफ-सफाई, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

अधिकारियों ने उपचाररत मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर फीडबैक भी लिया तथा पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में अधिकारियों ने विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जारी कार्यों का मौके पर निरीक्षण कर उनकी प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान संबंधित कार्मिकों को कार्यों में पारदर्शिता, उच्च गुणवत्ता एवं गति बनाए रखने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

जातियों को जोड़ेंगे समरसता के नायक

ऋषिकेश/ जयपुर। समाज के सभी वर्गों को एक जुट कर जातियों की जकड़न तोड़ कर शिक्षा, संस्कार और रोजगार के माध्यम से नई मजबूती देने के लिए विप्र फाउंडेशन ने ऋषिकेश में शनिवार से दो दिवसीय आरोहण नायक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया, जहां देशभर से चयनित 500 कार्यकर्ताओं को नेतृत्व, संगठन क्षमता और सामाजिक दायित्वों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में वक्ताओं ने कहा कि समरस, सशक्त और प्रगतिशील समाज का निर्माण तभी संभव है, जब सर्व समाज को साथ लेकर आगे बढ़ा जाए।

शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा ने नायक प्रशिक्षण शिविर के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आरोहण से ही नेतृत्व का उदय होगा और आने वाले समय में यही नायक समाज के महानायक बनेंगे। उन्होंने कहा कि ऊँचाइयों को वही व्यक्ति छू सकता है, जो अनुशासित, प्रशिक्षित और उद्देश्यबोध से युक्त हो। ओझा ने स्पष्ट किया कि संगठन से जुड़े प्रत्येक कार्यकर्ता को यह भली-भाँति समझना चाहिए।

सार-समाचार

जयपुर लैंटर्न फेस्टिवल का जयपुर क्लब में हुआ भव्य उद्घाटन

जयपुर। जयपुर शहर में रंग, रोशनी और उल्लास से भरपूर जयपुर लैंटर्न फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ जयपुर क्लब में किया गया। यह उत्सव एक सप्ताह तक चलेगा, जिसका मुख्य आयोजन 12 तारीख को जयपुर क्लब में और 14 जनवरी को पूरे शहर में मनाया जाएगा। उद्घाटन समारोह में जयपुर क्लब के अध्यक्ष, अजीत सक्सेना; मानद सचिव, हिमांशु सहगल, कोषाध्यक्ष, संजय पाबुवाल, संजीव लखीरा, राजीव त्रिहान एवं सुरेश कुमावत सहित कई अतिथि उपस्थित रहे। जयपुर लैंटर्न फेस्टिवल के संस्थापक, अरशद हुसैन ने इस अवसर पर सभी शहरवासियों से अपील की कि वे उत्सव के दौरान प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करें और अपनी व अपने परिवार की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। जयपुर लैंटर्न फेस्टिवल का उद्देश्य शहर में सकारात्मक ऊर्जा, सांस्कृतिक सौहार्द, सामूहिक उत्सव और आतिशबाज़ी से प्रदूषण कम करने की भावना को बढ़ावा देना है।

रेलवे पेंशनर्स सोसायटी फुलेरा शाखा की मासिक बैठक सम्पन्न

फुलेरा। रेलवे पेंशनर्स सोसायटी फुलेरा शाखा की मासिक बैठक शनिवार को सुबह 11 बजे आदर्श विद्या मंदिर स्कूल, सांभर रोड फुलेरा में शाखा अध्यक्ष रमेश चंद वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत में इस माह दिवंगत पेंशनर्स को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद नए सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। सचिव लालचंद कुमावत ने इस माह किए गए कार्यों एवं 15 दिसंबर 2025 को आयोजित पेंशन अदालत के निर्णयों की जानकारी प्रदान की। शाखा कोषाध्यक्ष सीपी त्रिपाठी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवं पंजाब नेशनल बैंक में पेंशनर्स को आ रही समस्याओं पर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि एसबीआई में पारिवारिक पेंशनर्स को पति की मृत्यु के दो वर्ष बाद भी पेंशन शुरू नहीं की गई है, जिससे जीवन-यापन में अत्यधिक कठिनाई हो रही है। पीएनबी में 80 वर्ष या इससे अधिक आयु के पेंशनर्स को सीढ़ि याँ चढ़ कर बैंक तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में बुजुर्ग पेंशनर्स की सुविधा के लिए बैंक कार्य के लिए निचले तल पर विशेष व्यवस्था करने की मांग रखी गई। बैठक का संचालन श्यामलाल सैनी ने किया। बैठक में गिरधर गोपाल, छीत्तर मल, घनश्याम जांगिड़, अशोक कुमार शर्मा, मोहन लाल जांगिड़, रमेश चंद कुमावत, भगवती प्रसाद डीक्या, महेश कुमार वर्मा, किशन लाल सैनी, रमेश चंद एस.आर., शेष नारायण सैनी, वीरेंद्र कुमार बंसल, बनवारी लाल कुमावत, टीकम चंद, भीकम चंद, मुकेश कुमार झा, शंकर लाल, विक्रम सिंह, जगदीश प्रसाद कुमावत, गणपत हटवाल, गीता शर्मा, ललित मोहन ओबेरॉय सहित अनेक पेंशनर्स उपस्थित रहे।

पति-पत्नी में कहासुनी के बाद पत्नी ने लगाया फांसी का फंदा

जयपुर। सेज थाना इलाके में बच्चों को कपड़े पहनाने की बात को लेकर पति-पत्नी के बीच हुई मामूली कहासुनी एक दर्दनाक हादसे में बदल गई। गुस्से में आकर पत्नी ने चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतका विमला (27) मूल रूप से मध्य प्रदेश की रहने वाली थी और अपने पति व दो बच्चों के साथ सेज थाना क्षेत्र के झाई गांव में किराए के मकान में रहती थी। दिन में बच्चों को कपड़े पहनाने की बात को लेकर उसका पति से मामूली विवाद हुआ था। इसके बाद पति काम पर चला गया। शाम को जब पति घर लौटा तो विमला ने खाना नहीं बनाया था। इस पर दोनों बाहर खाना खाने जाने की बात कहकर घर से निकले, लेकिन इसी दौरान विमला ने कमरे में जाकर चुन्नी का फंदा लगा लिया। कुछ देर बाद जब पति वापस लौटा तो कमरे का गेट अंदर से बंद मिला। काफी खटखटाने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो वह किसी तरह अंदर गया, जहां विमला चुन्नी के फंदे से लटकी हुई मिली। पति ने पड़ोसियों की मदद से उसे नीचे उतारकर तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मेडिकल सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाई। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

प्रदर्शनी में सेना के आधुनिक उपकरणों और हथियारों का प्रदर्शन

जयपुर। 78वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में चार दिवसीय 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में सेना के आधुनिक उपकरणों और हथियारों को प्रदर्शित किया गया है।

■ भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में चार दिवसीय 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है

इस प्रदर्शनी में भारतीय सेना के शौर्य की अनेक गाथाओं को प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी में सेना के आधुनिक उपकरणों और टैंक की क्षमताओं को प्रदर्शित किया।

प्रदर्शनी में भारतीय सेना के आधुनिक हथियारों, तकनीक और विश्वस्तरीय प्रशिक्षण से लैस सैन्य बल को देखकर हर भारतीय का दिल जोश और उत्साह से भर गया। इस दौरान भारतीय सेना का अनुशासन, समर्पण और देश के प्रति अटूट निष्ठा भी देखने को मिली।प्रदर्शनी में चार पैरों वाले रोबोट की क्षमताओं को आमजन ने देखा यह दिखने में किसी मेटल डॉग जैसा लगता है जो दुर्गम पहाड़ों, घने जंगलों या रेगिस्तान की तपती रेत और युद्ध के मैदान जैसी प्रतिकुल परिस्थितियों में सैनिकों का साथी बनता है। सैनिकों की सबसे बड़ी चुनौती उनके सामान का वजन और दुर्गम रास्ता होती है। लेकिन अब, भारतीय सेना में एक नया साथी शामिल हो रहा है, जिसके न फेफड़े थकते हैं और न ही पैर डगमगाते हैं।रोबोटिक म्यूल सामान ढ़ोने के साथ इसके मल्टी-यूटिलिटी फीचर्स इसे एक घातक हथियार भी बनाते हैं। इसमें लगे थर्मल कैमरे और सेंसर रात के अंधेरे में भी दुश्मन की हलचल को पकड़ सकते हैं। यह लैंडमाइंस और आईईडी का पता लगाने के लिए सैनिकों से आगे भेजा जा सकता है, जिससे इंसानी जान का जोखिम कम होता है। जरूरत पड़ने पर इन पर हल्की मशीनगन या मिसाइल लॉन्चर भी फिट किए जा सकते हैं। रोबोटिक म्यूल तकनीक और ताकत का वो मेल है, जो भविष्य के युद्धों में सैनिकों की जान बचाने और ऑपरेशन की सफलता सुनिश्चित करने में गेम-चेंजर साबित होगा।

'प्रांत स्तरीय भारत को जानो' प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर। भारत विकास परिषद, राजस्थान (उत्तर पूर्व प्रांत) द्वारा स्कूली छात्र / छात्राओं के मध्य प्रांतीय स्तर की भारत को जानो प्रश्नोत्तरी (क्विज) का आयोजन बियानी गर्ल्स कॉलेज विद्याधर नगर जयपुर में किया गया।

इस प्रतियोगिता में राजस्थान उत्तर पूर्व प्रांत की 25 शाखाओं के 25 विद्यालयों से कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग की 50 टीमों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का प्रारंभ माँ भारती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदेमातरम् गायन से हुआ।

प्रांतीय अध्यक्ष रणवीर त्यागी ने सभी का स्वागत किया व प्रांतीय महासचिव संजीव भार्गव द्वारा भारत को जानो प्रतियोगिता के विषय में जानकारी दी।

मंच का संचालन सुभाष गुप्ता, शाखा अध्यक्ष, विजय नगर जयपुर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान हाइकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता आर. के. अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि सामाजिक कर्तकर्ता सरदार सिंह चौधरी तथा बियानी कॉलेज के निदेशक संजय बियानी एवं राजीव बियानी रहे।

■ प्रतियोगिता में राजस्थान उत्तर पूर्व प्रांत की 25 शाखाओं के 25 विद्यालयों से कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग की 50 टीमों ने भाग लिया व प्रांतीय अध्यक्ष रणवीर त्यागी ने सभी का स्वागत किया

प्रतियोगिता में पर्यवेक्षक के रूप में भारत विकास परिषद के क्षेत्र संयोजक राजीव शरण सक्सेना रहे।

प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान पर राठ इंटरनेशनल स्कूल, बहरोड़ व वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान पर डी ए वी स्कूल, बहरोड़ रहा। विजेता टीमों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया।

ये दोनों ही टीमें क्षेत्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में प्रांत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

प्रांतीय संगठन सचिव महेश मित्तल द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया व राष्ट्रगान गायन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना है। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। एक खिलाड़ी हमेशा यह मानता है कि वह देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देगा। चयनकर्ताओं ने अपना निर्णय लिया है। - शुभमन गिल

भारतीय बल्लेबाज, टी20 विश्व कप टीम में जगह नहीं बना पाने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ नीरज चोपड़ा

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने अपने कोच और दिग्गज जान जेलेजनी के साथ करार खत्म कर लिया है। नीरज चोपड़ा का यह फैसला वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनके खराब प्रदर्शन के कुछ महीनों बाद आया है। जेलेजनी की कोचिंग में चोपड़ा के लिए यह साल मुश्किल रहा। हालांकि उन्होंने सीजन की अपनी पहली ही प्रतियोगिता में पहली बार 90 मीटर का मार्क पार किया था। चोपड़ा ने करार खत्म करने की वजह नहीं बताई, लेकिन उन्होंने कहा कि यह सफर प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव से भरा रहा।

क्या आप जानते हैं ?... रोहित शर्मा के नाम वनडे इंटरनेशनल में सबसे बड़ी पारी खेलने का विश्व कीर्तिमान दर्ज है। हिटमैन ने साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच में अकेले रिकॉर्ड 264 रन बनाए थे।

ओलंपियन दविंदर सिंह गरचा का निधन

जालंधर 10 जनवरी। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारतीय हॉकी का हिस्सा रहे विजेता दविंदर सिंह गरचा का शनिवार को निधन हो गया। सुरजीत हॉकी सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी इकबाल सिंह संधू ने दविंदर सिंह के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए बताया कि उनके अंतिम संस्कार की तारीख और समय अभी तय नहीं हुआ है। सुरजीत हॉकी सोसाइटी के सभी सदस्यों ने शोकाकुल परिवार के सदस्यों के साथ संवेदना प्रकट करते हुए भगवान से प्रार्थना की कि इस अपूरणीय क्षित को सहने की हिम्मत और शक्ति दे और दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे। सात दिसंबर 1952 को जन्मे गरचा उस भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे जिसने 1980 के समर ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। इस टूर्नामेंट में उन्होंने कुल छह ओलंपिक मैचों में आठ गोल किए थे और सिर्फ तीन टूर्नामेंट खेलकर 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने 19 गोल किए थे। वह मशहूर मोहिंदर सिंह मुंशी हॉकी टूर्नामेंट के अध्यक्ष थे।

फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी भारत पहुंची, दिल्ली में इसका अनावरण किया

नई दिल्ली, 10 जनवरी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी शनिवार को भारत पहुंची , इसका अनावरण शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में ब्राजील के पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी गिल्बर्टो सिल्वा ने खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष कल्याण चौबे की मौजूदगी में किया। फीफा वर्ल्ड कप 12 साल बाद ट्रॉफी टूर पर भारत लौटा है, इसे दो दिनों तक दिल्ली में रखा जाएगा और उसके बाद इसे भारत से जाने से पहले एक दिन के लिए गुवाहाटी ले जाया जाएगा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की मेजबानी कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको मिलकर 11 जून से 19 जुलाई तक करेंगे, यह इस चार साल में होने वाले इवेंट का 23वां एडिशन होगा।

हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वस्त्राकर दो हफ्ते के लिए डब्ल्यूपीएल से बाहर

नई दिल्ली 10 जनवरी। भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तेज गेंदबाज पूजा वस्त्रकर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पहले दो हफ्ते नहीं खेल पाएंगी। आरसीबी ने 2026 सीजन का अपना पहला मैच शुक्रवार रात को खेला, जिसमें उन्होंने डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) को एक रोमांचक आखिरी ओवर में तीन विकेट से हराया। आरसीबी के हेड कोच मालोलन रंगराजन ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लगता है कि बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से रिलीज होने से दो दिन पहले, दुर्भाग्य से उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया। अभी हमारे पास जो जानकारी है, उसके अनुसार उन्हें दो हफ्ते और लगेंगे। यह हैमस्ट्रिंग की समस्या है। वह अपने कंधे के लिए वहां थीं और अब यह हैमस्ट्रिंग की समस्या है। इसलिए यह हफ्ते-दर-हफ्ते की प्रक्रिया है। तो देखते हैं कि वह किस स्थिति में हैं। वस्त्रकर ने अपना आखिरी प्रतियोगी मैच अक्टूबर 2024 में टी-20 विश्व कप में खेला था। उनके चोटिल होने पर इंग्लैंड की लेफ्ट-आर्म स्पिनर लिन्से स्मिथ के साथ आरसीबी के लिए गेंदबाजी की शुरुआत की थी।

जादुमणि सिंह ने जीता पहला सीनियर नेशनल गोल्ड जीता, सर्विसेज ओवरऑल चैम्पियन

ग्रेटर नोएडा, 10 जनवरी। बॉक्सिंग वर्ल्ड कप फाइनल के सिल्वर मेडलिस्ट जादुमणि सिंह ने आक्रामकता और तकनीकी श्रेष्ठता का शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने साथी इंटरनेशनल और एसएससीबी टीम के साथी पवन बर्तवाल को हराकर पुरुषों की 50-55किग्रा कैटेगरी में अपना पहला सीनियर नेशनल खिताब जीता, जबकि एसएससीबी ने शनिवार को गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा में एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में आसान जीत के साथ 12 गोल्ड मेडल जीतकर ओवरऑल स्टैंडिंग में टॉप स्थान हासिल किया। यह पहली बार था कि पुरुष और महिला नेशनल चैंपियनशिप एक ही जगह पर एक साथ आयोजित की जा रही थीं और देश भर से 600 मुक्केबाजों ने पुरुषों और महिलाओं के लिए 10-10 वेट कैटेगरी में हिस्सा लिया। एसएससीबी ने पुरुषों में 9 और महिलाओं की कैटेगरी में तीन गोल्ड मेडल जीते। हालांकि प्रतियोगिता के आखिरी दिन देश के कई स्टार मुक्केबाज एक्शन में थे, लेकिन सभी की निगाहें जादुमणि और पवन के बीच मुकाबले पर थीं क्योंकि दोनों ने पिछले साल इंटरनेशनल मंच पर मेडल जीते थे। लेकिन शनिवार को पवन जादुमणि की चालाकी के आगे टिक नहीं पाए और जादुमणि ने 5:0 से जीतकर गोल्ड मेडल हासिल किया। कुछ मिनट बाद एसएससीबी के आदित्य प्रताप (पुरुष 60-65 किग्रा) ने हिमाचल के अभिनव जमवाल को 3:2 से हराया, जबकि अंकुश (पुरुष 75-80 किग्रा) ने मालसावमतलुआंगा को हराकर अपने पहले सीनियर नेशनल खिताब जीते। महिलाओं के वर्ग में, एसएससीबी की प्रीति (51-54 किग्रा) और प्रांजल यादव (60-65 किग्रा) और रेलवे की प्रिया (57-60 किग्रा) और अल्फियान खान (80 किग्रा) ने अपने पहले सीनियर नेशनल गोल्ड मेडल जीते।

पहले वनडे में भारत को न्यूज़ीलैंड से मिलेगी कड़ी चुनौती

वडोदरा, 10 जनवरी। भारत का न्यूज़ीलैंड के साथ घरेलू हालात में खेलना, खासकर वनडे फ़ॉर्मेट में, एक तरह से जाना-पहचाना एहसास है। रविवार को कोटाम्बी स्टेडियम में दोपहर 1.30 बजे शुरू होने वाला पहला वनडे , भारत को यह दिखाने का एक और मौका देगा कि वे अपनी जमीन पर इतनी मजबूत ताकत क्यों रहे हैं। न्यूज़ीलैंड को भारत का अपना पिछला वनडे दौरा ज़्यादा याद नहीं रहेगा। 3-0 से व्हाइटवॉश ने अपनी कहानी खुद बयां की, और यह पैटर्न जारी रहा, जिसमें भारत ने दोनों टीमों के बीच पिछले पांच वनडे में से हर एक जीता। नंबर झूठ नहीं बोलते, और क्रिकेट में, वे अक्सर पहली गेंद फेंके जाने से पहले ही कहानी बता देते हैं।

भारत इस सीरीज में एक मजबूत होम रन के दम पर आ रहा है। हाल ही में चार घरेलू वनडे सीरीज जीत चमक के बजाय कंसिस्टेंसी की बात करती हैं। दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ, भारत ने दम और मैच्योरिटी दोनों दिखाई - दो बार 300 पार किया और फिर आखिरी मैच में नौ विकेट हाथ में रहते हुए शांति से 271 का टारगेट चेज किया। इस तरह का परफॉर्मेंस बताता है कि बैटिंग यूनिट को पता है कि कब अटैक करना है और, इससे भी जरूरी बात, कब पीछे हटना है।

विराट कोहली, एक बार फिर डटे रहे। उस सीरीज़ में उनके 302 रन, जिसमें दो सेंचुरी और एक नाबाद हाफ सेंचुरी शामिल थी, यह याद दिलाते हैं कि क्लास, जब भूख के साथ मिल जाए, तो खतरनाक चीज होती है। कोहली उन फेज में से एक में दिखते हैं जहां दिमाग के फैसला करने से पहले ही बल्ला बीच में आ जाता है।

भारत को वनडे वाइस-कैप्टन श्रेयस अय्यर की वापसी से भी बढ़ावा मिला है, जो स्प्लीन इंजरी से ठीक होकर वापस आए हैं। उनकी मौजूदगी मिडिल ऑर्डर को मजबूती देती है, जो शुरुआती विकेट गिरने पर बहुत कीमती हो जाती है। मोहम्मद सिराज की वापसी से पेस अटैक मजबूत हुआ है, जबकि शुभमन गिल के शामिल होने से भारत को टॉप और मिडिल में एलिगेंस और भरोसा दोनों मिला है।

हालांकि, न्यूज़ीलैंड सिर्फ़ नंबर बनाने के लिए नहीं आ रहा है। 2025 में भारत से आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल हारने के बाद से, उन्होंने चुपचाप मोमेंटम बनाया है, और अपने पिछले नौ वनडे में बिना हारे रहे हैं। पाकिस्तान, इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज के खिलाफ लगातार तीन 3-0 की सीरीज जीत ने उन्हें इस टूर से पहले कॉन्फिडेंस दिया है, भले ही पक्का नहीं। डेवोन कॉनवे का फॉर्म विज़िटर्स का हौसला बढ़ाएगा।

टेस्ट सीरीज से पहले तैयारी के लिए वाजिब वक्त मिलना जरूरी : गिल

वड़ोदरा, 10 जनवरी। बीते साल भारत ने 28 सितंबर को दुबई की सरजमीं पर एशिया कप का फ़ाइनल मुक़ाबला खेला और महज चार दिनों के अंतराल के बाद, 2 अक्तूबर से वेस्टइंडीज के विरुद्ध अपनी घरेलू टेस्ट सीरीज का आग़ाज किया। यही सिलसिला आगे भी जारी रहा; टीम ने 8 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया में अपना अंतिम टी20 मैच खेला और फिर 14 नवंबर को अपनी सरजमीं पर दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ पहला टेस्ट मैच खेलने उतरी। इस टेस्ट सीरीज में भारत को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 2-0 से शर्मनाक क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा।

टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का यह तर्क है कि बीसीसीआई को भविष्य में ऐसे व्यस्त कार्यक्रमों से परहेज़ करना चाहिए, विशेष रूप से टेस्ट सीरीज से ठीक पहले, जब खिलाड़ियों को सीमित ओवरों के क्रिकेट से लाल गेंद के प्रारूप में ढलने के लिए वक़्त की जरूरत होती है। शनिवार को वड़ोदरा में न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ भारत

के पहले वनडे की पूर्व संध्या पर गिल से पूछा गया कि क्या बीसीसीआई ने उनसे टेस्ट क्रिकेट में सुधार को लेकर कोई सुझाव मांगा था।

गिल ने मसले पर अपनी बात रखते हुए कहा, ''एक अहम सुझाव जिस पर मैं विशेष रूप से ज़ोर दे रहा था, वह यह है कि अगर आप हमारी पिछली दो टेस्ट सीरीज पर गौर करें, तो हमें तैयारी के लिए पर्याप्त वक़्त नहीं मिल पाया। किसी दूसरे मुल्क में मुक़ाबला खेलने के महज चार दिन बाद भारत आकर मैदान पर उतरना आसान नहीं होता, विशेषकर तब जब आप एक लंबे और थका देने वाले दौरे से वापस लौट रहे हों।'' ''मेरा मानना है कि अगर हम दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ वह सीरीज जीत भी जाते, तब भी हक़ीक़त यही रहती कि तैयारी के लिहाज से हम पीछे थे। हम सब वाक़िफ़ हैं कि दुनिया के किसी भी कोने में टेस्ट मैच फतह करने के लिए सही तैयारी कितनी लाजमी है। निजी तौर पर मेरे लिए तैयारी बहुत मायने रखती है, और मुझे महसूस हुआ कि ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद, या एशिया कप के तुरंत बाद वेस्टइंडीज के विरुद्ध सीरीज से पहले हमारे पास तैयारी का वाजिब समय नहीं था।''

''मेरा यह स्पष्ट मत है कि खिलाड़ियों को तैयारी के लिए कम से कम थोड़ा वक़्त ज़रूर मिलना चाहिए, ख़ास तौर पर तब जब व्हाइट बॉल फ़ॉर्मेट से रेड बॉल क्रिकेट में तालमेल बिठाना हो। यह एक ऐसा गंभीर मसला था जिसे लेकर मैं काफ़ी संजीदा था, और मुझे उम्मीद है कि भविष्य में इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे, ताकि किसी भी टेस्ट सीरीज का आग़ाज करने से पहले टीम बेहतर तरीक़े से तैयार हो सके।''

चार बल्लेबाजों के अर्द्धशतक से भारतीय अंडर-19 टीम ने बनाये 374/8

बुलावायो, 10 जनवरी। वैभव सूर्यवंशी (96), विहान मल्होत्रा (77), ऐरन जॉर्ज (61) और अभिज्ञान कुंडु (55) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारतीय टीम ने शनिवार को अंडर-19 विश्वकप अभ्यास मुकाबले में स्कॉटलैंड के खिलाफ आठ विकेट पर 374 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आज यहां टॉस जीतकर स्कॉटलैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की अंडर-19 के लिए आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी की जोड़ी ने आतिशी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करे हुए पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। सातवें ओवर में ओली जोन्स ने आयुष म्हात्रे 19 गेंदों में 22 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। भारत का दूसरा विकेट 17वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी के रूप में गिरा, जब वह शतक से महज चार रन पीछे थे। उन्हें मनु सारस्वत ने आउट किया। वैभव सूर्यवंशी ने 50 गेंदों में नौ चौके और सात छक्के लगाते हुए 96 रनों की पारी खेली। 17वें ओवर में जॉर्ज कटलर ने ऐरन जॉर्ज 58 गेंदों में (61) को अपना शिकार बना लिया।

माझी मुंबई ने जोरदार अंदाज में शुरू किया खिताबी रक्षा का अभियान

सूरत, 10 जनवरी। भारतीय सिनेमा के मेगास्टार्स और सुपरस्टार्स की मौजूदगी से सूरत के लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में शुक्रवार को इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) के तीसरे संस्करण का भव्य आगाज़ हुआ। भव्य उद्घाटन समारोह के बाद हाई-वोल्टेज टी10 क्रिकेट के महीने भर चलने वाले रोमांच का आग़ाज़ हुआ, जिसमें डिफेंडिंग चैंपियन माझी मुंबई ने श्रीनगर के वीर के खिलाफ शानदार अंदाज में अपनी खिताबी रक्षा के सफर की शुरुआत की। कम स्कोर वाले रोमांचक मुकाबले में माझी मुंबई ने अनुशासित गेंदबाज़ी के दम पर 59 रनों के छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। प्लेयर ऑफ द मैच इजाज अहमद (3/9) की अगुवाई में मुंबई ने श्रीनगर को 9.5 ओवर में 46 रन पर समेट दिया। श्रीनगर की ओर से हर्ष अडसुल ने सर्वाधिक 13 रन बनाए, लेकिन नियमित अंतराल पर गिरते विकेटों ने मुंबई को शानदार जीत दिलाई।

देश के एथलीट ओलंपिक गेम्स में ज्यादा से ज्यादा मेडल जीते : उषा

अहमदाबाद, 10 जनवरी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने यहां कहा कि देश की नजरें 2036 ओलंपिक्स की होस्टिंग पर हैं, वहीं आईओए यह पक्का करने के लिए कदम उठा रहा है कि देश के एथलीट ओलंपिक गेम्स में ज्यादा से ज्यादा मेडल जीतें। सुश्री उषा ने इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की सालाना जनरल मीटिंग (एजीएम) के बाद कहा कि देश की नजरें 2036 ओलंपिक्स की होस्टिंग पर हैं, वहीं आईओए यह पक्का करने के लिए कदम उठा रहा है कि देश के एथलीट ओलंपिक गेम्स में ज्यादा से ज्यादा मेडल जीतें। ओलंपिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन्स को जो रकम पहले दी जाती थी, उसे अब बढ़ाकर 20 लाख कर दिया गया है।

उनहोंने कहा कि इतना ही नहीं, आईओए स्पोर्ट्स के डेवलपमेंट में किसी भी एसोसिएशन को जो भी गाइडेंस चाहिए, वह दे रहा है ताकि देश में स्पोर्ट्स और एथलीट्स का डेवलपमेंट हो सके। स्पोर्ट्स से जुड़े सभी लोगों को एक साथ लाया जाएगा गुजरात 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स होस्ट करने वाला है और जिस तरह से इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर की तैयारी की गई है और अभी भी की जा रही है, उससे यह पक्का कहा जा सकता है

कि आने वाले समय में गुजरात देश का स्पोर्ट्स हब बनेगा।

पीटी उषा ने अहमदाबाद में हुए कॉन्क्लेव के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस कॉन्क्लेव में हमने देश भर के स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अधिकारियों, टॉप खिलाड़ियों, सानिया मिर्जा और अजीत अगरकर जैसे टेनिस और क्रिकेट खिलाड़ियों को बुलाकर स्पोर्ट्स में मेडल की तैयारी के बारे में गाइडेंस देने की कोशिश शुरू की है। हम खिलाड़ियों, स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर और स्पोर्ट्स से जुड़े सभी लोगों को एक साथ लाएंगे और स्पोर्ट्स के डेवलपमेंट के लिए काम करेंगे।

प्रसन्ना बेंद्रे ने टांडिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

दीव, 10 जनवरी। दादरा और नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के स्टार पेंचक सिलाट खिलाड़ी प्रसन्ना बेंद्रे ने खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में अपने घरेलू मैदान पर टांडिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। प्रसन्ना बेंद्रे अपने स्वर्ण पदक बचाने की तैयारी कर रहे थे, तभी वजन वर्गों में हुए अंतिम समय के बदलाव ने उनके सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। या तो उन्हें अधिक ऊंचे वजन वर्ग में उतरना था या फिर खेलों से बाहर रहना था। प्रतियोगिता में सिर्फ 20 दिन शेष थे और प्रसन्ना को 40-45 किग्रा से सीधे 50-55 किग्रा वजन वर्ग में जाना पड़ा। इसका मतलब था कि उन्हें खुद से कहीं ज्यादा भारी और ताकतवर खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करना था। 23 वर्षीय प्रसन्ना बेंद्रे ने हार मानने के बजाय चुनौती को स्वीकार किया और दीव के घोघला बीच पर हुए फाइनल में मणिपुर के रोहित मैतेई को हराकर लगातार दूसरी बार टांडिंग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मैच के बाद प्रसन्ना ने कहा, खेलों से पहले मैं श्रीनगर में नेशनल कैंप में था। लौटने के बाद पता चला कि मेरा नियमित वजन वर्ग (40-45 किग्रा) केआईबीजी 2026 में नहीं है और खेल शुरू होने में सिर्फ 20 दिन बचे हैं। मेरे पास विकल्प नहीं था, इसलिए मुझे अगले वजन वर्ग के लिए तैयारी करनी पड़ी।

मेसी या एमबाप्पे मेरा 16 गोल का वर्ल्ड कप रिकॉर्ड तोड़ सकते है : मिरोस्लाव क्लोज

बर्लिन, 10 जनवरी। वर्ल्ड कप के रिकॉर्ड स्कोरर मिरोस्लाव क्लोज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका में 2026 के टूर्नामेंट में उनके 16 गोल का रिकॉर्ड टूट जाएगा। पूर्व जर्मनी स्ट्राइकर ने कई टीवी इंटरव्यू में कहा, ''मुझे पता था कि एक दिन यह रिकॉर्ड टूटेगा,'' उन्होंने भविष्यवाणी की कि दूसरे टॉप खिलाड़ी आखिरकार उन्हें पीछे छोड़ देंगे। क्लोज ने कहा कि लियोनेल मेसी, जिनके 13 वर्ल्ड कप गोल हैं, और किलियन एमबाप्पे, जिनके 12 गोल हैं, ऐसा करने की सबसे ज़्यादा संभावना रखते हैं।

47 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वर्ल्ड कप में टीमों की संख्या बढ़ने से गोल करने के ज़्यादा मौके मिलेंगे। क्लोज, जो दूसरी डिवीजन की टीम 1. एफसी नूर्नबर्ग को कोचिंग देते हैं, ने कहा, ''यह छोटे देशों के लिए भाग लेने का एक मौका है। यह

बहुत अच्छी बात है कि उन्हें आसपास रहने का मौका मिलता है। 2026 के टूर्नामेंट में 48 टीमें होंगी। क्लोज, जिन्होंने जर्मनी के साथ 2014 का वर्ल्ड कप जीता था, ने 2002, 2006, 2010 और 2014 में चार टूर्नामेंट में अपने 16 गोल किए थे। वह 1930 के बाद से चार वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में खेलने वाले एकमात्र खिलाड़ी भी हैं। मेसी और एमबाप्पे दोनों ने दो-दो वर्ल्ड कप सेमीफाइनल खेले हैं।

इंटर मियामी के फॉरवर्ड मेसी के रिकॉर्ड छठे वर्ल्ड कप में खेलने की उम्मीद है और वह 26 वर्ल्ड कप मैचों के साथ सबसे ज़्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने कतर में 2022 के टूर्नामेंट में जर्मनी के लोथार मैथ्यूस को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 25 मैच खेले थे।

क्लोज ने कहा कि वह मेसी को सपोर्ट करेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं मेसी का बहुत बड़ा फैन हूं और हमेशा से रहा हूं। इसलिए, मैं उनके लिए दुआ कर रहा हूं, हालांकि मुझे पता है कि एमबाप्पे सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक हैं।''

38 वर्षीय मेसी ने पांच वर्ल्ड कप में 13 गोल किए हैं, जबकि 27 वर्षीय एमबाप्पे ने दो टूर्नामेंट में 12 गोल किए हैं। 2026 वर्ल्ड कप शायद मेसी का आखिरी वर्ल्ड कप होगा, जबकि एमबाप्पे को अपने गोल की संख्या बढ़ाने के और मौके मिलने की उम्मीद है।

क्लोज ने कहा, ''कम से कम मैं अभी के लिए चार सेमीफाइनल का अपना रिकॉर्ड बनाए रखूंगा।'' उन्होंने आगे कहा कि ब्राज़ील में 2014 का खिताब एक टीम अचीवमेंट के तौर पर सबसे ऊपर है। जस्ट फॉन्टेन एक ही टूर्नामेंट में वर्ल्ड कप के रिकॉर्ड गोल करने वाले खिलाड़ी बने हुए हैं, जब इस फ्रांसीसी स्ट्राइकर ने 1958 के विश्व कप में 13 गोल किए थे।

सेमीफाइनल में हारी सिंधु, टूर्नामेंट में भारतीय अभियान समाप्त

कुआलालंपुर (मलेशिया), 10 जनवरी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को शनिवार को मलेशिया ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ सीजन के पहले बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारत का अभियान खत्म हो गया। आज यहां स्टेडियम एक्सियाटा एरिना में खेले गये सेमीफाइनल में विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में नंबर 18 पर मौजूद पीवी सिंधु महिला एकल में दूसरे नंबर पर मौजूद चीन की वांग झेई से 21-16, 21-15 से हार गईं। पहला गेम में दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती पलों में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। लेकिन पीवी सिंधु की बिना वजह की गलतियों ने वांग झेई को 14-14 से आगे बढ़कर 18-14 की बढ़त बनाने का मौका दिया और फिर उन्होंने जीत के साथ गेम खत्म कर दिया। दूसरे गेम की शुरुआत में वांग झेई ने थोड़ी बढ़त बनाई, लेकिन भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने वापसी करते हुए मिड-गेम ब्रेक में 11-6 की बढ़त ले ली। ब्रेक के बाद वांग झेई ने फिर से वापसी की, क्योंकि सिंधु की कई बिना वजह की गलतियों ने चीनी शटलर को मैच में पकड़ बनाने का मौका दिया और उन्होंने सीधे गेम में मैच खत्म कर दिया। यह वांग झेई के खिलाफ छह मैचों में पीवी सिंधु की तीसरी हार है। सिंधु की हार के साथ ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारत का अभियान खत्म हो गया। पीवी सिंधु, बाकी भारतीय दल के साथ मंगलवार को इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाले इंडियन ओपन 2026 में एक्शन में दिखेंगी। वह पहले राउंड में वियतनाम की गुयेन थुय लिन्ह से भिड़ेंगी।

पीठ की चोट के कारण फोन्सेका एडिलेड में नहीं खेल पाएंगे

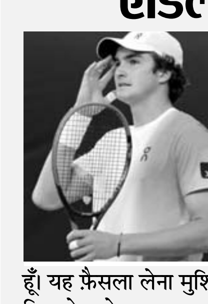

एडिलेड, 10 जनवरी। जोआओ फोन्सेका ने एडिलेड इंटरनेशनल से नाम वापस लेने के बाद अपने 2026 सीजन की शुरुआत और टाल दी है। 19 साल के ब्राज़ीलियाई खिलाड़ी ने पिछले हफ़्ते पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से नाम वापस ले लिया था, और अब वह इसी वजह से एडिलेड में एटीपी 250 में भी नहीं खेलेंगे। फोन्सेका ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''दुर्भाग्य से मैं यहां नहीं खेल पा रहा हूँ। यह फ़ैसला लेना मुश्किल है। मुझे लगा कि जिन दिनों हम प्रैक्टिस कर रहे थे, हर दिन थोड़ा बेहतर महसूस हो रहा था, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि मैं सौ प्रतिशत ठीक हूँ। उन्होंने कहा, ''हम ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलने के लिए सौ प्रतिशत ठीक होने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, जो हमारा मुख्य लक्ष्य है। वह फ़ैसला अभी नहीं लिया गया है। हम खेलना चाहते हैं, हमें लगता है कि यह संभव होगा। इसलिए हम रिकवरी पर ध्यान देना चाहते हैं, और दुर्भाग्य से मैं यहां नहीं खेल सका, और मुझे उम्मीद है कि अगले साल और मजबूत होकर वापस आऊँगा।'' एटीपी रैंकिंग में नंबर 29 पर मौजूद फोन्सेका अब ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए मेलबर्न जाएंगे, जहां उन्होंने 2025 में अपने पहले इवेंट में बड़ा प्रभाव डाला था। क्वालिफ़ाइंग राउंड से आने के बाद, उन्होंने एक मेजर में अपने पहले मेन-ड्रॉ मैच में तत्कालीन वर्ल्ड नंबर 9 आंद्रेई रुब्लेव को सीधे सेटों में हराया था। फोन्सेका ने पिछले फ़रवरी में ब्यूनस आयर्स में अपनी पहली एटीपी टूर ट्रॉफी जीती थी, जिसके बाद अक्टूबर में बेसल में एटीपी 500 में अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीता। 2024 नेक्स्ट जेन एटीपी फ़ाइनल्स के चैंपियन, वह नवंबर की शुरुआत में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड नंबर 24 रैंकिंग पर पहुँचे थे। फोन्सेका ने कहा, ''मैं पीठ में कुछ लेकर पैदा हुआ था और कभी-कभी यह ज़्यादा टाइट हो जाता है। मुझे पाँच साल पहले स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ था, लेकिन यह कुछ ऐसा है जो मेरे शरीर में रहेगा, इसलिए मुझे इसके साथ जीना होगा।'' मैं बस ठीक होने की पूरी कोशिश कर रहा हूँ। हमने एमआरआई करवाया है, और यह कुछ बहुत ज़्यादा गंभीर नहीं है, लेकिन गंभीर हो सकता है, इसलिए हम खेलने के लिए सौ प्रतिशत फिट होना चाहते हैं।''

डिफेंडिंग चैम्पियन सबालेंका लगातार तीसरे साल फाइनल में

ब्रिस्बेन, 10 जनवरी। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका शनिवार को सेमीफाइनल में कैरोलिना मुचोवा को हराने के बाद रविवार को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में अपना टाइटल बचाने के लिए खेलेंगी। सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के वार्म-अप इवेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी को एक घंटे 29 मिनट में 6-3, 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल बिना कोई सेट गंवाए ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बनाई। शनिवार की इस जीत ने सबालेंका का 2023 की शुरुआत से ऑस्ट्रेलिया में खेले गए सभी सात टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने का रिकॉर्ड बनाए रखा है और इस दौरान देश में उनके रिकॉर्ड में 37 जीत और दो हार का सुधार हुआ है। सबालेंका, जो चार साल बाद जनवरी में तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीतने का लक्ष्य बना रही हैं, ने शनिवार को ब्रिस्बेन में अब तक का अपना सबसे अच्छा टेनिस खेला, जिसमें उन्होंने 32 विनर लगाए और अपनी पहली सर्व पर 88 प्रतिशत पॉइंट जीते। मैच के बाद कोर्ट पर सबालेंका ने कहा, ''मैंने सच में बहुत मेहनत की है और उसके खिलाफ हर मैच जीतने का एक और मौका है, और मैं बहुत खुश हूं कि आज वो दिन था जब मैं जीत पाई।'' सबालेंका रविवार के फाइनल में मार्टा कोस्त्युक से खेलेंगी। यूक्रेन की दुनिया की 26वें नंबर की खिलाड़ी कोस्त्युक ने सेमीफाइनल में छठी रैंक वाली जेसिका पेगुला को 55 मिनट में 6-0, 6-3 से हराया। यह गुरुवार और शुक्रवार को क्रमशः राउंड ऑफ़ 16 और क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर तीन अमांडा एनिसिमोवा और नंबर नौ मीरा एंड्रीवा पर कोस्त्युक की सीधे सेटों में जीत के बाद हुआ है। कोस्त्युक ने पेगुला के खिलाफ पहले 19 में से 17 अंक जीते, जिसमें लगातार 13 अंकों की एक स्ट्रीक भी शामिल थी, जिससे वह 10 मिनट में 4-0 की बढ़त बनाने में कामयाब रहीं।

हम ऐसा दिखाते हैं कि जैसे कोई भी विवाद हमें प्रभावित नहीं कर सकता है : शांतो

ढाका, 10 जनवरी।। बांग्लादेश के बल्लेबाज नजमुल हुसैन शांतो ने कहा है कि अक्सर बड़े टूर्नामेंटों से पहले और उसके दौरान होने वाले विवादों से निपटने के लिए उनके खिलाड़ियों को एक तरह का ''ऐक्ट'' करना पड़ता है, जैसे कि सबकुछ सामान्य है। जब शांतो से भारत और श्रीलंका में फ़रवरी-मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर चल रहे विवाद पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, ''हम किसी भी विश्व कप में अच्छा नतीजा नहीं ला पाए हैं। पिछली बार (टी20 विश्व कप 2024 में) हमारे पास अच्छा मौक़ा था, लेकिन हम नहीं भुना पाए। लेकिन आप देखेंगे कि हर विश्व कप से पहले कोई न कोई घटना जरूर होती है। उन्होंने कहा, ''एक खिलाड़ी के तौर पर इसका असर हम पर पड़ता है। लेकिन हम ऐसे दिखाते हैं कि जैसे हमें ये सब चीज़ें प्रभावित नहीं कर रहीं, क्योंकि हम प्रोफ़ेशनल क्रिकेटर हैं। आप भी जानते हैं कि इसका असर होता है। यह आसान नहीं है। बेहतर होता कि ऐसी चीज़ें न हों। मुझे लगता है कि खिलाड़ी फिर भी कोशिश करते हैं कि सब चीज़ें एक तरफ रखकर अच्छा प्रदर्शन करें।'' शांतो ने कहा, ''मैं यह भी कहूंगा कि ये चीज़ें हमारे नियंत्रण में नहीं है। आख़िरकार हम जहां भी विश्व कप खेलें, मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को ऐसा दिखाना होगा, जैसे उन्हें कुछ भी परेशान नहीं कर रहा और वे टीम के लिए अच्छा करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।''

अमित शाह ने मुख्यमंत्री की पीठ थपथपाई, पेपर लीक समाप्त करने की प्रशंसा की

केन्द्रीय गृह मंत्री ने आरपीए में आयोजित समारोह में आठ हजार नवनियुक्त कांस्टेबलों को नियुक्त पत्र दिए

जयपुर, 10 जनवरी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पारदर्शी तरीके से लोकसेवकों की भर्ती करने से ही कोई प्रदेश आगे बढ़ सकता है और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार का पेपरलीक का सिलसिला खत्म कर राजस्थान को इससे निजात दिलाई है। उन्होंने कहा कि हमारी राज्य सरकार

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्तमान कालखंड देश की आज़ादी के बाद का अभूतपूर्व कालखंड है, जिसमें देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का मजबूत व कुशल नेतृत्व मिल रहा है।**

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को आरपीए में आयोजित कांस्टेबल नव नियुक्ति समारोह को संबोधित किया।

भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता रखते हुए भ्रष्टाचार का उन्मूलन और योग्यता का सम्मान करते हुए राजस्थान के युवाओं को 'बिना सिफारिश और बिना खर्चे' के नौकरी दे रही है।

शाह शनिवार को आरपीए में कांस्टेबल नव नियुक्ति समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अच्छी कानून व्यवस्था से ही प्रदेश का विकास संभव है। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने पेपरलीक पर रोक लगाने के साथ-साथ कानून व्यवस्था को मजबूत बनाया और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान को पूरे देश में निवेश का अग्रणी राज्य बनाने का काम भी किया है। इसी का परिणाम है कि आज देशभर के निवेशक राजस्थान की ओर आने की स्पर्धा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान कालखंड देश की आजादी के बाद का अभूतपूर्व कालखंड है, जिसमें देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मजबूत और कुशल नेतृत्व मिल रहा है। धारा 370 को हटाकर जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्यधारा से जोड़ते हुए देश की एकता एवं अखंडता को मजबूती देने का काम किया गया। शर्मा ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री ने नक्सलवाद का सफाया करते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने का काम किया।

शाह ने कार्यक्रम में सांकेतिक रूप से 10 आरक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में 8 हजार से अधिक आरक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इससे पहले उन्होंने भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना के तहत राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में बने मल्टी परपज इंडोर हॉल का वर्चुअल लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, सांसद मदन राठौड़, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास सहित जनप्रतिनिधिगण, पुलिस अधिकारीगण, बड़ी संख्या में नव नियुक्त कांस्टेबल एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

पुणे निगम चुनाव के लिए सुप्रिया व अजित पवार ने संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया

मुंबई, 10 जनवरी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष अजीत पवार और राकांपा (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने शनिवारको पुणे के शिवाजीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन में आगामी नगर निगम चुनावों के लिए अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी

■ **भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के सदस्य होने के बाद भी अजित पवार ने केन्द्र व राज्य सरकार की आलोचना की**

किया। इस संयुक्त घोषणापत्र में पुणे में मुफ्त मेट्रो और बस यात्रा का वादा किया गया है।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा, "पुणेवासी सवाल कर सकते हैं कि क्या मुफ्त मेट्रो और बस यात्रा संभव भी है, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह संभव है। हमने विशेषज्ञों से बात करने के बाद इस बारे में फैसला किया है। हम पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ के निवासियों को मुफ्त मेट्रो रेलवे और बस यात्रा प्रदान करेंगे।"

घोषणापत्र में पुणे नगर निगम के स्कूलों के छात्रों को मुफ्त टैबलेट देने के साथ-साथ पुणे में 150 मॉडल स्कूल स्थापित करने का वादा किया गया है।

लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, "पुणे के पांच साल के विकास का मुद्दा हमारे सामने है। मुफ्त यात्रा प्रदान करना संभव है। क्योंकि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के प्रशासन में कुछ गलतियां हैं, जिन्हें दूर किया जाएगा।"

देवली में तीन करोड़ रूपए का गांजा जब्त

देवली/टोंक, (निसं)। टोंक की डिस्ट्रिक्ट स्पैशल टीम (डी.एस.टी.) ने ट्रक में ले जाया जा रहा करीब तीन करोड़ रुपये का गांजा जब्त करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

■ **पुलिस ने नाकाबंदी कर उड़ीसा से आ रहे ट्रक में 500 किलो गांजा पकड़ा।**

देवली पुलिस थाना प्रभारी दौलतराम गुर्जर ने बताया कि टोंक डीएसटी टीम ने देवली शहर के हाईवे 52 पर नाकाबंदी करके एक ट्रक की तलाशी लेते समय गांजे की बड़ी खेप बरामद की है। जब्त किए गए गांजे की अंतर्राष्ट्रीय कीमत लगभग तीन करोड़ रुपये है।

पुलिस ने बताया कि पुलिस ने तस्करों को दबोचते हुए 500 किलो गांजे से भरा 12 चक्का ट्रक जब्त किया है। देवली पुलिस थाना प्रभारी दौलत राम गुर्जर ने यह भी बताया कि इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव, पुष्पेंद्र सोलंकी और डीएसपी हेमराज के सुपरविजन में उपनिरीक्षक ओमप्रकाश की टीम ने देवली हाईवे पर घेराबंदी की थी। इसी के चलते पुलिस को देखते ही तस्करों ने ट्रक को टोंक की ओर भगाकर ले जाने की कोशिश की, लेकिन टीम ने पीछा करके देवली डीएसपी ऑफिस के सामने ट्रक को पकड़ लिया। पुलिस टीम ने मौके से चालक हरिनारायण, पुत्र हीरालाल मीणा, निवासी दाता ढाणी थाना देवली व समीर मीणा पुत्र रामकिशन, निवासी बासनी थाना हिण्डोली जिला बूंदी को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने गांजा उड़ीसा के चांदीपुर से लाना तथा हनुमानगर देवली में सप्लाई देना बताया, जिसके बाद छोटे सप्लायर के माध्यम से भीलवाड़ा, बून्दी, केकड़ी, देवली, दूनी, घाड, टोडारायसिंह, मालपुरा, डिग्गी, टोंक में नशे की सप्लाई की जानी थी।

ईरान में खामनेई विरोधी प्रदर्शनकारियों पर मशीनगन से गोलियां चलाईं

गोलीबारी में 217 प्रदर्शनकारी मारे गये, सरकार विरोधी आंदोलन और उग्र हुआ

तेहरान, 10 जनवरी। तेहरान में ईरान सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों में हिंसा बढ़ गई है। प्रदर्शन उग्र होता देख ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करने का आदेश दे दिया। इस गोलीबारी में 217 प्रदर्शनकारियों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है।

■ **अगर मृतकों की संख्या की सही पुष्टि हो जाती है, तो यह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के लिए भी चुनौती होगी, क्योंकि उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि सरकार 28 दिसंबर से सड़कों पर उतर रहे प्रदर्शनकारियों को मारती है, तो उसे इसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ेगा।**

दरअसल, एक स्थानीय डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर टाइम पत्रिका को बताया कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज हुई है। इसमें अधिकांश की मौत गोली लगने से हुई है। प्रदर्शनकारियों की मौत को लेकर स्थानीय डॉक्टर ने बताया कि मृतकों में अधिकतर युवा थे, जिनमें उत्तरी तेहरान के एक पुलिस स्टेशन के बाहर सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर मशीन गन से अंधाधुंध फायरिंग करने के दौरान मारे गए कई लोग शामिल थे। इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, वाशिंगटन डीसी स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी, जो सिर्फ पहचाने गए पीड़ितों की गिनती करती है, उसने विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत से अब तक कम से कम 63 मौतों की पुष्टि की है।

ईडी सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने कर्तव्यों का पालन कर रही थी।

हैरानी की बात यह है कि ईडी ने राज्य की सत्तारूढ़ मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज करने का प्रयास नहीं किया, बल्कि अपेक्षाकृत मामूली राहतें ही मांगीं-जैसे एजेंसी को अपना काम करने देने की अनुमति। केन्द्र सरकार ने भी बेहद नरम रुख अपनाया और कानून के ऐसे स्पष्ट उल्लंघन के बावजूद आरोपी व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए औपचारिक रूप से कोई कदम नहीं उठाया। यदि कोई आम नागरिक ऐसा करता, तो उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया जाता।

लेकिन ममता बनर्जी के मामले में ऐसा कुछ भी प्रभावी या प्रासंगिक कदम नहीं उठाया गया। उनके खिलाफ कोई गंभीर आरोप तय नहीं किए गए। गंभीर अपराधों की जांच में बाधा डालने के बावजूद उन्हें पूर्ण प्रतिरक्षा मिलती हुई प्रतीत होती है। इसके बजाय पूरे विवाद को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। राज्य भाजपा इस बात की निंदा कर रही है कि एक निजी कंसल्टेंसी फर्म किसी राजनीतिक दल के लिए काम कर रही है और कुछ नौकरशाहों को एक निजी फर्म को रिपोर्ट करना पड़ता है।

कई करोड़ रुपये के गंभीर कोयला घोटाले सबूतों की चोरी और उन्हें नष्ट करने का एकमात्र ठोस आरोप भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक आकस्मिक प्रेस वार्ता में लगाया था। इसके बाद उस आरोप को आगे नहीं बढ़ाया गया और न ही उसे उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुँचाया गया।

इस पूरे घटनाक्रम में गंभीर अनियमितताओं की आशंका के पर्याप्त कारण थे, क्योंकि मुख्यमंत्री ने ईडी की तलाशी और जब्ती कार्रवाई के खिलाफ काफी जल्दबाज़ी और दुस्साहसी प्रतिरोध दिखाया। वह एक हरी फाइल को इस तरह पकड़े रहीं मानो वह उनके लिए जीवन-मरण का प्रश्न हो।

यह सवाल भी उठाए जा रहे हैं कि क्या भाजपा और ममता बनर्जी के बीच किसी तरह के गुप्त समझौते हैं, जबकि बाहर से जांच और छापों का दिखावा किया जा रहा है। राज्य में अवैध कोयला खनन का पैमाना और इसमें तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की संलिप्तता तो सर्वविदित है।

ट्रंप ने ईरान में सैन्य हस्तक्षेप के संकेत दिए

परन्तु ट्रंप ने यह भी कहा कि वह ज़मीन पर सैनिक नहीं उतारेंगे

वॉशिंगटन, 10 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अगर ईरान वर्तमान अशांति के इस दौर में लोगों को मारना शुरू कर देता है तो अमेरिका इसमें हस्तक्षेप करेगा, हालांकि वह जमीन पर अपने सैनिकों की तैनाती नहीं करेगा।

■ **ट्रंप ने कहा कि ईरान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही जनता पर हमला किया गया तो अमेरिका चुप नहीं बैठेगा।**

ईरान की स्थिति पर संवाददाताओं से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि अगर वे लोगों को मारना शुरू करते हैं, तो ऐसा होने पर अमेरिका अपनी भूमिका निभायेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका अपनी फौजें, ईरान की जमीन पर उतार देगा। इसका अर्थ यह है कि उन्हें वहां बहुत जोर से मारना है, जहां सबसे ज्यादा दर्द होता है। ट्रम्प और अन्य वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार चेतावनी दी है कि यदि ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को मारता है, तो वॉशिंगटन कार्रवाई करेगा। ईरान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को अशांति के बारे में ट्रम्प प्रशासन की टिप्पणियों को हस्तक्षेपवादी और भ्रामक बताते हुए उनकी निंदा की थी। ईरान का कहना है कि ये बयान ईरानी लोगों के प्रति अमेरिका की निरंतर शत्रुता को दर्शाते हैं।

ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को चिट्ठी लिखी

कोलकाता, 10 जनवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक पत्र लिखकर राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान आम नागरिकों के साथ किए जा रहे निरंतर उत्पीड़न पर हैरानी और पीड़ा व्यक्त की है।

■ **बनर्जी ने नोबल पुरुस्कार विजेता अमर्त्य सेन, क्रिकेटर मोहम्मद शमी, फिल्म एक्टर व सांसद दीपक अधिकारी जैसी कई हस्तियों का मुद्दा उठाया, जिन्हें चुनाव आयोग के सामने अपनी नागरिकता प्रमाणित करनी होगी।**

■ **मुख्यमंत्री ने टाइप की हुई चिट्ठी के साथ एक हस्तलिखित नोट भी भेजा है जिसमें उन्होंने लिखा है कि "मुझे" पता है आप ना तो जवाब देंगे ना ही स्पष्टीकरण देंगे पर विवरण देना मेरा कर्तव्य है।**

मुख्यमंत्री ने पत्र में आरोप लगाया है कि इस पुनरीक्षण अभ्यास के कारण 77 मौतें, आत्महत्या के चार प्रयास और कम से कम 17 लोगों के बीमार होने व अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आई है। उन्होंने कहा, "ये घटनाएं डर, डराने-धमकाने और अत्यधिक कार्यभार के कारण हुई हैं, जो आयोग द्वारा किए गए एक अनियोजित अभ्यास का परिणाम है।" बनर्जी ने नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर अमर्त्य सेन, प्रसिद्ध कवि जॉय गोस्वामी, लोकप्रिय फिल्म अभिनेता और सांसद दीपक अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी और भारत सेवाश्रम संघ के महाराज, जिन्हें नागरिकता के सत्यापन के लिए तलब किया गया है, के मामलों का जिक्र करते हुए सवाल किया कि क्या यह आयोग की ओर से सरासर ढि ठाई नहीं है। उन्होंने कहा कि कई आम नागरिक भी इसी तरह के उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं।

प्र.मंत्री ने राज्यों के मुख्य सचिवों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जी.एस.टी. आज की कामकाज से जुड़ी कई कमियों से जूझ रहा है। रिफंड मिलने में देरी, नियमों का जटिल पालन और केन्द्र व राज्यों के बीच बार-बार होने वाले मतभेद। खासकर छोटे कारोबारियों के लिए ये समस्याएं नकदी की कमी और प्रशासनिक थकान का कारण बनती हैं। इन अड़चनों को दूर किए बिना और ज्यादा बदलाव करने से कर प्रणाली पर भरोसा लौटने के बजाय अविश्वास और बढ़ सकता है।

श्रम सुधार भी ऐसा ही विरोधाभास दिखाते हैं। दर्जनों कानूनों को चार श्रम संहिताओं में बदलना प्रशासनिक रूप से तर्कसंगत और बदलाव लाने वाला कदम है। लेकिन राज्यों द्वारा नियम अधिसूचित नहीं करने से इसका अमल रुका हुआ है, जो राजनीतिक और सामाजिक संवेदनशीलताओं को दर्शाता है। तेज़ सुधार निवेशकों को आकर्षित कर सकते हैं, लेकिन श्रम बाज़ार में वैधता और स्वीकार्यता भी ज़रुरी है। भरोसेमंद सुरक्षा, परामर्श और अमल की क्षमता के बिना ये सुधार एकतरफा माने जा सकते हैं, भले ही उनका मकसद समावेशी विकास (इन्क्लूसिव ग्रोथ) और रोजगार सृजन हो।

सरकार कुछ हद तक सही संकेत देती है कि यह सुधार चक्र संकट से प्रेरित होने के बजाय आकांक्षा से प्रेरित है और इसमें कुछ सच्चाई भी है। भारत की जनसंख्या संरचना, बढ़ता घरेलू बाज़ार और डिजिटल ढांचा मजबूत आधार देते हैं। लेकिन केवल आकांक्षा से संस्थागत तैयारी की कमी ूरी नहीं हो सकती। ज़िला प्रशासन, नगर निकाय और राज्य नियामक, जो सुधारों को ज़मीन पर लागू करते हैं, अक्सर स्टाफ, विशेष कौशल और डिजिटल क्षमता की कमी से जूझते हैं। प्रशासनिक क्षमता में निवेश किए बिना तेज़ और गुणवत्तापूर्ण नतीजों की उम्मीद सुधारों के असर को कमज़ोर कर सकती है और निराशा बढ़ा सकती है।

निजी क्षेत्र के लिए परमाणु ऊर्जा खोलने जैसे बड़े कदम सरकार की मंशा की गंभीरता दिखाते हैं। लेकिन निजी पूंजी बहुत सख्त मानकों पर काम करती है। उसे साफ नियम, भरोसमंद विवाद, समाधान व्यवस्था और स्थिर नीतिगत माहौल चाहिए। घोषणाओं के साथ विस्तृत नियमावली और संस्थागत भरोसा भी होना चाहिए वरना इनके बदले निवेश आने की जगह सर्तकता और झिझक ही देखने को मिलेगी।

व्यापार समझौते भी बिखरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर व्यावहारिक सोच दिखाते हैं। लेकिन व्यापार उदारीकरण के साथ समायोजन की लागत आती है। लॉजिस्टिक्स, कौशल विकास और सस्ते ऋण में समानांतर निवेश के बिना, खासकर छोटे भारतीय उद्योग खुलते बाज़ार में टिक नहीं पाएंगे।

आखिरकार, इस सुधार चक्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि इसके फायदे आम लोगों तक पहुंचते हैं या नहीं। अगर विकास के साफ तौर पर रोजगार, आय में बढ़ोतरी और क्षेत्रीय संतुलन नहीं दिखता, तो सुधारों के लिए जरुरी सामाजिक और राजनीतिक सहमति कमज़ोर पड़ सकती है।

रफ्तार ज़रुरी है। लेकिन अगर 2025 को एक ऐतिहासिक साल के रुप में याद किया जाना है, तो यह इसलिए होगा क्योंकि सुधारों को समझदारी से लागू किया गया, संस्थानों को मजबूत किया गया और जनता का विश्वास हासिल किया गया, केवल इसलिए नहीं कि वे तेज़ चले।

ओडिशा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा रहा है कि चार यात्रियों और दो पायलटों को ले जा रहे सिंगल-इंजन वाले इस विमान में करीब चार से पांच किलोमीटर उड़ने के बाद तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण पायलट को विमान की क्रैश-लैंडिंग करानी पड़ी।

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

10:15 बजे मंदिर में पूजा करेंगे और सुबह 11 बजे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।बयान में कहा गया है कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत के उन अनगिनत नागरिकों को याद करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

एसआई भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले से जुड़े अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने बताया कि पेपर लीक से जुड़ी एसआई भर्ती-2021 में शामिल कुछ अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर एकलपीठ की ओर से इस भर्ती को रद्द करने के आधार पर साल 2025 की एसआई भर्ती में आयु सीमा में छूट देने की गुहार की थी। एकलपीठ ने तीस अक्टूबर, 2025 को इन अभ्यर्थियों को भर्ती में तीन साल की छूट देने को कहा। वहीं राज्य सरकार की अपील पर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अंतरिम आदेश जारी कर गत 13 नवंबर को एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी थी। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की गई थी।

भारत-अमेरिका व्यापारिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अध्यक्ष एस.सी. रल्हन ने निर्यात जगत की बढ़ती चिंता को व्यक्त करते हुए कहा, दोनों पक्षों को बातचीत की मेज़ पर बैठकर लंबित मुद्दों का समाधान करना चाहिए, ताकि एक पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौता किया जा सके। निर्यातकों के अनुसार, मौजूदा शुल्क मुनाफे के मार्जिन को कम कर रहे हैं, अनुबंधों में बाधा डाल रहे हैं और भारतीय कंपनियों को या तो नुकसान झेलने या फिर वियतनाम, मैक्सिको और अमेरिका के अन्य वरीयताप्राप्त व्यापार साझेदार देशों के प्रतिस्पर्धियों के सामने बाज़ार में हिस्सेदारी छोड़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

भारत के कुल वस्तु निर्यात का लगभग पाँचवाँ हिस्सा अमेरिका को जाता है। इसमें वस्त्र, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग वस्तुएँ, ऑटो कंपोनेंट्स और रसायन जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्र शामिल हैं। इनमें से कई क्षेत्रों के मुनाफे का मार्जिन बहुत कम होता है, और वे शुल्क वृद्धि के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं। निर्यातकों का कहना है कि 50 प्रतिशत टैरिफ से भारतीय सामान बाज़ार से बाहर हो जाएगा।

उद्योग को इससे भी अधिक चिंता इस बात की है कि यदि बातचीत ठप्प बनी रही तो शुल्क में और बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे किसी भी अतिरिक्त टैरिफ से उस समय निर्यात बुरी तरह प्रभावित होगा, जब वैश्विक मांग पहले से ही सुस्त है और भू-राजनीतिक तनाव आपूर्ति शृंखलाओं को खंडित कर रहे हैं। छोटे निर्यातकों, विशेषकर एमएसएमई के लिए, लंबे समय तक बनी अनिश्चितता के कारण ऑर्डर रद्द हो सकते हैं, छँटनी और कार्यशील पूंजी पर दबाव पड़ सकता है।

हालाँकि, इस समझौते को अंतिम रूप देना आसान नहीं होगा कई विवादास्पद मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं। अमेरिका कृषि उत्पादों, डेयरी, चिकित्सा उपकरणों और डिजिटल व्यापार के बाजार में घुसना यह चाहता है, साथ ही बौद्धिक संपदा संरक्षण और डेटा लोकलाइज़ेशन मानदंडों को लेकर भी उसकी चिंताएँ हैं। वॉशिंगटन लगातार औद्योगिक वस्तुओं पर कम शुल्क और भारत की नियामक व्यवस्था में अधिक पारदर्शिता की माँग करता रहा है।

वहीं भारत दंडात्मक शुल्क से राहत, हाल के वर्षों में खोई हुई वरीयताप्राप्त बाज़ार पहुँच की बहाली और वीज़ा व्यवस्थाओं के तहत कुशल पेशेवरों की अधिक आवाजाही चाहता है। नई दिल्ली उन संवेदनशील क्षेत्रों-विशेषकर कृषि और डेयरी-की रक्षा को लेकर भी सतर्क है, जहाँ राजनीतिक और सामाजिक कारणों से रियायत की गुंजाइश बेहद सीमित है। इन प्राथमिकताओं को संतुलित करते हुए रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखना सावधानीपूर्ण क्रमबद्धता और राजनीतिक इच्छाशक्ति की माँग करेगा।

निर्यातकों का तर्क है कि भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में यह इस समझौता पहले से भी अधिक जरूरी हो गया है। जैसे-जैसे वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएँ चीन से दूर हो रही हैं, भारत के पास अमेरिका के लिए एक भरोसेमंद विनिर्माण और सोर्सिंग केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करने का अवसर बढ़ गया है। लेकिन एक स्थिर और पूर्वानुमान लगाए जा सकने योग्य व्यापार ढाँचे के बिना यह अवसर हाथ से निकल सकता है। जिन प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं के पास अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते या वरीयताप्राप्त पहुँच है, वे पहले से ही इस बदलाव का लाभ उठा रही हैं।

देरी से प्रतिष्ठा को भी नुकसान होता है। व्यवसाय वर्षों पहले निवेश और आपूर्ति अनुबंधों की योजना बनाते हैं। शुल्क और बाज़ार पहुँच को लेकर लंबी अनिश्चितता भरोसे को कमजोर करती है, क्षमता विस्तार को हतोत्साहित करती है और दीर्घकालिक व्यापार साझेदार के रूप में भारत की छवि को नुकसान पहुँचाती है। इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा घटकों और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में-जहाँ भारत निर्यात बढ़ाने की उम्मीद करता है-नीतिगत स्पष्टता लागत प्रतिस्पर्धा जितनी ही महत्वपूर्ण है।

उद्योग संगठनों का मानना है कि चरणबद्ध या सीमित व्यापार समझौता एक व्यावहारिक रास्ता हो सकता है। शुल्क युक्तिकरण, मानकों की पारस्परिक मान्यता और विवाद निपटाने पर केन्द्रित 'प्रारंभिक सौदे' सौदे निर्यातकों को त्वरित राहत दे सकते हैं और बाद में एक व्यापक समझौते के लिए भरोसा भी बना सकते हैं।

आखिरकार, निर्यातक ज़ोर देते हैं कि निष्क्रियता से होने वाले नुकसान की लागत लगातार बढ़ रही है। मुनाफे के मार्जिन घट रहे हैं और प्रतिस्पर्धा तीव्र हो रही है-हर तिमाही की देरी का मतलब है ऑर्डर ओर जमीन खो देना। एक निर्यातक ने कहा, व्यापार समझौते अब प्रतीकात्मक नहीं रहे; वे हमारे अस्तित्व का सवाल बन चुके हैं।

भारत और अमेरिका के लिए, एक व्यापार समझौता न केवल द्विपक्षीय व्यापार को स्थिर करेगा, बल्कि वैश्विक बाज़ारों को भी एक सशक्त संकेत देगा। ज़मीनी स्तर पर निर्यातकों के लिए, यह टिके रहने और पिछड़ जाने के बीच का अंतर हो सकता है।

कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ संग्राम शुरू किया

नयी दिल्ली, 10 जनवरी। कांग्रेस ने मनरेगा की जगह नया कानून लाने के मोदी सरकार के कदम को रोजगार की इस महत्वपूर्ण योजना पर बुलडोजर चलाना करार दिया और कहा कि पार्टी ने इसके खिलाफ पूरे देश में मनरेगा बचाओ संग्राम शुरु कर दिया है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि "कांग्रेस ने आज देशभर के प्रत्येक जिला इकाई के कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ मनरेगा बचाओ संग्राम की शुरुआत कर दी। कांग्रेस इस संघर्ष को निर्णायक परिणाम तक ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार द्वारा जब तक मनरेगा पर बुलडोजर चलाकर छीने गए काम के अधिकार, आजीविका और जवाबदेही को पूरी तरह बहाल नहीं करा लिया जाता कांग्रेस इसके खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी।" कांग्रेस नेता ने कहा कि हाल में पारित वीबी-जी राम जी एक्ट के रूप में आये नये कानून से मनरेगा की मूल भावना खत्म हो गई है। अब काम की गारंटी कानूनी अधिकार नहीं रह गई बल्कि केंद्र सरकार की मर्जी पर निर्भर हो गई है। मनरेगा खत्म करने से ग्राम पंचायतों की ताकत बहुत कमजोर हुई है और मजदूरी की गारंटी तथा समय पर भुगतान पर सवाल उठ रहे हैं।

महाराष्ट्र में नए समीकरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीट बंटवारे में भी सहयोगी दलों की वास्तविक ताकत झलकती है। शिवसेना (यूबीटी) 165 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, मनसे 52 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) इस नए गठबंधन के तहत केवल 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। गठबंधन की घोषणा के लिए हुई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठाकरे भाइयों ने मराठी मानूस को एक सशक्त संदेश देते हुए कहा, बटेंगे तो कटेंगे, यानी बंटे तो हारेंगे, एकजुट रहे तो जीतेंगे। यह नारा उन्होंने 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के इस्तेमाल किए गए नारे से प्रेरित होकर दिया।

भाजपा-शिवसेना (शिंदे गुट) गठबंधन ने मराठी मानूस के बीच मजबूत पकड़ बना ली है। एस्केंडिया स्ट्रैटेज़ीस के एक सर्वे के मुताबिक, इस समुदाय का वोट अब 44-42 प्रतिशत के अनुपात में बंट चुका है। वहीं, कांग्रेस के साथ गठबंधन के कारण उद्धव ठाकरे की पार्टी को जो मुस्लिम वोट मिला था, वह एमवीए से अलग होने के बाद स्वतः ठाकरे खेमे में आएगा, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है।

इसके अलावा पवार परिवार के प्रतिद्वंद्वी गुट भी धीरे-धीरे करीब आते दिख रहे हैं। एनसीपी (अजित पवार गुट) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार गुट) ने पुणे नगर निगम और पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम के चुनाव एक साथ लड़ने का फैसला किया है। यह संकेत है कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर पारिवारिक रिश्तों को तरजीह मिल सकती है। इन घटनाक्रमों ने महाराष्ट्र में बड़े राजनीतिक फेरबदल को लेकर अटकलें और तेज कर दी हैं। काफी समय से यह चर्चा चल रही है कि वरिष्ठ पवार गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो सकता है, जहां अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति संभालेंगे और सुप्रिया सुले को राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका दी जा सकती है।

अपने लंबे और प्रभावशाली राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण में शरद पवार संभवतः अपनी बेटी सुप्रिया का भविष्य सुरक्षित करना चाहते हैं, खासकर तब जब उन्हें अजित पवार के स्तर का जनाधार वाला नेता नहीं माना जाता। शुरुआती बातचीत में दोनों गुटों के एक ही चुनाव चिन्ह पर लड़ने की संभावना पर भी विचार हुआ था, लेकिन शरद पवार गुट के इनकार से यह स्पष्ट हो गया कि अभी पूरी सुलह नहीं हुई है।

फिर भी, यह सीमित सहयोग दोनों के हित में है, खासकर पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ जैसे पश्चिमी महाराष्ट्र के इलाकों में खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए, जो कभी एनसीपी के मजबूत गढ़ हुआ करते थे।

2017 में भाजपा ने इन दोनों नगर निगमों पर कब्जा जमाकर एनसीपी को दूसरे स्थान पर धकेल दिया था। हाल के विधानसभा चुनावों में भी इन दो जिलों में भाजपा ने सबसे अधिक सीटें जीतीं, जिससे साफ है कि इस क्षेत्र में एनसीपी का पतन लगातार हो रहा है। पवार गुटों का यह गठबंधन इसी रुझान को पलटने की कोशिश है।

रणनीतिक कारण भी अहम हैं। एनसीपी के दोनों गुट संभवतः भाजपा के बिना भविष्य की राजनीति के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। यह अटकलें भी हैं कि भाजपा 2029 के चुनाव अकेले लड़ सकती है, जिससे अजित पवार गुट हाशिये पर चला जाएगा। ऐसे में चाचा के गुट से संवाद बनाए रखकर अजित पवार भविष्य की अनिश्चितताओं के खिलाफ अपनी राजनीतिक सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं।

इस तरह, ये नगर निकाय चुनाव न सिर्फ संगठनात्मक ताकत की परीक्षा होंगे, बल्कि राजनीतिक रणनीतियों की भी कसौटी साबित होंगे। ठाकरे परिवार के लिए यह अस्तित्व और विरासत का सवाल है, जबकि पवारों के लिए खोई हुई जमीन वापस पाने और भविष्य के विकल्प सुरक्षित करने की लड़ाई। इन चुनावों के नतीजे आने वाले वर्षों में महाराष्ट्र की राजनीति की दिशा तय करेंगे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908